श्यर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 165 | गुवाहाटी | गुरुवार, 5 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत छात्राएं सम्मानित — पेज 3
राष्ट्रपति मुर्मू ने मुरली क्लास में लिया भाग, पांडव भवन... — पेज 4
गोशालाओं के लिए बनाएं सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल : मुख्यमंत्री — पेज 5
सरकार बीपीएल कार्ड रद्द कर रही ओछी राजनीति : करण सिंह दलाल — पेज 8

असम वैभव, असम गौरव और असम सौरव पुरस्कार घोषित

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को असम सरकार के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार असम वैभव, असम गौरव और असम सौरव पुरस्कारों की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में पुरस्कारों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि आज की कैबिनेट में लिए गए निर्णय के अनुसार, असम का सर्वोच्च पुरस्कार असम वैभव पुरस्कार इस बार डॉ. तपन सैकिया जो अंतर्राष्ट्रीय कैंसर चिकित्सक हैं, को दिया जाएगा। इसी तरह असम के 5 प्रमुख व्यक्तियों को असम सौरभ पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। जिसमें कृष्णा रॉय, गिल्बर्टसन सांग्मा, -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य कैबिनेट : गुवाहाटी में तीन नए फ्लाई ओवर और एक का विकास आदि फैसला

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को जनता भवन (असम सचिवालय) में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट की निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट बैठक में यातायात व्यवस्था को उन्नत करने, यातायात जाम की समस्या को कम करने को लेकर नौ परियोजनाओं में परामर्श सेवाओं के लिए नामांकन के आधार पर राइट्स लिमिटेड को 24.57 करोड़ रुपए की जिम्मेदारी देने का निर्णय लिया गया। इन

फाइल फोटो

नौ परियोजनाओं में सिलचर में तारापुर शिवबाड़ी के पास सड़कें, गुवाहाटी में जीएस रोड पर डाउनटाउन अस्पताल के पास ओवर ब्रिज, गुवाहाटी में आरके चौधरी रोड पर फटाशील चौराहे पर फ्लाई ओवर ब्रिज शामिल हैं। गुवाहाटी में जीएस रोड पर राजीव भवन के पास फ्लाई ओवर का विकास, गुवाहाटी के गरल से पलाशबाड़ी (लगभग 7.5 किमी) तक असम ट्रंक रोड का विकास भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक में रानी-कोइनाधारा मार्ग के बिल (झील) की सीमावर्ती आजरा और कामाख्या रेल मार्ग के समानान्तर -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में अगली सरकार टीएमसी की : सुष्मिता

शिलांग। तृणमूल नेता और राज्यसभा सदस्य सुष्मिता देव ने कहा है कि मेघायल में जनता वर्तमान कोनराड सांग्मा सरकार से त्रस्त है। मेघालय में जनता के सामने तृणमूल कांग्रेस ही विकल्प है और मुकुल सांग्मा के नेतृत्व में वहां अच्छा प्रचार कार्य चल रहा है। कांग्रेस का यहां कोई नामलेवा नहीं और भाजपा की नीति कभी पूर्वोत्तर में स्वीकार्य नहीं होगी। प्रदेश की जनता विकास चाहती है और यह सरकार विकास से कोसों दूर है। तृणमूल कांग्रेस को हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है। देव ने आगे कहा कि चुनाव के बाद आप देखेंगे कि मेघालय में तृणमूल की सरकार बनने जा रही है। इस समय मेघालय में सत्तारूढ़ मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (एमडीए) की सरकार है। भाजपा राज्य में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की सहयोगी है। एक सवाल के जवाब में देव ने कहा कि सबसे पहली बात यह है कि मेघालय की जनता वहां बदलाव -शेष पृष्ठ दो पर

जमीयत-ए-उलेमा कार्यालय और दुकानों पर बुलडोजर

नगांव। असम के नगांव जिला प्रशासन ने बुधवार को जमीयत-ए-उलेमा की स्थानीय इकाई के एक अस्थायी कार्यालय से अतिक्रमित भूमि पर निर्मित कुछ आधी-अधूरी दुकानों को ध्वस्त कर दिया। सर्किल अधिकारी इशान कुमार सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि निर्माण कथित रूप से सोनाईघाट सरकारी स्कूल के खेल के मैदान पर किया गया था और स्कूल अधिकारियों की शिकायतों के बाद इसे गिराया गया। जमीयत के एक स्थानीय पदाधिकारी नुरुल अमीन चौधरी द्वारा भूमि पर कथित रूप से कब्जा कर लिया गया था, जिसने उस

जमीन पर संगठन का एक अस्थायी कार्यालय बनाया और लगभग दस दुकानों का निर्माण शुरू किया। सर्किल अधिकारी इशान कुमार सिंह ने -शेष पृष्ठ दो पर

बिप्लब देब के घर पर हमला, गाड़ियों में तोड़फोड़

अगरतला। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव देब के पुस्तैनी घर पर हमला किया गया है। हमलावरों ने पूर्व सीएम के घर में आग लगा दी और वहां खड़ी कार के शीशे भी तोड़ दिए हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की आनन-फानन में मौके पर पहुंच गई है। पुलिस घटना के चश्मदीदों से पूछताछ कर रही है ताकि यह साफ हो सके कि आखिर हमला करने वालों में कौन-कौन से लोग शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आज यानी बुधवार को बिप्लब देब के पिता की पुण्यतिथि भी है ऐसे में इस हमले को लेकर कई तरह के सवाल भी उठ रहे हैं। सूत्रों की मानें तो दिवंगत पिता की याद में यहां -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

दिल्ली हादसा : नशे में नहीं थी अंजलि

नई दिल्ली। दिल्ली के कंझावला हिट एंड रन केस की फोरेंसिक रिपोर्ट में कार के अंदर अंजलि के होने का कोई सबूत नहीं मिला है। बुधवार को आई फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) रिपोर्ट के मुताबिक अंजलि कार के फ्रंट लेफ्ट टायर में फंसी थी, क्योंकि इसी टायर के पीछे ज्यादातर खून के धब्बे पाए गए हैं। कार के नीचे दूसरे हिस्सों में भी खून के धब्बे मिले हैं। उधर, पीड़ित लड़की के फैमिली डॉक्टर ने अंजलि के नशे में होने के दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि अटॉप्सी रिपोर्ट में पाया गया है कि मृतका के पेट में अल्कोहल नहीं था। उन्होंने बताया कि अटॉप्सी रिपोर्ट के

मुताबिक, पेट के अंदर खाना मिला। अगर उसने (अंजलि) ड्रिंक किया होता तो रिपोर्ट में केमिकल की मौजूदगी को मेंशन किया जाता, लेकिन रिपोर्ट में लिखा गया कि केवल पेट में खाना मिला है। डॉक्टर ने यह भी कहा कि यह एक नॉर्मल मर्डर नहीं है। मरने से पहले अंजलि को बहुत प्रताड़ित किया गया। उसके शरीर पर 40 चोटें थीं। निधि ने पुलिस को दिए बयान में हादसे की वजह कार सवारों की गलती को बताया है। हालांकि उसने अंजलि के नशे में होने की बात भी कही है। उसने दावा किया कि अंजलि बहुत नशे की हालत में थी। मैंने उसे कहा था कि -शेष पृष्ठ दो पर

पंचतत्व में विलीन शिक्षाविद् जगदीश प्रसाद अग्रवाल

विभिन्न संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी। शिक्षाविद्-वयोवृद्ध समाजसेवी जगदीश प्रसाद अग्रवाल के पार्थिव शरीर को आज भूतनाथ स्थित मुक्तिधाम में पंचतत्व में विलीन कर दिया गया। गमगीन माहौल में उनके पुत्र राजेश और मुकेश अग्रवाल ने मुखाग्नि दी। इससे पूर्व विभिन्न संगठनों की ओर से दिवंगत जगदीश प्रसाद अग्रवाल को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। उनको श्रद्धांजलि देने वाले संगठनों में श्री गौहाटी गौशाला, श्री मारवाड़ी दातव्य औषधालय, रॉयल समूह, होजाई कॉलेज, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा, -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

जम्मू-कश्मीर में सीआरपीएफ के 18 सौ अतिरिक्त जवानों की तैनाती

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) राजौरी जिले में दो ताजा आतंकी हमलों में नागरिकों की हालिया हत्याओं के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में अतिरिक्त 18 कंपनियां भेजेगा। सीआरपीएफ की 18 कंपनियों-लगभग 1,800 कर्मियों को मुख्य रूप से पुंछ और राजौरी जिलों में तैनाती के लिए जम्मू क्षेत्र में भेजा जाएगा। इनपुट्स के मुताबिक, सीआरपीएफ की आठ कंपनियां जल्द ही जम्मू-कश्मीर में तैनात की जाएंगी, जबकि सीआरपीएफ की 10 कंपनियां दिल्ली से भेजी जा रही हैं। सूत्र ने -शेष पृष्ठ दो पर

हनी ट्रैप में फंसाने का सौंपा था काम : आईएसआई जासूस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी से पिछले महीने पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए काम करने के आरोप में गिरफ्तार एक स्थानीय एजेंट गुड्डू कुमार ने पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गुड्डू को भारतीय सेना और वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों को हनी ट्रैप में फंसाने का काम सौंपा गया था। यह खुलासा कुमार ने

पूछताछ के दौरान किया। इतना ही नहीं उसने स्वीकार किया है कि वह इसकी तैयारी कर रहा था, लेकिन काम को अंजाम देने से पहले ही वह गिरफ्तार हो गया। पुलिस के सूत्रों के अनुसार, जब उसे गिरफ्तार किया गया, तब वह क्षेत्र में भारतीय सेना और वायुसेना के ठिकानों पर तैनात अधिकारियों के मोबाइल नंबर और तस्वीरें जुटा रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि उस -शेष पृष्ठ दो पर

श्रद्धा मर्डर मामला बाल-हड्डी के सैंपल मैच

नई दिल्ली। दिल्ली के चर्चित श्रद्धा वालकर हत्याकांड में बुधवार को माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए रिपोर्ट आ गई। इसमें श्रद्धा के बाल और हड्डी के सैंपल मैच होने की पुष्टि हुई है। जांच के लिए इन्हें

हैदराबाद भेजा गया था। स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर सागर प्रीत हुड्डा ने कहा कि दिल्ली पुलिस को सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स से रिपोर्ट मिल गई है। अब इसके आगे पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। बता दें कि पिछले महीने भी एक डीएनए टेस्ट किया गया था, जिसमें दिल्ली के जंगलों से मिली हड्डियों का मिलान श्रद्धा के पिता से किया गया -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दुष्ट की मित्रता से शत्रु की मित्रता अच्छी होती है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

सोनिया गांधी अस्पताल में

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की अचानक तबीयत खराब होने के चलते आज बुधवार को उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक उनके फेफड़े में संक्रमण बताया जा रहा है। वहीं, सर गंगा राम हॉस्पिटल के डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि वायरल रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन की निगरानी और इलाज के लिए उन्हें चेस्ट मेडिसिन विभाग में भर्ती कराया गया है। सूत्रों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती कराने के समय सोनिया गांधी की बेटी प्रियंका गांधी वाद्रा उनके साथ थीं। सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी श्वास संबंधी -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल के नए पाकिस्तान होने का खतरा

काठमांडु। पाकिस्तान की तरह नेपाल पर भी अब फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में आने का खतरा बढ़ गया है। नेपाली मीडिया के अनुसार पिछले दिनों एफएटीएफ की एशिया-प्रशांत क्षेत्र ने देश का दौरा किया है। एफएटीएफ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनी-लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग पर नजर रखती है। इस टीम के दौरे के बाद लोगों चिंता है कि अगर नेपाल ग्रे लिस्ट में आ गया तो कितनी बड़ी मुसीबत पैदा हो सकती है। बता दें कि नेपाल साल 2008 से 2014 तक एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में था। उसके बाद उसने इस दिशा में काफी प्रगति की। साल 2008 में उसने एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में संशोधन किया था। इसके बाद नेपाल साल 2014 में इस लिस्ट से बाहर आ गया

था। नेपाल राष्ट्र बैंक के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से काठमांडू पोस्ट ने लिखा है कि ग्रे लिस्ट में आने के बाद खतरा काफी बढ़ जाएगा। देश में मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग से जुड़े कानून बनाना और फिर उसे लागू कराना अपने आप में एक चुनौती है। जानकारों के मुताबिक भारत और पाकिस्तान दोनों पड़ोसी और दोनों के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) तय है। शायद इस वजह से ही भारतीय सीमाएं लांघना दुश्मन के लिए आसान नहीं हैं। लेकिन अगर नेपाल से आतंकी देश में दाखिल होने लगे तो यह भारत के -शेष पृष्ठ दो पर

खालिस्तान जनमत संग्रह का प्लान विफल

वाशिंगटन। भारत से पंजाब के लिए एक अलग राज्य के लिए अभियान चलाने वाले अमेरिका स्थित सिख फॉर जस्टिस समूह का 26 जनवरी को पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली में खालिस्तान जनमत संग्रह कराने की योजना विफल होती नजर आ रही है। संगठनों, धार्मिक संस्थाओं के पूर्ण सहयोग के अभाव में ये अभियान ठुस्स कर दिया गया है। पंजाब के सिख और धार्मिक संगठनों द्वारा पन्नू को दोतरफा जवाब देकर असंवैधानिक जनमत संग्रह से खुद को दूर रखने की खबर आ रही है। भारत में प्रतिबंधित संगठन एसएफजे के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बयान में घोषणा की कि पंजाब के लोगों को

खालिस्तान के सपने को साकार करने के लिए 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर पंजाब में होने वाले जनमत संग्रह के लिए मतदान करना चाहिए। लेकिन पंजाब में सिखों की मदद के अभाव में पन्नू का यह प्लैन कामयाब होता नहीं दिख रहा। खालिस्तान जनमत संग्रह के लिए समर्थन प्राप्त करने के लिए एसएफ्छएफजे ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) जैसे सिख संगठनों से मोदी सरकार की मदद करने की बजाय 26 जनवरी 2023 को भारत में जनमत संग्रह के लिए मतदान करने के कहा है लेकिन इस अपील को भारत के पंथक सिख संगठनों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मृत सैनिकों की संख्या छुपा रहा रूस : यूक्रेन

कीव/मॉस्को। नए साल की शाम यानी 1 जनवरी को यूक्रेन ने रूसी कब्जे वाले डोनेस्टक में मिसाइलें दागी थीं। यूक्रेनी सेना ने दावा किया था कि उसने रूस के 400 सैनिकों को मार गिराया है। अब रूसी सेना का कहना है कि हमले में उसके सिर्फ 89 सैनिक ही मारे गए। हमले के तुरंत बाद रूस ने कहा था कि 63 सैनिकों की मौत हुई है। ये पहली बार नहीं है जब, रूस मारे गए सैनिकों की संख्या छुपा रहा हो। जंग शुरू होने के बाद दावा किया गया था कि 2 मार्च तक 15 हजार रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं, लेकिन रूस ने कहा था कि सिर्फ 500 सैनिक ही मारे गए। दूसरा बयान 25 मार्च को दिया, जिसमें केवल 1,351 सैनिकों की मौत की पुष्टि की गई। इसके बाद से जंग में कितने रूसी सैनिक मारे गए हैं इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं दिया गया। पुतिन सरकार के समर्थक कहे जाने वाले कॉम्सोमॉलिस्का प्रावदा ने कहा था कि अप्रैल 2022 तक जंग में 10 हजार रूसी सैनिक मारे गए। हालांकि, इस खबर को सामने आने के कुछ ही घंटे बाद हटा दिया गया था। इसके पीछे सरकार का दबाव बताया गया। रूसी सेना ने कहा कि यूक्रेन ने डोनेस्टक के मकीवका इलाके में एक स्कूल पर 6 मिलाइलों से हमला किया। यहां हमारे सैनिकों मौजूद थे। हमले में डिप्टी कमांडर लेफटिनेंट कर्नल बचुरिन की मौत हो गई। जंग में कई रूसी कमांडरों की मौत हुई है। जंग के 34वें दिन यानी मार्च 2022 में यूक्रेन ने दावा किया था कि रूस के 7 कमांडर मारे जा चुके हैं। नए साल के दिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की में जुबानी जंग हुई थी। दोनों ने अपने देश को संबोधित किया था। पुतिन ने 9 मिनट लंबे संबोधन में कहा था कि हमारी सेना अपनी जमीन, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रही है। हम रूस और अपने परिवारों के लिए जंग जीतेंगे। इसके पलटवार में यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदोमिर जेलेंस्की ने भी वीडियो मैसेज जारी किया था-उन्होंने रूस के लोगों को कहा कि पुतिन उन्हें तबाह कर रहे हैं। वो अपने सैनिकों का नेतृत्व नहीं कर रहे बल्कि उनकी आड़ में छिप रहे हैं। कीव इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशियोलॉजी के सर्वे के मुताबिक, 85 फीसदी यूक्रेनी नागरिक नहीं चाहते कि रूस का उनकी जमीन पर किसी भ तरह का कब्जा हो। ये सर्वे 4 दिसंबर से 27 दिसंबर के बीच उन इलाकों में किया गया जहां रूसी कब्जे नहीं है। कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक, सिर्फ 8 फीसदी लोगों ने कहा कि यूक्रेन को शांति लाने के लिए रूस के सामने सरेंडर कर देने चाहिए।

वंचितों की साझेदारी के बिना हिंदुत्व अधूरा : हितेश शंकर

लखनऊ (हि.स.)। पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर ने कहा कि कल्याण सिंह कहते थे कि वंचितों की साझेदारी के बिना हिंदुत्व अधूरा है। सत्य हर दौर में स्तुत्य होता है। वह बड़े निर्भीक थे। स्व. कल्याण सिंह के पुण्य स्मरण मात्र से हमारी रगों का खून गर्म हो जाता है। उन्होंने कहा था कि मै कारसेवकों पर गोली नहीं चलाऊंगा, नहीं चलाऊंगा, नहीं चलाऊंगा। उनका यह वीडियो आज तक सबसे अधिक वायरल होने वाला वीडियो है। स्व. कल्याण सिंह की 91वीं जयंती की पूर्व संध्या पर नगर मुख्यालय के समक्ष आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए हितेश शंकर ने कहा कि कल्याण सिंह असौली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा के मुख्य शिक्षक थे। कल्याण सिंह का पांचजन्य का अटूट रिश्ता रहा है। कल्याण सिंह और पांचजन्य दोनों का केंद्र लखनऊ रहा है। जब वह मुख्यमंत्री बने तो अपनी पूरी कैबिनेट के साथ अयोध्या जाकर शपथ ली। पांचजन्य के संपादक ने कहा कि कल्याण सिंह के संकल्प के आगे ढांचे का एक अंश विवादित स्थल पर नहीं बचा। राम का काम राष्ट्र का काम है, यह मानकर वह चलते थे। वह कहते थे कि वंचितों की साझेदारी के बिना हिंदुत्व अधूरा है। वह कहते थे कि हिंदू भावनाओं का निरादर करके राजनीति नहीं की जा सकती है। एक बात वह और भी कहते थे कि 21वीं शताब्दी हिंदुत्व की शताब्दी होगी। कल्याण सिंह के पुत्र व एटा सांसद राजवीर सिंह ने कहा कि हम उनके पुत्र हैं। यह हमारा सौभाग्य है। उन्होंने प्रदेश में सुशासन की स्थापना के लिए काम किया था। आज प्रदेश की योगी व केंद्र की मोदी सरकार बेहतर काम कर रही है। लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया ने कहा कि स्व. कल्याण सिंह हिंदुत्व की राजनीति के पुरोधा थे। उन्होंने प्रदेश को माफियाओं से मुक्ति दिलाई थी। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार किया था। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य राम माधव, केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर, उप्र सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री संजय निषाद, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह, एमएलसी रामचंद्र प्रधान, एमएलसी अविनाश सिंह, एमएलसी मुकेश शर्मा, सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह व गोपाल टण्डन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

टिंगखांग के गेला-दिसांग कदमनी झील में प्रवासी पक्षियों का आगमन

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। डिब्रूगढ़ जिलांतर्गत टिंगखांग के गेला-दिसांग कदमनी झील एक ऐसा झील है जो सुंदर पक्षियों का स्थाई आवास बन गया है। सर्दियां आते ही दूर-दूर से विभिन्न प्रवासी पक्षी झील में आते हैं। पक्षियों के आने से झील विभिन्न प्रवासी पक्षियों की मधुर स्वर लहरियों से गूंज उठता है। जो लोगों के मन को मोह लेते हैं। सर्दियों के मौसम में इन दिनों विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे प्रवासी पक्षी झील में पहुंच गये हैं। गर्मी शुरू होते ही ये पक्षी वापस लौट जाएंगे। टिंगखांग के गेला-दिसांग कदमनी झील प्रवासी पक्षियों का अस्थाई निवास स्थान को देखने के लिए कई प्रकृति प्रेमी दूर-दूर से इन खूबसूरत पक्षियों को देखने तथा उनकी मधुर स्वर लहरियों को सुनने के लिए आते हैं। कई प्रकार के पक्षी यहां पर खुले में घूमते हैं। खास कर नीले रंग की चिं?या। इन प्रवासी पक्षियों को देखने के लिए झील के किनारे लोगों की भीड़ इन दिनों देखी जा रही है। ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने प्रकृति के प्रति दुर्लभ प्रेम दिखाया है। स्थानीय लोगों ने पक्षी संरक्षण समिति का गठन कर झील में शरण लेने वाले पक्षियों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाया है। कानून के मुताबिक किसी पक्षी को मारने वाले पर 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा स्थानीय लोगों ने इस झील को सुंदर बनाने और इसे पक्षी अभयारण्य में बदलने की योजना बनायी है।

मादक पदार्थ की तस्करी मामले में शामिल एक महिला गिरफ्तार

हैलाकांदी (हि.स.)। हैलाकांदी जिला की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर भारी मात्रा में मदक पदार्थ समेत एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बुधवार को जिला के हैलाकांदी सदर पुलिस चौकी अंतर्गत मानासा ?ा निश्चिंतपुर द्वितिय खंड इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने तस्लीमा बेगम लश्कर के घर से लगभग 11.7 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया है। महिला के घर से मादक पदार्थ के अलावा नगद 38 हजार 900 रुपए भी पुलिस ने जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने तसलीमा बेगम लश्कर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित काफी लंबे समय से इलाके में ड्रग्स का कारोबार चला रही थी। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार महिला तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

गुजरात में मिली करारी हार की समीक्षा करेगी कांग्रेस, तीन सदस्यीय समिति का गठन

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तीन सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग समिति का गठन किया है। समिति गुजरात में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों के परिणामों की समीक्षा करेगी। कमेटी दो सप्ताह के भीतर पार्टी अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपेगी। दरअसल, गुजरात विधानसभा चुनाव में इस बार कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। वह 17 सीटों पर ही सिमट गई थी। देश की सबसे पुरानी पार्टी का राज्य में अब तक यह सबसे बुरा प्रदर्शन है। इससे पहले 1990 के चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे नीचे गिरा था। तब पार्टी को सिर्फ 33 सीटें मिली थीं। साल 2002 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 50 सीटें, जबकि 2007 में 59 सीटें मिली थीं। पिछले चुनाव में कांग्रेस को 77 सीटें मिली थीं। वहीं, भाजपा ने सत्ता विरोधी लहर की धारणा को धता बताते हुए अपने पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। भाजपा इस बार गुजरात विधानसभा की कुल 182 सीटों में 156 पर जीत हासिल की थी। भाजपा को इससे पहले साल 2002 के चुनाव में 127 सीटें मिली थीं, लेकिन इसके बाद हुए चुनावों में पार्टी की सीटें घटती गईं। 2017 के चुनाव में भाजपा को 99 सीटें ही मिली थीं। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश और असम के पार्टी नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ दोनों राज्यों की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की गई। खरगे ने असम प्रदेश महिला कांग्रेस को प्रदेश में *भारत जोड़ो यात्रा* निकालने के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने एक ट्वीट में यह आरोप लगाया कि मोदी सरकार में किसानों की आय दोगुनी तो नहीं हुई, बल्कि हर साल घटी है। 2016-17 से 2020-21 के बीच किसानों की आय हर साल 1.5 प्रतिशत घटी है। कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दौरान किसानों की आय हर साल 7.5 प्रतिशत तक बढ़ी थी।

जंगली हाथी के हमले में वृद्ध की मौत

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के कलियाबर इलाके में पिछले कई दिनों से जंगली हाथी जमकर उपद्रव मचा रहे हैं। इसी दौरान जंगली हाथी के हमले में एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई है। वन विभाग ने बुधवार को बताया कि बीती रात खाने की तलाश में एक जंगली हाथी कलियाबर के बाड़ीगांव इलाके में घुस आया। इस दौरान जंगली हाथी ने घर के आंगन में बैठे मोहन तामुली नामक वृद्ध व्यक्ति पर हमला कर दिया।

SHORT EXAMINATION NOTICE

THE GAUHATI HIGH COURT AT GUWAHATI
(The High Court of Assam, Nagaland, Mizoram and Arunachal Pradesh)

Screening Test in connection with direct recruitment to the 4 (four) posts of **Chauffeur** for the Principal Seat of the Gauhati High Court will be held on **22.01.2023** (Sunday) from 10.00 am to 11.00 at Guwahati. Roll Nos. of eligible candidates and other details can be seen in the relevant notification published in the official website **(www.ghconline.gov.in)** & Notice Board of Gauhati High Court at Guwahati.

Sd/-
Registrar (Administration),
Gauhati High Court, Guwahati

-- Janasanyog /D/ 19871 / 22

पृष्ठ एक का शेष

असम वैभव, असम ...

नयनमणि सैकिया, विनय कुमार सैकिया और डॉ. शशिधर फुकन के नाम शामिल हैं। असम गौरव पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों के लिए राज्य के 15 व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा। जिसमें नवग्रह की सेवा करने वाले धृतिमाला डेका, डॉ. देवजीत बर्मन, रुस्तम बसुमतारी, मंजेला (चिंगफो हेरिटेज के लिए काम करने वाले), बिनंदा हातीबरूवा (मगुरिबिल में विशेषज्ञ), अतुल चंद्र बरुवा, कल्याणी राजवंशी (स्वयं सहायता समूह के भागीदार), शीला ग्वाला (आशाकर्मी), डॉ. योगेश देउरी (रेशम तथा सोनाली सूत विशेषज्ञ), पंकजलाल गोगोई, सर्वेश्वर बसुमतारी, मानथांग मार (अन्नानास के किसान), डॉ. ध्रुवज्योति शर्मा, दयाल गोस्वामी और सैयद इफ्तिकार अहमद के नाम शामिल हैं।

राज्य कैबिनेट : गुवाहाटी ...

स्थित 7 हाथियों के कॉरिडोर का निर्माण करने के साथ ही शहीद स्मारक और कोइनाधारा मार्ग के बीच दीपर बिल (झील) में ऊपर से 2 एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने शहर में सीएनजी गैस वितरण नेटवर्क के लिए असम सरकार की गैस वितरण नीति 2022 को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने गुवाहाटी के बेतकुची में एकीकृत निदेशालय कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 808.4 करोड़ रुपए की संशोधित प्रशासनिक मंजूरी दी है। इस पर कैबिनेट ने जमीन से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर फैसला लिया। आज उत्तर गुवाहाटी राजस्व चक्र के सीला सिंधुरी घोपा मौजा के अंतर्गत सीला ग्रांट के 25 परिवारों को भूमि का प्रीमियम प्रति कट्ठा 1000 रुपए के तहत 5 बीघा 1 कट्ठा और 3 लेसा भूमि प्रदान करने का निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बेसिक शिक्षा और प्राथमिक बाल देखभाल और शिक्षा के समग्र लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आज की कैबिनेट बैठक में कई निर्णय भी लिए गए।

जमीयत-ए-उलेमा कार्यालय....

कहा कि स्कूल के अधिकारियों ने जिला अधिकारियों को एक लिखित शिकायत दी थी और भूमि रिकॉर्ड की विस्तृत जांच के बाद निर्माण को ध्वस्त करने का निर्णय लिया गया। एक शिक्षक, मैनुल हक चौधरी ने कहा कि अधिकारियों ने प्रशासन को लिखा था कि खेल के मैदान में अवैध निर्माण के कारण बच्चे खेलने में असमर्थ हैं। जमीयत के पदाधिकारी से संपर्क करने के कई प्रयास किए गए,पत्रकार भी उनके घर गए लेकिन उन्होंने मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया। अन्य जमीयत सदस्यों ने भी विध्वंस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि वे विवरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बता दें पिछले महीने नगांव जिले के बटाद्रवा में अतिक्रमित भूमि पर बड़े पैमाने पर निष्कासन अभियान चलाया गया था, जिससे लगभग 1,000 परिवार प्रभावित हुए थे।

बिप्लब देब के घर...

वार्षिक अनुष्ठान का आयोजन भी किया जाना था लेकिन, उससे पहले ही पूर्व सीएम के घर पर हमला होता है और घर को आग के हवाले कर दिया जाता है। राहत की बात रही कि जिस वक्त घर को आग के हवाले किया गया उस समय उसमें कोई नहीं था। देब त्रिपुरा के मुख्यमंत्री थे, लेकिन पिछले साल मई महीने में भाजपा ने उन्हें पद से हटा दिया था। उनकी जगह राज्यसभा के सदस्य और भाजपा की त्रिपुरा इकाई के अध्यक्ष माणिक साहा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। बाद में साहा ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा ने इस सीट पर देब को अपना उम्मीदवार बनाया था। देब ने उपचुनाव में जीत दर्ज की थी।

मेघालय में अगली ...

चाहती है। लेकिन अभी तक वहां पर कोई दूसरी पार्टी नहीं थी, जिसे लोग चुनते, जिन्हें लोग मौका देते। जबसे मुकुल सांग्मा के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने वहां पर काम करना शुरू किया, तो लोगों में विश्वास होने लगा है। लोग तृणमूल पर विश्वास करने लगे हैं। जनता वर्तमान सरकार से त्रस्त है। जनता बदलवा चाहती है, और तृणमूल कांग्रेस उनकी भावनओं पर खरी उतर रही है। सुष्मिता ने कहा कि हमने इंटरनल सर्वे कराया है। हमें जिस तरह का समर्थन मिल रहा है, उससे हम उत्साहित हैं। गारो, खासी और जयंतिया हिल्स में तृणमूल कांग्रेस काम कर रही है। लोग जुड़ रहे हैं। लोगों के उत्साह को देखते हुए हम पूरी तरह से आशावान हैं कि हम सरकार बनाएंगे। वहां तृणमूल के अलावा लोगों के पास कोई विकल्प ही नहीं है। कांग्रेस का तो वहां पर कोई अस्तित्व ही नहीं रहा। वहां पर कांग्रेस का कोई नाम लेवा भी नहीं है। भाजपा के सरकार बनाने के दावों पर देव ने कहा कि इस समय मेघालय में भाजपा सरकार में है। उन्होंने जनता के लिए क्या किया। भाजपा वाले एक भाषा और भूषा की बात करते हैं। जो पूर्वोत्तर में कभी स्वीकार्य नहीं। यहां कई धर्म, कई जाति और नाना वेषभूषा के लोग रहते हैं। असम में तो भाजपा की सरकार है, इस पर देव ने कहा कि यह भाजपा की सरकार नहीं है। यह हिमंत विश्व शर्मा की सरकार है। जैसे कांग्रेस-आई बनी थी। वैसे ही असम की भाजपा-एच है यानि भाजपा-हिमंत। इस वर्ष पूर्वोत्तर के चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं, जिनमें मेघालय एक है।

दिल्ली हादसा : नशे ...

मुझे स्कूटी चलाने दे, लेकिन उसने मुझे स्कूटी चलाने नहीं दी। निधि ने कहा कि कार से टक्कर हुई, उसके बाद मैं एक तरफ गिर गई और वो कार के नीचे आ गई, उसके बाद गाड़ी के नीचे वह किसी चीज में अटक गई। उसे गाड़ी घसीटते हुए ले गई। मैं डर गई थी इसलिए मैं वहां से चली गई और किसी को कुछ नहीं बताया। हम दोनों एक साथ होटल में मौजूद थे। वहीं, आरोपियों ने पुलिस को बयान दिया है कि स्कूटी सड़क पर लहरा रही थी जिसकी वजह से टक्कर हुई। फिलहाल, पुलिस दोनों तरफ के बयानों की जांच कर रही है। अंजलि के परिवार ने इसे प्लान्ड मर्डर करार दिया। उन्होंने कहा कि निधि पूरी तरह से झूठ बोल रही है। एक स्कूटी में सवार दो लोगों का एक्सीडेंट होता है और एक मर जाती है, लेकिन दूसरी वहां से कुछ मदद किए बिना भाग जाती है। अचानक फिर साइड हीरोइन की तरह 75 घंटे बाद आती है और झूठी कहानी बताती है। उन्होंने निधि के आरोपों का खंडन किया है। परिजन ने निधि के लिए कहा कि वह कैसी दोस्त है जो एक्सीडेंट के बाद गायब हो गई। परिवार ने कहा कि उसके साथ बर्बरता हुई है। अंजलि की बॉडी के साथ ब्रेन नहीं मिला।

पंचतत्व में विलीन...

महाराजा अग्रसेन चैरीटेबल ट्रस्ट, श्री हनुमान जयंती महोत्सव समिति आदि शामिल थे। इसके अलावा असम पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने उनको नम आंखों से श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सुबह 11 बजे उनके निवास से निकली अंतिम यात्रा में समाज के गणमान्य लोगों के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। मालूम हो कि 82 वर्षीय स्व. जगदीश प्रसाद अग्रवाल का निधन मंगलवार की देर रात हो गया था।

जम्मू-कश्मीर में ...

कहा कि जम्मू क्षेत्र में आतंकी हमले के बारे में खुफिया जानकारी के बीच गृह मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी एक आदेश के बाद यह कदम उठाया गया है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के ऊपरी डांगरी गांव में रविवार शाम और सोमवार सुबह हुए दो अलग-अलग आतंकी हमलों में दो बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस बीच एडीजीपी मुकेश सिंह ने लोगों को सतर्क किया क्योंकि राजौरी शहर से लगभग आठ किलोमीटर दूर ऊपरी डांगरी गांव के पास एक और संदिग्ध आईईडी देखा गया था। अधिकारियों ने बताया कि धमाका उस घर के पास हुआ जहां रविवार शाम को हुई गोलीबारी की घटना में चार नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। रविवार शाम से आतंकियों द्वारा किए गए दो आतंकी हमलों में करीब एक दर्जन लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों का जम्मू के अस्पताल में इलाज चल रहा है। पहले हमले में दो हथियारबंद आतंकवादी रविवार शाम करीब 50 मीटर की दूरी पर तीन घरों में घुस गए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में चार नागरिकों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। 16 दिसंबर को सेना के एक शिविर के बाहर दो लोगों के मारे जाने के बाद पिछले दो हफ्तों में राजौरी जिले में नागरिक हत्याओं की यह तीसरी घटना है। बता दें हमले से जिले में दहशत का माहौल है। घटना के विरोध में कई संगठनों ने आज हड़ताल का आह्वान किया है और त्वरित कार्रवाई की मांग की है। सेना और सीआरपीएफ ने ऊपरी डांगरी गांव में हमले के पीछे दो *हथियारबंद लोगों* को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान भी शुरू किया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजौरी में हुए आतंकी हमले की निंदा की। उपराज्यपाल कार्यालय ने एलजी मनोज सिन्हा के हवाले से कहा कि हमले में शहीद हुए प्रत्येक नागरिक के निकटतम संबंधी को 10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि और एक सरकारी नौकरी दी जाएगी। साथ ही गंभीर रूप से घायलों को 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि एलजी मनोज सिन्हा ने अधिकारियों को घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि मैं राजौरी में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैं लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि इस घृणित हमले के पीछे जो लोग हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। मेरे विचार और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

हनी ट्रैप में फंसाने ...

पर आईएसआई का दवाब था। केंद्रीय खुफिया एजेंसी के अलर्ट के बाद 21 दिसंबर को एसटीएफ ने आईएसआई एजेंट गुड्डू को गिरफ्तार किया था। मूल रूप से बिहार के चंपारण का रहने वाला आरोपित गुड्डू सिलीगुड़ी में बैटरी से चलने वाला टोटो रिक्शा चलाकर अपनी आजीविका चलाता था। हालांकि, केंद्रीय एजेंसी के अलर्ट के अनुसार, वह इसकी आड़ में सिलीगुड़ी के पास बागडोगरा, सेवक और सुकना जैसे क्षेत्रों में सेना की विभिन्न इकाइयों से महत्वपूर्ण जानकारी और तस्वीरें एकत्र करने के काम में जुटा था। वह सिलीगुड़ी में रहता था, लेकिन समय-समय पर वह सेना की इकाइयों के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए इन स्थानों की रेकी करता था। सूत्रों के अनुसार, उसके बारे में अलर्ट मिलने पर यहां एसटीएफ के जवानों ने उसके मोबाइल को ट्रैक करना शुरू किया और आखिरकार न्यू जलपाईगुड़ी में उसके वर्तमान ठिकाने के बारे में पता चला, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया था।

श्रद्धा मर्डर मामला...

था। तब भी डीएनए मैच कर गया था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक 28 साल के आफताब ने 18 मई को 27 साल की श्रद्धा का मर्डर कर दिया था। दोनों लिव-इन में रहते थे। आफताब ने श्रद्धा के शव के 35 टुकड़े किए थे। इन्हें रखने के लिए 300 लीटर का फ्रिज खरीदा था। वह 18 दिन तक रोज रात 2 बजे जंगल में शव के टुकड़े फेंकने जाता था। पिछले महीने आफताब का नार्को टेस्ट किया गया था। इसमें उसने श्रद्धा के मर्डर की बात कबूली थी। दिल्ली के बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में 2 घंटे तक आफताब का नार्को टेस्ट चला था। आफताब ने टेस्ट में पूछे गए ज्यादातर सवालों के जवाब अंग्रेजी में दिए। उसने पॉलीग्राफ टेस्ट में भी श्रद्धा की हत्या की बात कबूल की थी, हालांकि तब उसने कहा था कि उसे हत्या का अफसोस नहीं है। रोहिणी एफएसएल में पॉलिग्राफ टेस्ट के लिए ले जाते वक्त आफताब पर हमला भी किया गया था। आफताब को ले जा रही पुलिस वैन पर रोहिणी स्थित फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) के बाहर 4-5 लोगों ने हमले की कोशिश की थी। इनके हाथों में तलवारें थीं। पुलिस ने इन हमलावरों से आफताब को बचाया था। आफताब को 12 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। 17 नवंबर को उसकी कस्टडी को पांच दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया। कोर्ट ने फिर 26 नवंबर को उसे 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। 9 दिसंबर को दिल्ली के साकेत कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। खबरों के मुताबिक, कोर्ट ने आफताब की कस्टडी 14 दिन बड़ा दी। इसके बाद से वह जेल में बंद है।

नेपाल के नए ...

लिए डराने वाली बात है। एफएटीएफ की टीम का दौरा करने का मकसद यह देखना था कि नेपाल उन मानकों पर खरा उतर रहा है या नहीं, जो उसकी तरफ से तय किए गए हैं। एशिया-पैसेफिक ग्रुप (एपीजी) यह देखेगी कि 16 दिसंबर 2022 तक नेपाल ने इस दिशा में कितनी प्रगति की है। अगर नेपाल उसकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा तो फिर उसे ग्रे लिस्ट में डाल दिया जाएगा। एफएटीएफ के शब्दकोष में *ब्लैकलिस्ट* या *ग्रे लिस्ट* जैसे शब्द शामिल नहीं हैं। लेकिन इन शब्दों का प्रयोग अक्सर संगठन की सूची में शामिल देशों के लिए किया जाता है। एफएटीएफ की ब्लैकलिस्ट का मतलब उच्च जोखिम वाले देश जिन पर कार्रवाई जरूरी है। इस लिस्ट में इस समय उत्तर कोरिया, ईरान और म्यांमार आते हैं। ग्रे लिस्ट यानी वो देश जो अपने यहां पर मनी लॉन्ड्रिंग या टेरर फाइनेंसिंग को रोकने में असफल रहे हैं उनके पास इनसे लड़ने की कोई रणनीति नहीं है। एक बार ग्रे लिस्ट में आने के बाद इन देशों को एक तय सीमा वाला एक्शन प्लान सौंपना होता है।

खालिस्तान जनमत संग्रह ...

और धार्मिक संगठनों ने खारिज कर दिया है। 26 जनवरी को जनमत संग्रह को लेकर भारत में भारी बदनाम होने के बाद एसएफजे ने ऑस्ट्रेलिया के सिख लोगों को गुमराह किया और 23 जनवरी को चुनाव की घोषणा की ताकि 26 जनवरी की योजना को आगे बढ़ाया जा सके। लेकिन भारत सरकार ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले जनमत संग्रह पर भी चिंता जताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है। सूत्रों का मानना है कि रोजी रोटी की तलाश में विदेश आए सिख जनमत संग्रह से दूरी बना रहे हैं। सूत्रों के अनुसार पन्नू एक बार फिर पाकिस्तान के गुणगान गाकर पंजाब में आतंकवाद फैलाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन विदेशों में भारत की बढ़ती ताकत के कारण आर्थिक रूप से कमजोर पाकिस्तानी एजेंसियां कश्मीर और खालिस्तान के मुद्दों से परहेज कर रही हैं।

सोनिया गांधी अस्पताल...

संक्रमण से पीड़ित रही हैं। उनकी तबियत मंगलवार से खराब थी जिस कारण राहुल गांधी और प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश में *भारत जोड़ो यात्रा* के प्रवेश करने पर सात किलोमीटर चलने के बाद मंगलवार शाम दिल्ली लौट आए थे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस की *भारत जोड़ो यात्रा* आज सुबह छह बजे बागपत के मवीकलां से फिर शुरू हुई। हालांकि प्रियंका गांधी बुधवार की सुबह राहुल गांधी के साथ पदयात्रा में शामिल नहीं हुई। उनके दोपहर बाद इस यात्रा में शामिल होने की संभावना है।

स्वर्वेद भाष्य

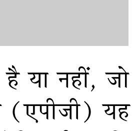

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

यह महिमा वैराग की, शोभा पावें सन्त।
आशा जग की कुछ नहीं, सदा भजे भगवन्त॥ 45॥

शब्दार्थ : (महिमा) बड़प्पन (आशा) भरोसा (भगवन्त) महाप्रभु।

भाष्य : यह वैराग्य की महिमा है, जिसके द्वारा अपने सद्गुणों से पूर्ण हो कर सुशोभित होते हैं। उन्हें संसार की कोई आशा नहीं, वे सदैव संसार से विरक्त हो महाप्रभु का भजन करते हैं।

श्वाँसा महँग अमूल्य है, गिन गिन लाव अनन्त।
धोखा में जनि खोबहू, फिर दुख पावहु अन्त॥ 46॥

शब्दार्थ : (श्वाँसा) प्राम, वायु (धोखा) भ्रम, भुलावा, कपट (अनन्त) महाप्रभु।

भाष्य : मानव-जीवन अमूल्य है। इस अमूल्य श्वांसा को दूसरे में न लगाकर एक-एक श्वांसा प्रभु के भजन, उपासना में लगावें। इस श्वांसा को धोखे में नष्ट करें, अन्यथा ऐसा अवसर न मिलेगा और फिर तुम अंत में आवागमन दु:ख को प्राप्त होगे इस लिए सर्व कामनाओं का त्याग कर एक मात्र प्रभु का भजन करो।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत छात्राएं सम्मानित

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (मेट्रो) जिला के महिला एवं बाल विकास विभाग और जिला प्रशासन ने बुधवार बैठक की। इस दौरान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत वर्ष 2022 में हायर सेकेंडरी (12वीं) और हायर सेकेंडरी लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा (10वीं) में सरकारी स्कूलों की 21 उत्कृष्ट छात्राओं और बालिकाओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही जिला के 4 विद्यालयों की संचालन समितियों को को भी सम्मानित किया गया। पुरस्कार के रूप में प्रत्येक को पांच हजार रुपए का एक चेक और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। हायर और हायर सेकेंडरी लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षाओं में जिला स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली दो छात्रों को दस हजार रुपए प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैठक की अध्यक्षता कामरूप (मेट्रो) जिला उपायुक्त पल्लव गोपाल झा ने की और छात्राओं से अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आग्रह किया। अतिरिक्त उपायुक्त कल्पना डेका ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी देवजीत बोरा, स्कूल इंस्पेक्टर प्रसन्न बोरा और जिला सूचना एवं जनसंपकल अधिकारी मणिमाला गोगोई उपस्थित रहते हुए छात्राओं को सम्मानित करते हुए उन्हें उत्साहित किया। बैठक में उपस्थित स्कूल संचालन समिति के सदस्यों को भविष्य में अपनी सफलता की यात्रा को आगे जारी रखने का परामर्श दिया। बैठक में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, कामरूप (मेट्रो) के तहत बालिका शिक्षा के महत्व पर दो जागरूकता वीडियो भी लांच किए गए। इनमें से एक में अतिरिक्त उपायुक्त कल्पना डेका ने और दूसरे को मेघली बरदलै ने अपनी आवाज दी है।

ढकुआखाना में मनाया गया विश्व ब्रेल दिवस

लखीमपुर (हि.स.)। लखीमपुर जिला के ढकुआखाना में बुधवार को ब्रेल दिवस मनाया गया। हर साल 4 जनवरी को विश्व स्तर पर विश्व ब्रेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन दृष्टि बाधित और दृष्टि-विहीन लोगों के लिए मानवाधिकार हासिल करने में संचार के साधन के रूप में ब्रेल के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। असम समग्र शिक्षा अभियान मिशन एवं ढकुआखाना प्राथमिक शिक्षा खंड के तत्वावधान में ढाकुआखाना राजकीय मध्य विद्यालय में एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ बुधवार को ब्रेल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों के बीच खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और माता-पिता और बच्चों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए खुली बैठकें आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम में लगभग सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया।

ट्रेनों पर पथराव एक आपराधिक मामला

गुवाहाटी (विभास)। मालदा और न्यू जलपाईगुड़ी क्षेत्र में हाल ही में नव संचालित वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव की कुछ घटनाएं सामने आई हैं। इस घटना से ट्रेनों में सवार यात्रियों में भय उत्पन्न हो गया। इस घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के जवान संयुक्त रूप से ऐसे क्षेत्रों में निगरानी रख रहे हैं। ट्रेनों पर पत्थर या इसी तरह की वस्तु फेंकना रेल अधिनियम में निर्धारित धारा 152, 153 और 154 के तहत एक आपराधिक मामला है। कोई भी व्यक्ति, यदि जानबूझकर या अनजाने में किसी भी वस्तु को ट्रेन के किसी चल स्टॉक में या उस पर फेंकता है, जो किसी भी यात्री की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है और किसी भी चल स्टॉक को बाधित करता है; आरोपी को दस साल तक की अवधि के लिए कारावास से दंडित किया जा सकता है। सतकलता बढ़ाने के अलावा, रेसुब द्वारा ऐसी घटनाओं के स्थानों के साथ-साथ स्कूलों, गांवों आदि को शामिल करते हुए पड़ोसी क्षेत्रों में भी जागरूकता अभियान आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि शरारती तत्व उन कृत्यों से बच सकें, जो ट्रेन संचालन की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। पूसी रेल आम जनता और यात्रियों से अपील करती है कि यदि उन्हें अनाधिकार प्रवेश और पथराव जैसी घटनाएं मिलती हैं, तो टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर (139) पर सूचित करें। रेलवे संपत्ति सार्वजनिक संपत्ति है और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा हर किसी की जिम्मेदारी है।

पत्नी से झगड़ने के बाद शराबी पति ने घर को फूंका, गिरफ्तार

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिला के नामती में बीती रात एक व्यक्ति में अपने घर में ही आग लगा दी। बताया जा रहा है कि व्यक्ति शराब के नशे में था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार शराब के नशे में धुत नामती निवासी चिरंतन दत्त ने अपनी पत्नी से झगड़ा करने के बाद अपने घर में आग लगा दी। जिसके चलते घर जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि चिरंतन दत्ता अक्सर शराब पीकर अपनी पत्नी के साथ झगड़ा करता था। बीती रात को पत्नी से झगड़ने के बाद चिरंतन ने धारदार हथियार से पत्नी पर हमला करने की कोशिश की, तो अपनी जान बचाने के लिए पत्नी पड़ोस के एक घर में अपने बच्चे के साथ छिपकर गई। इस बीच चिरंतन ने स्वयं ही घर में आग लगा दी। स्थानीय लोग आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचे तो चिरंतन ने उनपर भी हमला करने की कोशिश की। मामले में नामती पुलिस ने चिरंतन दत्ता को गिरफ्तार कर लिया है।

नशीले टेबलेट समेत दो तस्कर गिरफ्तार

तिनसुकिया (हि.स.)। तिनसुकिया जिला के मार्घेरिटा के पेंगेरी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर नशीला टेबलेट समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पेंगेरी थाना प्रभारी बकुल इंगती के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान डिगबोई से पेंगेरी को जोड़ने वाली सड़क पर बरडूमसा की ओर जा रही बस से दो लोगों को एक सौ नशीला टेबलेट समेत गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार ड्रग्स तस्करों की पहचान पद्मेश्वर गोगोई (37) और प्रताप मोरान (35) के रूप में की गई है।

तीर्थ संरक्षण समिति का गठन, सम्मेद शिखर बचाने की मुहिम में जैन समाज को करेगी सहयोग

गुवाहाटी (विभास)। परम पावन जैन तीर्थ सम्मेद शिखर को बचाने की जैन समाज की मुहिम में सहयोग करने के लिए आज तीर्थ संरक्षण समिति का गठन किया गया। आमबाड़ी फटाशील में आयोजित एक बैठक में सदस्यों ने सर्व सम्मति से चंद्र प्रकाश शर्मा को इसके अध्यक्ष पद का दायित्व दिया। वहीं पवित्र कुमार शर्मा इसके कार्यकारी अध्यक्ष व सीए अनूप शर्मा महासचिव होंगे। समिति की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में जनसंपर्क अधिकारी शुभम अग्रवाल ने बताया कि हिंदीभाषी डेवलपमेंट काउंसिल के चेयरमैन जुगल किशोर पांडे एवं समाजसेवी नारायण खाखोलिया संगठन के मुख्य संरक्षक एवं संरक्षक नियुक्त किये गये हैं। वहीं नरेंद्र जैन, कैलाश शर्मा काछवाल और संदीप बुच्चा को उपाध्यक्ष, सागर मिश्रा व सौरभ बोथरा को संयुक्त मंत्री, सीए अशोक शर्मा को कोषाध्यक्ष, ताराचंद ठोल्या को प्रवक्ता बनाया गया है। इसी कड़ी में समाजसेविका संतोष शर्मा को समन्वयक की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि अभिषेक मिश्रा, प्रेमकांत चौधरी, मितेश सुराणा एवं मनोज माहेश्वरी को सदस्य बनाया गया है। संगठन की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया कि सम्मेद शिखर की पवित्रता को हर कीमत पर बचाया जाएगा। इसके लिए संगठन न सिर्फ जैन समुदाय द्वारा एतदर्थ जारी आंदोलन को पूर्ण समर्थन देगा, बल्कि अपनी ओर से भी देश भर में लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम हाथ में लेगा।

रनदिया शतदल साहित्य सभा करेगी भावानुवाद प्रतियोगिता का आयोजन

रंगिया। रनदिया (शतदल) साहित्य सभा, रंगिया द्वारा भावानुवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इसके बारे मे रनदिया शतदल साहित्य सभा के अध्यक्ष प्रतुल भुइयां और सचिव हेमंत कलिता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी है कि यह प्रतियोगिता राज्य स्तर पर तथा समाज के सभी वर्गों के लिए आयोजित की गई है। दो भाषाओं में आयोजन किये गए इस प्रतियोगिता में असमिया से अंग्रेजी में भावानुवाद करने का विषय कवि आनंद चंद्र अग्रवाल की कविता आमार गांव और अंग्रेजी से असमिया में भावानुवाद करने का विषय प्रसिद्ध लेखक अल्फोंस दाऊदेट द्वारा की द लास्ट लेशन के पहले दो पैराग्राफ। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2023 बताई गई है। निर्धारित समय के बाद कोई भी दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले आपना नाम, पता, विद्यालय, महाविद्यालय, क्षेणी, आयु, कार्य, अवसरप्राप्त तथा असम साहित्य सभा की किसी शाखा से जुड़े होने से उसका उल्लेख और अपना मोबाइल नंबर सहित अन्य सभी सूचनाओं के साथ डाक या ई-मेल या 91012-64256, 70029-65840, 99542-41847 व 81340-11818 नंबर पर सम्पकल कर जमा किए जा सकेंगे। इस प्रतियोगिता में कोई भी शुल्क नहीं लिया जाएगा। प्रतियोगियों के आधार पर विभागों का निर्धारण किया जाएगा तथा विचारकों का निर्णय अंतिम होगा। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को रनदिया शतदल साहित्य सभा, रंगिया के प्रथम द्विवार्षिक अधिवेशन में पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। बताया गया है कि उक्त प्रतियोगिता के पृष्ठपोषक असम लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष भारत भूषण चौधुरी हैं।

वृद्धाश्रम में भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा ने बांटी खुशियां

गुवाहाटी। वृद्ध आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के साथ नव वर्ष की खुशियां बांटने के उद्देश्य से भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा की ओर से आज विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्था की प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में हेल्पिंग हैंड नामक ओल्ड एज होम में सदस्याओ ने पहुंच कर वहां रह रहे वृद्ध लोगों के साथ कई तरह के मनोरंजन भरे खेल खेले, ताकि उन्हें अकेलापन महसूस ना हो। इसके अलावा सदस्याओ ने अपने घरों से कई तरह के व्यंजन तैयार कर वृद्ध आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के लिए अपने साथ ले गए। इस दौरान विभिन्न तरह के गीत संगीत से जुड़े मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। सभी बुजुर्गों के चेहरे पर एक अलग सी मुस्कान देखने को मिली, क्योंकि आंखें नम हो उठी। इस दौरान विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। शर्मा ने बताया कि इस कार्य को सफल बनाने में महामंत्री डिंपल शर्मा, संजू शर्मा, सपना सराफ, निर्मला पारीक, रेखा गोयल, रजनी शर्मा, अनीता अग्रवाल आदि सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

भारी मात्रा में गांजा और नशीले कैप्सूल बरामद

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। कार्बी आंग्लांग जिला के बकलियाघाट से पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा और नशीले कैप्सूल बरामद किए हैं। कार्बी आंग्लांग पुलिस ने बुधवार की तड़के बकलियाघाट में नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में पुलिस टीम ने भारी मात्रा में गांजा और नशीले कैप्सूल बरामद किए। अभियान के दौरान 1 किलो 38 ग्राम गांजा और 102 नशीले सिम्प्लेक्स कैप्सूल बरामद किए गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मादक पदार्थ को एनडीपीएस अधिनियम के तहत जब्त किया गया है। पुलिस ने बताया कि बकलियाघाट थाना क्षेत्र के आटिगांव निवासी बाबुल बरभुइंया के घर तलाशी अभियान चलाकर नशीला पदार्थ बरामद किया गया। इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई। प्रतिबंधित पदार्थ को बिक्री के लिए लाया गया था।

होजाई महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य जगदीश प्रसाद अग्रवाल के निधन से होजाई में शोक की लहर

होजाई (निसं)। होजाई महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य जगदीश प्रसाद अग्रवाल (82) के निधन के समाचार से होजाई अंचल में शोक की लहर छाई हुई है। वें अधिवक्ता राजेश अग्रवाल व आईपीएस अधिकारी मुकेश अग्रवाल के पिता थे। गौरतलब है, मंगलवार रात्रि को अग्रवाल का निधन उनके गुवाहाटी स्थित निवास में हो गया। अग्रवाल जनवरी 1965 से फरवरी 1965 तक, तत्पश्चात जनवरी 1971 से लेकर 31 दिसंबर 1999 तक होजाई महाविद्यालय में प्राचार्य के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की। इन दो दशकों के कार्यकाल के दौरान होजाई महाविद्यालय का काफी विकास हुआ और शिक्षा का स्तर बढ़ा। उस दौरान होजाई महाविद्यालय गिनी चुनी महाविद्यालयों में से एक थी जिसमें तीनों विभाग विज्ञान, वाणिज्य व कला विभाग में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर सकते थे। यह अग्रवाल के ही सकारात्मक प्रयासों से संभव हो पाया था। अग्रवाल अनुशासित जीवन जीने पर विश्वास रखते थे, वे स्पष्टवादी, निष्ठावान, दक्ष प्रशासक, छात्र-छात्राओं में काफी लोकप्रिय थे। आज उनके निधन पर होजाई महाविद्यालय जिसे रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में उन्नत कर दिया गया है वहां विश्वविद्यालय के पंजीयक तिलक चंद्र कलिता, शैक्षणिक पंजीयक अमर गौतम, डॉ सुचीत आचार्यजी, अभिजीत कटकी, डॉ मनोज कुमार स्वामी, डॉ प्रेम सागर प्रसाद, रतीन शर्मा सहित शिक्षकों व विद्यार्थियों ने एक मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की। वहीं होजाई बालिका महाविद्यालय के अध्यापक डॉ पीयूष नंदी, होजाई समिति, गुवाहाटी के अध्यक्ष बी.एल शर्मा, सचिव अखिलेश महेश्वरी, विशिष्ट समाजसेवी कमल दत्ता, असम नागरिक मंच के सचिव विजय चक्रवर्ती, असम साहित्य सभा, होजाई के अनूप बरठाकुर, होजाई पौरसभा की सभानेत्री चतुर्थी रानी विश्वास, होजाई वकील संस्था की पूर्व अध्यक्षा रोहिणा वारिस चौधरी, होजाई जिला विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक केजरीवाल, होजाई जिला आमसू के मुख्य सलाहकार मुनव्वर हुसैन (बोकुल), मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष प्रदीप सुरेका, पूर्व अध्यक्ष दीनदयाल पंसारी, परमानंद सुरेका, कामाख्या प्रसाद अग्रवाल, केसरदेव शर्मा, सज्जन शर्मा, मारवाड़ी सम्मेलन होजाई शाखा के उपाध्यक्ष निरंजन सरावगी, सचिव रमेश मुंदड़ा, राधेश्याम सराफ, शिव शंकर बोड़ा, लावण्या अग्रवाल, प्रमोद मोर, राजेश केजरीवाल, प्रवीण सरावगी, मारवाड़ी पंचायत के सचिव दुय सुनील भीमसरिया व प्रताप क्याल, ओम प्रकाश बजाज, मोहन मौर, मनीष बेरीवाल, सुनील छावछरीया, मुकेश बजाज, मारवाड़ी महिला सम्मेलन, होजाई की अध्यक्षा ज्योति सुरेका, सचिव प्रियंका सरावगी, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल व सचिव आशीष अग्रवाल, युवा पत्रकार निखिल कुमार मुंन्दडा, गांधी विद्यापीठ हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक आलोक गुप्ता, राष्ट्रभाषा हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक शिवदयाल सिंह सहित लोगों ने दिवंगत आत्मा की सद्गति हेतु परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना की व इस दुख की घड़ी में उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

मोरंगी और बोकाखात एडीओ सर्कल में पीला सागर

गोलाघाट (निसं)। गोलाघाट जिले में सरुपाथर निर्वाचन क्षेत्र के तहत मोरंगी एडीओ सर्कल और बोकाखात निर्वाचन क्षेत्र के तहत बोकाखात एडीओ सर्कल का दौरा करने वालों का इन-दिनों पीले रंग का सागर स्वागत कर रहा है। सैकड़ों एकड़ में सरसों की फसल लहलहा रही है। चमकीले पीले खेत न केवल सुंदर हैं बल्कि लाभदायक भी हैं। गोलाघाट के जिला कृषि अधिकारी रंजीत कु. सरमाह, अनुमंडल कृषि अधिकारी कृष्ण रंजन सैकिया, जिला नोडल अधिकारी असम कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना रंजन बरुआ, मोरंगी और बोकाखात सर्कल के कृषि विकास अधिकारी संघमित्रा शर्मा और बोइचित्रा हाकमोसा नवोदित युवाओं को सरसों की खेती के लिए हर सहायता प्रदान की है। सरूपाथर निर्वाचन क्षेत्र के मोरंगी एडीओ सर्कल के तहत ना-पमुवा, सल्मोरा तुप, अभोईपुरिया, मोरंगी, डोइग्रंग, लेटेकूजान और मीठाआम चापोरी गांव के प्रगतिशील किसानो ने कहा कि वे सरसों की खेती से अच्छे लाभ की उम्मीद करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि उनकी सरसों की खेती ने विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित किया है और विभिन्न स्थानों के नवोदित किसानों को भी इस लाभदायक फसल की ओर आकर्षित किया है। मोरंगी एडीओ सकिलल के अंतर्गत लगभग 3750 बीघा जमीन में सरसों की खेती हो रही है और उत्पादन 12-13 क्विंटल प्रति हेक्टेयर (7.5 बीघा) है। किसान फरवरी में फसल काटेंगे और तेल मिलों को अपनी उपज बेचकर अच्छा मुनाफा कमाएंगे। उन्हें अधिक लाभ मिलेगा। युवा भी आजकल सरसों उगाने में अधिक रुचि रखते हैं, मोरंगी सर्कल के एडीओ संघमित्रा शर्मा ने कहा। न केवल सरसों बल्कि मोरंगी एडीओ सर्कल और बोकाखात एडीओ सर्कल के किसान धनसिरी नदी के तट पर राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई रफ्तार) के माध्यम से कृषि प्रयासों और विभिन्न प्रकार की फसलों की खेती करके लाखों की कमाई कर रहे हैं। ये किसान अब दूसरों के लिए एक रोल मॉडल बन गए हैं, जिससे जिले में एक कृषि क्रांति की आग भड़क उठी है। किसानो ने गोलाघाट जिले के कृषि विभाग को उनके काम के प्रति सहयोग के लिए बधाई देते हुए उन्होंने समय पर और आवश्यक सहायता के लिए विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित असम कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना का भी उल्लेख किया और आभार व्यक्त किया।

अपोलो अस्पताल में डॉक्टर पार्किंसंस रोग के इलाज के लिए डीबीएस का कर रहे इस्तेमाल

गुवाहाटी (विभास)। अपोलो अस्पताल, चेन्नई में डॉक्टर पार्किंसंस रोग के इलाज के लिए नवीनतम तकनीक का उपयोग कर रहे हैं डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) एक परिअपोलोष्कृत और न्यूनतम इनवेसिव सर्जिकल हस्तक्षेप है, जिसका उपयोग आवश्यक ट्रेमर, पार्किंसंस रोग, डायस्टोनिया, ऑब्सेसिव-कंपल्सिव डिसऑर्डर और मिर्गी जैसे न्यूरोलॉजिकल और मूवमेंट डिसऑर्डर वाले रोगियों के इलाज के लिए किया जाता है। अपोलो हॉस्पिटल्स, चेन्नई ने हाल ही में एक उन्नत न्यूरोस्टिम्यूलेटर डिवाइस के साथ सेंसिंग-सक्षम डायरेक्शनल लीड सिस्टम का उपयोग करके राज्य में पहला इंप्लांट किया, जो मस्तिष्क संकेतों को कैप्चर कर सकता है। इम्प्लांट सेंसिंग की शक्ति के साथ दिशात्मकता के लाभों को जोड़ती है, जिससे डॉक्टर पार्किंसंस रोग के इलाज के लिए सटीक, व्यक्तिगत डीबीएस थेरेपी की पेशकश कर सकते हैं। मरीज की उम्र 50 साल थी और वह पिछले आठ साल से पार्किंसंस रोग से पीड़ित था। अपोलो अस्पताल में कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट और मूवमेंट डिसऑर्डर स्पेशलिस्ट डॉ. पी विजयशंकर के मुताबिक पार्किंसंस रोग का बोझ तेजी से बढ़ रहा है, जिसे स्थिति से पीड़ित लोगों की स्वास्थ्य और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक तत्काल सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। डीबीएस पार्किंसंस रोग और अन्य सीएनएस विकारों के इलाज के लिए एक न्यूरोलॉजिकल प्रक्रिया है। आमतौर पर इसकी सिफारिश तब की जाती है जब दवाएं कम प्रभावी हो जाती हैं या यदि दवाएं रोगी पर गंभीर दुष्प्रभाव डालती हैं। नया दिशात्मक डीबीएस रोगियों की आवश्यकता के अनुसार उत्तेजना क्षेत्र के आकार और तीव्रता को अनुकूलित करने और दुष्प्रभावों को कम करते हुए चिकित्सीय लाभ बढ़ाने में मदद करता है। डॉ. अरविंद सुकुमारन, एपिलेप्सी और फंक्शनल न्यूरोसर्जन, कहते हैं, नए ब्रेन-सेंसिंग इलेक्ट्रोड, डायरेक्शनल लीड्स के संयोजन में पारंपरिक डीबीएस सर्जरी में मामूली समायोजन के साथ बेहतर परिणाम दे सकते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मुरली क्लास में लिया भाग, पांडव भवन में ब्रह्माबाबा के समाधिस्थल पर किए पुष्प अर्पित

सिरोही, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार से दो दिवसीय राजस्थान दौरे पर हैं। बुधवार को वह माउंट आबू स्थित ब्रह्मकुमारी संस्थान के ज्ञान सरोवर पहुंची। यहा वह संस्थान के अनुयायी की तरह सुबह जल्दी उठीं और रोज सुनाई जाने वाली मुरली क्लास में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने बीते दौर को याद करते हुए कहा कि एक समय ऐसी परिस्थिति थी, जब मुझसे कोई मिलने नहीं आया और जीवन अंधकारमय था। तब मुझे लगा मुझे जीना है और उसी भाव को लेकर मैं संस्थान और बाबा (ब्रह्मकुमारी संस्थान के भगवान) के पास गई। इसके बाद मैं संस्थान के करीब आई। संस्थान की बहनों और बाबा ने मुझे हाथ पकड़कर उस परिस्थिति से बाहर निकाला। ब्रह्मकुमारी संस्थान के भाइयों-बहनों ने मुझे बहुत प्यार और स्नेह दिया है। उन्होंने कहा कि मुझसे जो भी करवाया जा रहा है वह भी शिव बाबा ही करवा रहे हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पिछले 13 सालों से ब्रह्मकुमारी संस्थान से जुड़ी हुई हैं। संस्थान से उनका गहरा नाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांडव भवन पहुंच संगठन के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के समाधि स्थल शांति स्तम्भ पर पुष्प अर्पित किए। राष्ट्रपति मुर्मू करीब एक घंटा पांडव भवन में रुकीं। आत्मीयता के साथ संगठन के अनुयायियों का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। यहां उन्होंने आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की। मुर्मू ने बह्मा बाबा की तपस्या स्थली बाबा के कमरे मेडिटेशन

रूम और बाबा की झोपड़ी में गहन राजयोग का अभ्यास किया। राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी बीके शीलू बहन ने हिस्ट्री हॉल में संगठन के इतिहास की तस्वीरों का अवलोकन कराया। राष्ट्रपति ने संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके शशिप्रभा से मुलाकात कर आध्यात्मिक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। राष्ट्रपति मुर्मू के साथ जलदाय विभाग कैबिनेट मंत्री बी.डी. कल्ला, राष्ट्रपति के सचिव राजेश वर्मा, मिलिट्री सेक्रेटरी मेजर जनरल आरएस मनराल, प्रेस सचिव अजय कुमार, अतिरिक्त प्रेस सचिव विजय कुमार नायक, कैप्टन (आईएन) आरएस रंधावा, निजी सचिव संपदा मेहता, फिजिशियन डॉ. समीक्षा जैन, जिला परिषद अधिकारी शुभमंगला, जिला कलक्टर भंवर लाल समेत बड़ी संख्या में अधिकारीगण मौजूद रहे। इससे पूर्व राष्ट्रपति ने ब्रह्माकुमारीज संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी डॉ. निर्मला से मुलाकात कर ईश्वरीय महावाक्यों का श्रवण किया। उन्होंने राजयोग का अभ्यास भी किया।

महाराष्ट्र में निजीकरण के खिलाफ 86 हजार बिजली कर्मियों की तीन दिनी हड़ताल शुरू

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र में बिजली विभाग का निजीकरण करने के विरोध में बिजली विभाग के 31 संगठनों के कर्मचारियों ने बुधवार सुबह से हड़ताल शुरू कर दी है। इससे मुंबई उपनगर, ठाणे, नागपुर सहित सात जिलों में बिजली सेवा प्रभावित हो गई है। महावितरण कंपनी के संचालक विश्वास पाठक ने कहा कि अचानक बिजली कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से सेवा प्रभावित हुई है। इसलिए हड़ताल पर जाने वाले कर्मचारियों पर कानूनन कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार जनवरी से ठाणे, मुलुंड, भांडुप, नवी मुंबई, बेलापुर, पनवेल, तलोजा और उरण में अडानी इलेक्ट्रिसिटी कंपनी को वितरण लाइसेंस दिए जाने की प्रक्रिया के विरोध में राज्य के 86,000 बिजली कर्मचारियों, इंजीनियरों, अधिकारियों , श्रमिकों और 42 हजार संविदा कर्मियों, सुरक्षा गार्डों ने 72

घंटे की हड़ताल शुरू की है। नतीजतन, राज्य भर में बिजली ग्रिड फेल होने की आशंका है। हड़ताल में 31 संगठनों के कर्मचारियों ने भाग लिया है।

हालांकि महावितरण ने हड़ताल की अवधि में राज्य के उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का भी प्रयास किया है। बिजली कर्मचारियों द्वारा शुरू किए गए आंदोलन में उनकी कोई आर्थिक मांग नहीं है। उनका कहना है कि इसे पूंजीपतियों को नहीं बेचा जाना चाहिए। महाराष्ट्र राज्य बिजली कर्मचारी, इंजीनियर, अधिकारी संघर्ष समिति ने दावा किया है कि पूंजीपति लाभ कमाने के उद्देश्य से बिजली वितरण क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के संदर्भ में आज उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस संगठन के नेताओं से चर्चा करने वाले हैं। अगर चर्चा सफल रही तो राज्य पर बिजली संकट आज शाम तक समाप्त होने के आसार हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे सड़क हादसे में घायल

मुंबई, हि.स.)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एवं राकांपा के विधायक धनंजय मुंडे बीड जिले के परली इलाके में सड़क हादसे में घायल हो गए। धनंजय मुंडे का इलाज निजी अस्पताल में हो रहा है। उनको सीने में चोट लगी है, इसलिए आज शाम तक उन्हें एयर एंबुलेंस से मुंबई के अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। परली थाने की पुलिस के मुताबिक धनंजय मुंडे सोमवार रात में परली स्थित अपने आवास की ओर लौट रहे थे। कार खुद चला रहे थे। इसी दौरान उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही परली थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और

घायलावस्था में मुंडे को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया। हादसे का सही कारण अभी सामने नहीं आया है। मामले की गहन छानबीन पुलिस टीम कर रही है। भाजपा के कद्दावर नेता रहे गोपीनाथ मुंडे के भतीजे धनंजय मुंडे परली विधानसभा क्षेत्र के विधायक हैं।

जन-जातीय समाज पर हमले निंदनीय, छत्तीसगढ़ में भी हो धर्मांतरण विरोधी कठोर कानूनः मिलिंद परांडे

नई दिल्ली, (हि.स.)। अवैध धर्मांतरण व चंगाई सभाओं से देश में, विशेषकर अनुसूचित समाज में तनाव बढ़ रहा है इसलिए, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि देश में लालच, धोखे या भय से धर्मांतरण ना हो। यह बात बुधवार को प्रेस वार्ता में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने कही। उन्होंने छत्तीसगढ़ में बढ़ती ईसाई मिशनरियों द्वारा अवैध धर्मांतरण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि जिन प्रदेशों में अवैध धर्मांतरण के विरुद्ध कठोर कानून हैं और उनका पालन हो रहा है, वहां की स्थितियां थोड़ी संभली हैं। छत्तीसगढ़ की घटनाओं से अवैध धर्मांतरण रोकने हेतु राज्य में एक कठोर कानून की आवश्यकता फिर से रेखांकित हुई है। छत्तीसगढ़ के लोगों ने इन गतिविधियों को रोकने में संकल्प पूर्वक काम किया है, विहिप उनके साथ खड़ी है। हमारा यह भी

मानना है कि अवैध धर्मांतरण को रोकने के सभी प्रयत्न संविधान व कानून के दायरे में ही किए जाने चाहिए। राज्य में यदि ईसाई मिशनरियों की धर्मांतरणकारी व जनजाति विरोधी मानसिकता पर समय रहते अंकुश लगा दिया गया होता तो नारायणपुर के भोलेभाले समाज को सड़कों पर नहीं आना पड़ता।

जनजाति समाज के हितों की रक्षा करना राज्य सरकार का परम कर्तव्य है। विहिप ने यह भी मांग की है कि सरकार और स्थानीय प्रशासन को मिशनरियों की बजाय, अपने जनजाति समाज के साथ खड़ा होना चाहिए। जिस प्रकार जनजाति समाज की रीति-रिवाजों, परंपराओं, मान्यताओं व देवी देवताओं का अपमान व उपहास इन ईसाई मिशनरियों के द्वारा उड़ाया जा रहा है तथा जनजाति के अस्तित्व को समाप्त करने के कुत्सित प्रयास किए जा रहे हैं, उसे अब और नहीं सहा जाएगा। राज्य सरकार को इस विषय में गंभीरता से त्वरित कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली में लड़की के अपहरण की कोशिश पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली में एक 19 वर्षीय लड़की के अपहरण के प्रयास को लेकर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। आयोग ने इस मामले में मीडिया में आई खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 31.12.2022 को दिल्ली के पांडव नगर इलाके में एक शख्स ने एक लड़की को जबरदस्ती अपनी कार में खींचने और उसका अपहरण करने की कोशिश की। बताया गया है कि जब लड़की ने इसका विरोध किया तो आरोपित ने उसके चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया। लड़की को चोटें आई हैं और उसने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है । डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मामले में पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त को नोटिस जारी किया है। आयोग ने मामले में की गई एफआ-

ईआर की कॉपी के साथ मामले में गिरफ्तारी की जानकारी मांगी है। आयोग ने लड़की को मुहैया कराई गई सुरक्षा का ब्योरा भी मांगा है। आयोग ने मामले में 06.01.2023 तक कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। मालीवाल ने कहा, हमें इस प्रकार के मामले रोज देखने को मिल रहे हैं। पता नहीं महिलाओं और बच्चियों पर यह अत्याचार कब रुकेगा! ऐसे मामलों से निपटने के लिए हमें अपनी व्यवस्था को और प्रभावी और मजबूत बनाने की जरूरत है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जनि चाहिए। लड़की को सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए क्योंकि उस शख्स ने उस पर एसिड हमले की धमकी दी है!

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक प्रभाकरराव आंबुलकर का निधन

नागपुर, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक के वरिष्ठ प्रचारक प्रभाकरराव आंबुलकर का बुधवार की सुबह नागपुर स्थित विवेकानंद अस्पताल में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे और कुछ समय से बीमार थे। बाल्यकाल से स्वयंसेवक रहे आंबुलकर ने युवावस्था में कुछ समय ओडिशा में प्रचारक के दायित्व का निर्वहन किया। इसके बाद उन्होंने नागपुर स्थित पंडित बच्छराज व्यास विद्यालय में शिक्षक के रूप में सेवाएं दीं। कई वर्षों तक वे नागपुर के जिला कार्यवाह और फिर विदर्भ प्रांत के सह प्रांत कार्यवाह भी रहे। नौकरी से त्यागपत्र देने के बाद वह बतौर प्रचारक सक्रिय रहे। उन्होंने विदर्भ प्रांत के सह प्रांत प्रचारक, प्रांत प्रचारक तथा केंद्रीय कार्यालय प्रमुख आदि दायित्वों का भी निर्वहन किया। संघ के नागपुर महानगर प्रचार विभाग के मुताबिक प्रभाकरराव आंबुलकर का

विगत कुछ समय से बीमारी के चलते विवेकानंद मेडिकल मिशन अस्पताल में उपचार चल रहा था। अस्पताल में उन्होंने बुधवार सुबह 7 बजकर 30 मिनट पर अंतिम सांस ली। गुरुवार को सुबह 8 से 10 बजे तक महाल स्थित डॉक्टर हेडगेवार भवन में अंतिम दर्शन के बाद अंतिम यात्रा आरंभ होगी। अंतिम संस्कार गंगाबाई घाट पर किया जाएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। गडकरी ने ट्विटर के जरिए अपने संदेश में कहा कि प्रभाकर आंबुलकर ने ओडिशा और विदर्भ इलाके मे संघ कार्य बढ़ाने के लिए विशेष योगदान दिया। आंबुलकर के निधन से एक निष्ठावान स्वयंसेवक हमारे बीच से चला गया, इसका बेहद दुख है।

दिल्ली में इंडिया गेट पर तैनात गार्ड की वेंडर्स ने की पिटाई

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राजधानी में इंडिया गेट पर सुरक्षा में तैनात गार्ड की पिटाई का मामला सामने आया है, जिसमें वहां सामान बेचने वाले वेंडर्स द्वारा उसकी पिटाई की गई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें गार्ड को कुछ लोगों द्वारा उठाकर ले जाते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने इस घटना में एफआईआर दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गार्ड की पिटाई की घटना इंडिया गेट परिसर के चिल्ड्रेन पार्क की है। घटना मंगलवार दोपहर 3.30 बजे की है। बताया जा रहा है कि यहां पर कुछ वेंडर्स और गार्ड के बीच झगड़ा हो गया। आरोप है कि कुछ विक्रेता यहां पर खाने पीने की ऐसी चीजें बेच रहे थे, जिसकी अनुमति नहीं थी। इस दौरान जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें इंडिया गेट के पास स्थित हिस्से

को खाली करने के लिए कहा तो उन्होंने झगड़ा शुरू कर दिया। यहां पर वेंडिग जोन नहीं है, जिसके चलते गार्ड ने वेंडर्स को वहां से हटने के लिए कहा। इसके बाद कुछ वेंडर भड़क गए और उन्होंने लाठी-डंडों से गार्ड की पिटाई शुरू कर दी। इसमें कुछ और गार्ड भी बीच बचाव में आए और वे भी घायल हुए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपितों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में वेंडर्स के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और उनकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है। पुलिस के अनुसार इस घटना में कुल पांच गार्ड को चोट आई है।

कंझावला मामले में उपमुख्यमंत्री पीड़ित परिवार से मिले

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सुल्तानपुरी से कंझावला तक घसीटे जाने के मामले में बुधवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। परिवार से मिलने के बाद सिसोदिया ने कहा कि ह्ये घटना बहुत दुःखद है, आज मैं परिवार से मिला। लड़की की मां के इलाज में भी जो भी जरूरत होगी वो दिल्ली सरकार की तरफ से करवाया जाएगा। दिल्ली सरकार की तरफ से 10 लाख की सहायता दी जा रही है। इसकी मुख्यमंत्री ने सोमवार को घोषणा की थी। वहीं सिसोदिया ने कहा कि पीड़ित परिवार से बातचीत करने पर उन्होंने कहा कि परिवार की मांग थी कि उनके परिवार में से एक को नौकरी दी जाए। हम जल्द उन्हें रोजगार दिलाने की कोशिश करेंगे। मैंने अपने विधायक और पार्षदों को सामाजिक रूप से भी तुरंत मदद करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि रोहिणी जिले के कंझावला इलाके में 31 दिसंबर और एक जनवरी की रात पांच लड़कों ने एक स्कूटी सवार लड़की को घसीटते हुए कई किलोमीटर तक ले गए थे। इसमें युवती की मौत हो गई थी उसका शव नग्न अवस्था में पुलिस को मिला था। उक्त घटना में पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वहीं गृहमंत्रालय ने भी पूरे मामले की दिल्ली पुलिस से जांच मांगी है।

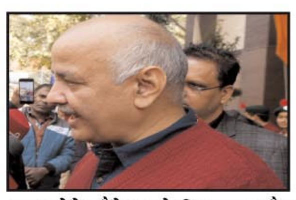

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, सीबीआई जांच का हाई कोर्ट का आदेश रद्द

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोप में सीबीआई जांच का हाई कोर्ट का आदेश रद्द कर दिया है। जस्टिस एम आर शाह की अध्यक्षता वाली बेंच ने हाई कोर्ट के आदेश को एकतरफा और प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध करार दिया। इस मामले में पत्रकार उमेश कुमार की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि वो इस मामले में त्रिवेंद्र सिंह रावत से मिलकर आपसी बातचीत के जरिए मामले को सुलझाना चाहते हैं। रावत के वकील ने भी इसकी मंजूरी दे दी। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने 27 अक्टूबर, 2020 को सीबीआई जांच का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 29 अक्टूबर, 2020 को उत्तराखंड हाई कोर्ट के सीबीआई

जांच के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। यह मामला गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के मामले में भ्रष्टाचार के आरोप से जुड़ा है। हाई कोर्ट ने कहा था कि आरोप गंभीर हैं। किसी भी तरह के संदेह दूर करने के लिए सीबीआई जांच जरूरी है। उत्तराखंड के एक पत्रकार उमेश कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने सीबीआई जांच का आदेश दिया था। उमेश कुमार ने आरोप लगाया था कि जब त्रिवेंद्र सिंह रावत भाजपा के झारखंड प्रभारी थे तो उन्होंने एक व्यक्ति को गौ सेवा आयोग का अध्यक्ष बनवाने के लिए रिश्वत ली थी। उन्होंने रिश्वत की रकम अपने रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर कराई थी।

डीएमआरसी ने हाई कोर्ट को बताया- आर्बिट्रेशन अवार्ड में अपना हिस्सा नहीं देना चाहती दिल्ली सरकार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) ने दिल्ली हाई कोर्ट में हलफनामा दाखिल करके कहा है कि दिल्ली सरकार रिलायंस के आर्बिट्रेशन अवार्ड के पैसों के भुगतान में अपना हिस्सा नहीं देना चाहती है। जस्टिस यशवंत वर्मा की बेंच ने इस मामले पर अगली सुनवाई 19 जनवरी को करने का आदेश दिया। डीएमआरसी और अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने डीएमआरसी को सूचना दी है कि वो अपने हिस्से का 3565.64 करोड़ रुपये नहीं देना चाहती है। अटार्नी जनरल ने कहा कि इस मसले पर केंद्र सरकार गंभीरता से विचार कर रही है और 16 जनवरी तक इसका हल निकलने की उम्मीद है। उसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई 19 जनवरी तक के लिए टाल दी। डीएमआरसी ने कहा है कि वो खुले बाजार से शेयरों के जरिए या केंद्र सरकार से लोन लेकर धन जुटाएगा। 10 अक्टूबर, 2022 को डीएमआरसी ने कोर्ट को बताया था कि उसने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार से धन का इंतजाम करने का आग्रह किया है। अटार्नी जनरल ने दिल्ली हाई कोर्ट से कहा था कि अगर वो डीएमआरसी के खिलाफ कोई निरोधात्मक फैसला करेगी तो लाखों मेट्रो यात्री प्रभावित होंगे। डीएमआरसी ने हाई कोर्ट को बताया था कि 6 सितंबर, 2022 तक उस पर रिलायंस का 7010.08 करोड़ रुपये बकाया है। अभी तक उसने रिलायंस को 2599.17 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। डीएमआरसी ने केंद्र और दिल्ली सरकार से 3500 करोड़ रुपये की मांग की है। अटार्नी जनरल ने कोर्ट को बताया कि उसके आदेश का मेट्रो के परिचालन पर काफी असर पड़ेगा और लाखों यात्रियों को इसका परिणाम झेलना पड़ सकता है। अगर डीएमआरसी इसके लिए कोई और ऋण लेता है तो वो वित्तीय संकट में

फंस जाएगा। डीएमआरसी फैसले का अनुपालन करने की हर कोशिश करेगा लेकिन उसका अनुपालन करते समय दिल्ली मेट्रो के परिचालन पर असर नहीं पड़ना चाहिए। हाई कोर्ट ने 10 मार्च, 2022 को डीएमआरसी को आदेश दिया था कि वो रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर को 31 मई तक आर्बिट्रेशन अवार्ड के सभी पैसों का भुगतान दो किश्तों में करे। कोर्ट ने बैंकों की उस मांग पर अलग से याचिका दायर करने को कहा था, जिसमें बैंकों के समूह ने मांग की थी कि रिलायंस को दिल्ली मेट्रो से मिलने वाला पैसा उन्हें मिलना चाहिए। बैंकों ने कहा था कि रिलायंस समूह पर उनका करीब नौ हजार करोड़ रुपये बकाया है। सुनवाई के दौरान बैंकों की ओर से वकील रामजी श्रीनिवासन ने कोर्ट से कहा था कि रिलायंस की स्थिति को देखते हुए बैंकों को अपना बकाया वसूलने के लिए यही सही समय है। उन्होंने कहा था कि दिल्ली मेट्रो से मिलने वाला धन उन बैंकों को मिलना चाहिए। सुनवाई के दौरान दिल्ली मेट्रो ने कहा था कि विभिन्न बैंकों में उसके पास 5694 करोड़ रुपये हैं। दिल्ली मेट्रो ने हाई कोर्ट में हलफनामा दायर कर बताया था विभिन्न बैंकों के खातों में 6208 करोड़ रुपये हैं। 22 दिसंबर, 2021 को दिल्ली हाई कोर्ट ने डीएमआरसी को निर्देश दिया था कि वो रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर को आर्बिट्रेशन के फैसले के मुताबिक पैसे देने के संबंध में अपने बैंक खातों का विवरण दे। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा था कि डीएमआरसी ने एक हजार करोड़ रुपये एस्क्रो अकाउंट में जमा कराए हैं। उन्होंने कहा था कि डीएमआरसी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर पर बकाया कर्ज को अपने ऊपर ले सकता है और बैंक को भुगतान कर सकता है। बैंक हमें किश्तों में उधारी चुकाने का विकल्प दे सकता है। इसके लिए डीएमआरसी ने कुछ बैंकों से बात भी की है। सुप्रीम कोर्ट ने 9 सितंबर को 2017 के आर्बिट्रेशन के फैसले को बरकरार रखते हुए डीएमआरसी को रिलायंस इंफ्रा को ब्याज समेत रुपये चुकाने का आदेश दिया था। डीएमआरसी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दिल्ली हाई कोर्ट के सिंगल जज के फैसले को चुनौती दी थी । दिल्ली हाई कोर्ट ने 7 जून, 2017 को आदेश दिया था कि डीएमआरसी डीएएमईपीएल को साठ करोड़ रुपये का भुगतान करे । डीएएमईपीएल रिलायंस इंफ्रा की सब्सिडियरी कंपनी है। डीएमआरसी ने अपनी याचिका में कहा था कि सिंगल जज का ये फैसला अंतिम नहीं है और ये अवार्ड का एक हिस्सा भर है।

वजीराबाद इलाके में पुलिस को झाड़ियों में मिला युवक का जला हुआ शव

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तरी जिले के वजीराबाद थाना क्षेत्र में यमुना खादर की झाड़ियों के पास एक युवक का जला हुआ लाश मिला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही वजीराबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस घटनास्थल से सबूत इकट्ठा कर मृतक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। बताया गया है कि शव को किसी ज्वलनशील पदार्थ से जलाया गया है। शव करीब 90 फीसदी तक जला हुआ है। जांच-पड़ताल के दौरान पुलिस को झाड़ियों के पास खून और खून से सना पत्थर भी मिला है। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने मौके से माचिस और पेपर कटर भी बरामद किया है। इस बाबत बुधवार को पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो दिन पूर्व वजीराबाद इलाके में यमुना किनारे पुलिस को जले हुए शव की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया। मामले की गहनता से जांच के लिए क्राइम टीम और एफएसएल टीम को भी बुलाया गया और शव की शिनाख्त करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस जांच के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

गोशालाओं के लिए बनाएं सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल : मुख्यमंत्री

- आदित्यनाथ ने कहा- सहभागिता योजना को पूरे प्रदेश में तेजी के साथ आगे बढ़ाया जाए

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि गोशाला चलाने के लिए उसकी अर्थव्यवस्था बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए एक सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल बनाया जाए। गोशालाओं का निर्माण पीपीपी मोड पर किया जाए। साथ ही उन्हें नेचुरल फार्मिंग, गोबर पेंट, सीएनजी और सीबीजी से जोड़ा जाए। इससे गोशालाएं आर्थिक रूप से सुदृढ़ होंगी और गायों के रखरखाव एवं पालन पर आने वाला खर्च खुद उठा सकेंगी। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को वृहद् गौ आश्रय स्थल के संबंध में प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया। इस दौरान पशुधन मंत्री और वित्त, ऊर्जा, पंचायतीराज, ग्राम विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान उत्तर प्रदेश में दो से तीन हजार गोवंश धारण की क्षमता वाले आश्रय स्थलों के निर्माण को लेकर प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोशाला संचालन के लिए इच्छुक एनजीओ के साथ एमओयू करें और उन्हें आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाई गई सहभागिता योजना को पूरे प्रदेश में तेजी के साथ आगे बढ़ाया जाए। इस योजना के तहत निराश्रित गोवंश को पालने वाले किसानों को प्रति गोवंश 900 रुपये मासिक दिए जा रहे हैं। भू सत्यापन के बाद किसानों को उनका भुगतान किया जाए। प्रजेंटेशन का अवलोकन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पशु संवर्धन, संरक्षण के लिए सेवाभाव के साथ सतत प्रयासरत है। गोवंश सहित सभी पशुपालकों के प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पात्र लोगों को इसका लाभ मिलना सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि पशुधन विभाग व्यवहारिक रूप से योजना बनाए। विभागीय अधिकारी अनिर्णय की स्थिति से बचें और रुचि एवं प्राथमिकता के आधार पर गो सेवा के लिए कार्ययोजना तैयार करें। हर स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। योगी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पूरे साल का प्रबंधन कैसे हो, इसका ख्याल रखकर कार्य योजना बनाई जाए। अप्रैल-मई में ही पूरे साल के लिए हरा चारा, भूसा और चोकर की व्यवस्था की जाए। जहां भी गो आश्रय स्थल चल रहे हैं, उनका पैसा रिलीज करें। साथ ही निराश्रित गोवंश को पालने वाले पशुपालकों का भी पैसा रिलीज करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही निराश्रित गो आश्रय स्थल, सहभागिता योजना और कुपोषित परिवारों के लिए एक गाय की योजना गो संरक्षण में काफी प्रभावी है। पूरे प्रदेश में इन तीनों योजनाओं को अभियान चलाकर आगे बढ़ाएं। ठंड और भूख से किसी गोवंश की मौत नहीं होनी चाहिए। इसका विशेष ध्यान रखें। योगी ने कहा कि दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने और बेसहारा मवेशियों के नियंत्रण के लिए नस्ल सुधार योजना में तेजी लाएं। इस योजना के तहत पशुपालक सरकारी पशु अस्पतालों में कृत्रिम गभार्धान करवा मवेशियों की नस्ल को सुधार सकते हैं। इससे दुग्ध का उत्पादन तो बढ़ेगा साथ ही मवेशियों की नई नस्ल भी तैयार हो जाएगी।

बिजली चोरी को रोकते हुए बुनकरों को बिल में दें सब्सिडी : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में ढाई लाख से ज्यादा की संख्या में बुनकर पावरलूम से जुड़े हुए हैं। यही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। हमें इस व्यवस्था को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी को रोकते हुए प्रदेश के बुनकरों को बिजली के बिल में आवश्यक सब्सिडी दी जाए। पॉवर कारपोरेशन इसको लेकर व्यवस्था बनाए। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को एमएसएमई बुनकर योजना के संबंध में प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया। इस दौरान बिजली की खपत और उस पर दी जाने वाली सब्सिडी को लेकर उन्होंने अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनकर व्यवसाय से जुड़े प्रदेश के बड़े सेंटर जैसे अम्बेडकर नगर, वाराणसी, मऊ, गोरखपुर, मेरठ आदि जिलों के सम्भ्रांत बुनकर व्यवसायियों से बात करें और उनकी राय लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनकरों के लिए विद्युत खपत की योजना को नेट बिलिंग के साथ जोड़ते हुए सोलर पावर की दिशा में आगे बढ़ाया जाए। हम अभी सोलर पैनल के इंस्टाल के लिए 30 हजार रुपये तक सब्सिडी दे रहे हैं। इसके लिए बुनकरों को प्रोत्साहित करें। मिशन मोड पर इस पर काम करें। पावर कंजम्पशन का मूल्य हर हाल में पावर कारपोरेशन को मिले यह भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमारे बुनकर आज भी पुरानी तकनीक पर कार्य कर रहे हैं। मार्केट में आज नई तकनीक और डिजाइन आ गयी है। बुनकरों को जल्द से जल्द अपग्रेड करते हुए उनके उत्पादों को समयानुकूल बनाएं। उनके डिजाइन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

सरकार का काम लोगों को बसाना न की उजाड़ना : मायावती

- बसपा प्रमुख ने लोगों को बेघर करने के मामले में उत्तराखंड सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तराखंड राज्य में हल्द्वानी जिले के बनभूलपुरा में करीब 4365 घरों को गिराए जाने के मामले में बसपा प्रमुख मायावती ने धामी सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि सरकार का काम लोगों को बसाना है न की उजाड़ना। मायावती ने अपने अधिकारिक ट्वीटर अकाउंट से ट्वीट करते हुए कहा कि, उत्तराखण्ड स्टेट के हल्द्वानी में बफीर्ले मौसम में ही अतिक्रमण हटाने के नाम पर हजारों गरीब व मुस्लिम परिवारों को उजाड़ने का अमानवीय कार्य अति-दुःखद है। सरकार का काम लोगों को बसाना है, न की उजाड़ना। सरकार इस मामले में जरूर सकारात्मक कदम उठाये, बसपा की यह मांग है। आगे मायावती ने कहा कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में अब जैन धर्म के लोगों को भी अपने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व पवित्रता के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में आन्दोलित होकर इण्डिया गेट सहित सड़कों पर जबरदस्त तौर पर प्रदर्शन करना पड़ रहा है, यह अति-दुःखद व चिन्ता की बात है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकारें टूरिज्म के विकास आदि को बढ़ावा देने के नाम पर कामर्शियल दृष्टिकोण से जिन गतिविधियों को अंधाधुंध बढ़ावा दे रही हैं उससे श्रद्धालुओं में खुशी कम व असंतोष ज्यादा है। सरकारें धर्म की अध्यात्मिकता तथा धार्मिक स्थलों की पवित्रता बरकरार रखे तो बेहतर होगा।

शोध और पेटेंट के क्षेत्र में इतिहास रच रहा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय

मेरठ, (हि.स.)। मेरठ का चौधरी चरण सिंह विवि शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। शोध क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं के साथ एमओयू हस्ताक्षर कर रहा है तो पेटेंट कराने में भी विवि नई इबारत लिख रहा है। मेरठ के चौधरी चरण सिंह विवि की गणना देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों में होती है। विवि के कई वैज्ञानिकों की गिनती विश्व स्तर पर होती है तो यहां से निकलने वाले छात्र भी देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। विवि की प्रथम महिला कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने विवि को शोध के क्षेत्र में अव्वल बनाने के लिए कई प्रयोग किए हैं। विवि के प्रेस प्रवक्ता प्रो. प्रशांत कुमार ने बताया कि शोध को बढ़ावा देने के लिए पीएचडी फेलोशिप ढाई हजार रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर पांच हजार रुपये कर दी गई है। विवि परिसर में 13 नए कोर्स शुरू किए गए हैं। इंजीनियरिंग में पीएचडी शुरू कराई गई है। पहली बार एमटेक पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। इसके साथ ही बीए-योगा, बीपीईएस, तीन वर्षीय एलएलबी, सिनेमेटोग्राफी, फिल्म स्टडीज, बीए अंग्रेजी ऑनर्स, बीए इतिहास ऑनर्स, बीएससी होम साइंस के पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। विवि में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत पाठ्यक्रमों में बदलाव किया गया है। नई शिक्षा नीति को जल्दी ही व्यावहारिक तौर पर लागू कर दिया जाएगा। प्रो. प्रशांत कुमार ने बताया कि खेलो इंडिया की रैंकिंग में विवि को प्रदेश में पहला और देश में 15वां स्थान हासिल हुआ है। शोध को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ इंडस्ट्री के साथ एमओयू साइन किए गए हैं। इससे विवि के छात्रों को इन संस्थानों में जाकर शोध करने के अवसर मिलेंगे और इससे देश को बड़ा लाभ मिलेगा। विवि ने 13 अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ एमओयू साइन किए हैं। इसी तरह से विवि के विभिन्न विभागों ने 41 पेटेंट कराए। उन्होंने बताया कि विवि में नैक मूल्यांकन की तैयारियां की जा रही है। उन्हें उम्मीद है कि विवि को नैक मूल्यांकन में ए प्लस-प्लस का ग्रेड मिल जाएंगे।

मजहबी कट्टरता के खिलाफ जन जागरण करेगी विहिप: गजेन्द्र सिंह

- जहां हिन्दू-वहां विहिप के लक्ष्य को लेकर होगा काम

लखनऊ, (हि.स.)। विश्व हिन्दू परिषद मजहबी कट्टरता के दुष्परिणामों से निपटने व कट्टरपंथी नेतृत्व के षड्यंत्र को उजागर करने के लिए व्यापक जन जागरण करेगी। इस संबंध में इंदौर में संपन्न विहिप की प्रन्यासी मंडल की बैठक में प्रस्ताव भी पारित किया गया है। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह ने बताया कि हिन्दू समाज मजहबी कट्टरता का हमेशा से शिकार तो रहा है किंतु अपनी पराक्रम से उसने उस चुनौती का सफलतापूर्वक सामना भी किया है। विहिप, बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी इसका डटकर मुकाबला करेगी। विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024 में विहिप की स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। हिंदुओं की समस्या के समाधान तथा संगठित व संस्कारित हिंदू समाज के लिए अब जहां हिन्दू वहां विश्व हिंदू परिषद, इस लक्ष्य के साथ कार्य करेगी। बैठक में बाल संस्कार शालाओं, धार्मिक ग्रंथों की प्रतियोगिताओं, हिंदू मान्यताओं के प्रसार के माध्यम से संपूर्ण विश्व में विद्यार्थियों को संस्कारवान व श्रद्धावान बनाने की कार्य योजना बनी है। उन्होंने बताया कि विश्व भर में हिन्दू धर्म के प्रति निष्ठा व सम्मान बढ़ रहा है, अब इस विश्वास को हम और मजबूत कर हिन्दू मान बिंदुओं से लोगों को जोड़ेंगे। कवीन्द्र प्रताप सिंह को विश्व हिन्दू परिषद काशी प्रान्त का अध्यक्ष बनाया गया है। कानपुर प्रान्त के संगठन मंत्री रहे मधुराम को काशी और गोरक्ष प्रान्त का गौ रक्षा प्रमुख बनाया गया है। कानपुर प्रान्त के सह प्रान्त मंत्री रहे राजीव पोरवाल को विहिप का प्रान्त मंत्री बनाया गया है। प्रान्त मंत्री वीरेन्द्र पाण्डेय को प्रान्तीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं इटावा निवासी कल्पना वर्मा को क्षेत्र सह संयोजिका दुर्गा वाहिनी बनाया गया है। इसी तरह सरिता त्रिपाठी को क्षेत्र की मातृ शक्ति सह संयोजिका बनाया गया है।

सपा का आठ सदस्यीय दल 12 जनवरी को प्रयागराज के छात्र महापंचायत में होगा शामिल

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी का आठ सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल 12 जनवरी को प्रयागराज जाएगा। दल के सदस्य वहां युवा दिवस पर आयोजित छात्र महापंचायत में शामिल होंगे। सपा प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने जारी पत्र में बताया कि पार्टी के अध्यक्ष के निर्देश पर एक आठ सदस्यीय दल 12 जनवरी दिन गुरूवार को जनपद प्रयागराज जायेगा। जहां वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रसंघ भवन में अजय यादव 'सम्राट' द्वारा (युवा दिवस) पर छात्र महापंचायत कार्यक्रम सम्मिलित होंगे।

दल में ये हैं शामिल - प्रतिनिधि मण्डल में पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव, विधायक ओम प्रकाश सिंह, विधायक डा0 आर0 के0 वर्मा, विधायक अतुल प्रधान, विधायक संदीप पटेल, पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा, योगेश चन्द्र यादव नि0 जिलाध्यक्ष एवं नि0 महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन शामिल हैं।

धर्मांतरण मामले में ब्राडवेल अस्पताल के चेयरमैन पर मुकदमा दर्ज

- फरार चेयरमैन की तलाश में जुटी पुलिस

- धर्मांतरण मामले पर 55 व्यक्तियों पर मुकदमा दर्ज कर की जा चुकी कानूनी कार्रवाई

फतेहपुर, (हि.स.)। जिले में बुधवार को धर्मांतरण के एक चर्चित मामले में पुलिस को ब्राडवेल अस्पताल में छापेमारी के दौरान 16 लोगों के पास मिलो चीजों से धर्मान्तरण कराने के सबूत मिलें। विवेचना के दौरान अस्पताल के चेयरमैन मैथ्यू सैमुअल की संलिप्तता पाई गई। वे चिकित्सक भी हैं और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस उनकी तलाश में है। कोर्ट ने नोटिस जारी कर तीन दिनों में हाजिर होने का आदेश दिए हैं। शहर के हरिहरगंज स्थित इवेजलिकल चर्च ऑफ इंडिया में दबाव व प्रलोभन के तहत सामान देकर धर्मांतरण के आरोप में पुलिस ने कुल 55 लोगों के खिलाफ पहले ही मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई कर चुकी है। इसमें 35 नामजद हैं। पुलिस ने कार्रवाई कर कई लोगों को जेल भेज चुकी है, जबकि अभी भी तीन आरोपी फरार हैं। वहीं, जिन लोगों का प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराया गया है उनमें अनीता देवी, रेखा देवी, सुरेंद्र, आगम, दिनेश, श्रीधर, भूपेंद्र, उदय प्रताप, महेश, रामखेलावन, नीलम, हरीकृष्ण, शोएब अख्तर, मोहम्मद सुभान, सुमन और जितेंद्र है। इन सभी लोगों को सामान और रोजगार देकर धर्मांतरण कराया है। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि विवेचना के दौरान मिशन अस्पताल के चेयरमैन डाक्टर मैथ्यू सैमुअल की संलिप्तता पाई गई। अस्पताल में छापेमारी के दौरान अहम सबूत मिले।

वहीं मामले से जुड़े धर्मान्तरण करने वालों के सैकड़ों की संख्या में फोटो ग्राफ्स भी पुलिस को मिले हैं। मुकदमा दर्ज कर आरोपी चिकित्सक की तलाश की जा रही है। न्यायालय के आदेश पर नोटिस जारी की गई है। तीन दिन के अंदर चिकित्सक के हाजिर न होने पर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लातेहार में सड़क दुर्घटना, एक की मौत, पांच घायल

लातेहार , (हि. स.)। मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत देवबार मोड़ के पास बुधवार को ट्रक और कार में टक्कर हो गई। इस घटना में कार चालक की मौत हो गई। जबकि कार पर सवार पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान लातेहार जिले के मोहनपुर निवासी नागेंद्र यादव (34) है। जबकि घायलों में तासू गांव निवासी मजदूर धर्मेंद्र उरांव, परमेश्वर भुइयां, राजमुनी देवी, संतोष भुइयां तथा 5 वर्षीय बच्ची पाको कुमारी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि नागेंद्र यादव तासु गांव से मजदूरों को लेकर अपनी कार से डेहरी ऑन सोन की ओर जा रहा था। इसी दौरान घने कोहरे के कारण देवबार मोड के पास ट्रक और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को सदर अस्पताल लातेहार लाया। जहां चिकित्सक ने नागेंद्र यादव को मृत घोषित कर दिया ।वहीं अन्य घायलों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया।

नवनिर्वाचित विधायक मदन भैया ने विधान सभा सदस्यता की ली शपथ

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने बुधवार को विधान भवन स्थित राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन हॉल में मुजफ्फरनगर के विधानसभा क्षेत्र खतौली से नवनिर्वाचित विधायक मदन भैया को विधान सभा की सदस्यता की शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण के इस कार्यक्रम में विधान सभा अध्यक्ष ने उन्हें संविधान एवं विधान सभा कार्य संचालन नियमावली की प्रति भेंट की। विधान सभा अध्यक्ष ने सदस्य को बधाई देते हुए कहा कि वह विधान सभा में एक जागरूक एवं सफल विधायक के रूप में कामयाब हों और जीवन में यशस्वी हों। सदन में होने वाली चर्चा में हिस्सा लेकर अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं के निराकरण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इस अवसर पर विधान सभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मदन भैया उपचुनाव में सपा-रालोद गठबंधन से रालोद के टिकट पर चुनाव लड़कर जीत हासिल किये हैं।

बैंक गार्ड की गिरफ्तारी मामले में थाना प्रभारी निलंबित

देवघर, (हि. स.)। पंजाब नेशनल बैंक देवघर के गार्ड की गिरफ्तारी के मामले में सीसीटीवी फुटेज के सामने आते ही नगर थाना प्रभारी रतन सिंह को क्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक सुदर्शन मंडल ने बुधवार को निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि सरकारी काम में बाधा डालने के मामले को लेकर बैंक के गार्ड अशोक यादव को नगर थाना प्रभारी रतन सिंह ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जेल भेजे जाने के बाद मंगलवार को समस्त बैंक कर्मी उपायुक्त से मिलकर मामले की सम्पूर्ण जानकारी दी। इसके बाद उपायुक्त स्वयं बैंक परिसर पहुंचकर मामले की पड़ताल की । बैंक द्वारा जारी सीसीटीवी फुटेज में यह स्पष्ट दिखा कि थाना प्रभारी गार्ड का कॉलर पकड़कर बेतरतीबी से मारा और फिर घसीटते - मारते हुए बैंक परिसर से थाना तक ले गए। मामले को लेकर लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। विधायक रणधीर सिंह ने अविलम्ब गार्ड की रिहाई और दोषी थाना प्रभारी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

झारखंड में कोरोना के तीन एक्टिव केस

रांची, (हि.स.)। झारखंड में कोरोना के तीन एक्टिव केस हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को बताया कि पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) से एक और खूंटी से दो मरीज मिला है। कोरोना का पता लगाने के लिए लगातार जांच जारी है। अबतक कुल दो करोड़,0 29 लाख,0 75 हजार,0 597 सैंपल की जांच की गयी है। राज्य में कुल कोरोना मरीजों की संख्या अब चार लाख 42 हजार 572 हो चुकी है। कोरोना से चार लाख 37 हजार 238 मरीज ठीक हुए हैं। हालांकि पांच हजार 331 मरीजों की मौत कोरोना से हुई है। झारखंड में कोरोना का रिकवरी रेट 98.80 प्रतिशत है। जबकि राज्य में कोरोना का मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है।

जैन समाज के साथ छल प्रपंच करना बंद करें भाजपा : अजय जैन

रांची, (हि.स.)। प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के महासचिव अजय जैन ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जैन समाज के साथ छल प्रपंच करना भाजपा बंद करें। जैन ने बुधवार को कहा कि पिछले दिनों रांची के सांसद संजय सेठ, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, राज्यसभा के पूर्व सांसद महेश पोद्दार एवं झारखंड सरकार के पूर्व पर्यटन मंत्री भाजपा विधायक अमर कुमार बाउरी ने तीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी पर पर्यटन स्थल को लेकर गलत बयान दिया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन रघुवर दास की सरकार के द्वारा लिए गए निर्णय को छुपाने की नियत से आरोप मौजूदा महागठबंधन पर लगाया । उन्होंने कहा कि रघुवर दास के कार्यकाल में ही पर्यटन स्थल बनाने का निर्णय लिया गया था। जबकि जैन धर्मावलंबियों को पूरे देश में यह बताने का प्रयास किया गया कि झारखंड की हेमंत सरकार ने इस कार्य को अंजाम दिया। जबकि सच्चाई आज सबके सामने है 2019 की रघुवर सरकार ने इसकी अनुशंसा की एवं गिरिडीह जिले में स्थित जैन धर्मावलंबियों के सबसे बड़े तीर्थ स्थल को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने की अनुशंसा की। इस पर भाजपा की केंद्र सरकार ने गजट पारित किया । कांग्रेस पार्टी भाजपा के इन कार्यों की भर्त्सना करती है एवं भाजपा के नेताओं से जैन समाज के धार्मिक स्थल पर राजनीति नहीं करने की मांग करती है। जैन ने कहा कि यह जैनियों का सबसे बड़ा तीर्थ स्थल है। जैन धर्म के चौबीस तीर्थंकरों में बीस तीर्थंकरों ने यहां निर्वाण प्राप्त किया है। यह हमारी आस्था का मामला है।

नवादा सांसद चंदन ने गृह मंत्री से मिल विकास के रखे मुद्दे, सहयोग का वादा

नवादा, (हि.स.)। नवादा के सांसद चंदन सिंह ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर बिहार की विधि व्यवस्था के साथ ही नवादा संसदीय क्षेत्र के विकास की कई मुद्दों की जानकारी देते हुए उत्थान के लिए कार्रवाई की मांग की है। सांसद चंदन सिंह ने नवादा संसदीय क्षेत्र के विकास के 1 दर्जन से अधिक मुद्दों को रखते हुए केंद्र सरकार से भी पहल की मांग की है ।उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर केंद्र सरकार खासकर अमित शाह ने कई मामलों के निपटारे का आश्वासन दिया। सांसद ने कहा कि बिहार की विधि व्यवस्था के लिए भी केंद्रीय मंत्री ने कई निदेशों को अमल में लाने की बात कही। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सांसद चंदन सिंह से केंद्र प्रायोजित योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए इस योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध भी केंद्रीय स्तर से कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन होनी चाहिए ।उन्होंने सांसद से बेहतर मॉनिटरिंग कर रिपोर्ट की भी मांग की है। सांसद ने कहा कि नव वर्ष में केंद्रीय गृह मंत्री के आश्वासन पर कुछ और भी बेहतर होने के आसार हैं। जिससे नवादा संसदीय क्षेत्र की जनता को बेहतर लाभ मिल सकेगा। नवादा के सांसद प्रतिनिधि शशि भूषण सिंह बबलू ,लोजपा अध्यक्ष अभिमन्यु कुमार, सत्यप्रकाश शर्मा के साथ ही इंडिया के सभी दल के नेताओं ने सांसद को गृह मंत्री से मिलकर नवादा के मुद्दों को रखने के लिए बधाई दी है।

जयंती पर याद किये गये पूर्व गृह राज्य मंत्री तस्लीमुद्दीन

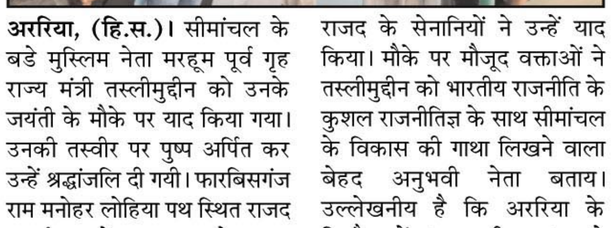

अररिया, (हि.स.)। सीमांचल के बडे मुस्लिम नेता मरहूम पूर्व गृह राज्य मंत्री तस्लीमुद्दीन को उनके जयंती के मौके पर याद किया गया। उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। फारबिसगंज राम मनोहर लोहिया पथ स्थित राजद कार्यालय में बुधवार को राजद कार्यकताओं ने एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दी।राजद जिलाध्यक्ष एवं फारबिसगंज प्रखंड प्रमुख सुरेश पासवान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद राजद के सेनानियों ने उन्हें याद किया। मौके पर मौजूद वक्ताओं ने तस्लीमुद्दीन को भारतीय राजनीति के कुशल राजनीतिज्ञ के साथ सीमांचल के विकास की गाथा लिखने वाला बेहद अनुभवी नेता बताय। उल्लेखनीय है कि अररिया के सिसौना में 4 जनवरी 1943 को जन्म लेने वाले तस्लीमुद्दीन ने अपनी राजनीति की शुरूआत सिसौना से करते हुए बिहार सरकार के कई विभागों में मंत्री रहे। एचडी देवगौड़ा के नेतृत्व वाले केन्द्र सरकार में वे गृह राज्य मंत्री भी बनाये गये।

पुलिस ने नहीं की है लकड़ी की चोरी, उपलब्ध है पैसा देकर खरीदने का सबूत : एसपी

बेगूसराय, (हि.स.)। बखरी थाना क्षेत्र के गश्ती पुलिस पर लकड़ी की चोरी करने का आरोप लगाकर वायरल किए गए सीसीटीवी फुटेज का मामला गलत साबित हो गया है। लकड़ी चोरी नहीं किया गया, बल्कि खरीद कर गश्ती वाहन में लोड किया जा रहा था। एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि पुलिस पर दबाव बनाकर गिरफ्तारी से बचने के लिए एक आरोपी ने यह वीडियो वायरल किया है। एसपी ने बताया कि सोशल मीडिया पर आज एक वीडियो वायरल हुआ है। बखरी थाना से जुड़े इस सीसीटीवी फुटेज वीडियो के संबंध में बताया गया है कि पुलिस किसी व्यक्ति के घर से जलावन की लकड़ी उठाकर ले गई है। संज्ञान में आते ही मामले की जांच बखरी डीएसपी चंदन कुमार एवं सोशल मीडिया सेल से करवाई गई, जिसमें उक्त खबर को गलत पाया गया है। घर के मालिक मकेश्वर शर्मा ने वीडियो कैमरा के सामने बयान दिया है कि पुलिस द्वारा थाना के आत्मनिर्भर फंड से 280 रूपया भुगतान कर तीन जनवरी की रात लकड़ी खरीदी गई है। मकेश्वर शर्मा को पुलिस द्वारा दिया गया बिल एवं बखरी थाना के व्यय रजिस्टर में भुगतान अंकित किया गया है। मीडिया कर्मी को कोई भी खबर चलाने से पहले पुलिस की पक्ष को जानना चाहिए। गलत और भ्रामक खबर फैलाने से पुलिस की छवि धूमिल हो सकती है। इसका उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। एसपी ने बताया कि वायरल वीडियो में बोल रहा युवक मकेश्वर शर्मा का पुत्र ललित शर्मा गलत प्रवृत्ति का है तथा बराबर अपने माता-पिता के साथ मारपीट करते रहता है। उसने अपने पिता पर गोली भी चलाई थी एवं एक जनवरी को अपनी माता के साथ मारपीट किया था। इन तमाम मामलों को लेकर ललित पर चार मामले दर्ज हैं तथा पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। तीन जनवरी की रात पुलिस जब लकड़ी खरीद कर अपने वाहन में लोड कर रही थी तो ललित ने पुलिस पर दबाव बनाकर गिरफ्तारी से बचने तथा अपने पिता को पुलिस के चंगुल में फंसाने के लिए जानबूझकर यह सीसीटीवी फुटेज वीडियो वायरल किया है।

संपादकीय

नोटबंदी संवैधानिक

सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने नोटबंदी के फैसले को 'संवैधानिक' करार दिया है। ऐसा केंद्र सरकार का संवैधानिक अधिकार भी है। नवम्बर, 2016 से पहले भी दो बार नोटबंदी लागू की गई थी। नोटबंदी एक आर्थिक फैसला था, जिसे न तो पलटा जा सकता है और न ही अदालत हस्तक्षेप कर सकती है। नोटबंदी केंद्र सरकार का मनमाना फैसला भी नहीं था। इस संबंध में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के बीच छह माह तक विमर्श किया गया, जो रिकॉर्ड पर है। रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 26 (2) के तहत भी केंद्र सरकार को नोटबंदी का अधिकार स्पष्ट है। नोटबंदी का मकसद क्या था और उसे हासिल किया गया अथवा नहीं, इसका प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है। यह संविधान पीठ के फैसले का सारांश है। बेशक पीठ ने 4-1 के बहुमत से नोटबंदी के पक्ष में फैसला सुनाया, लेकिन अब यही अंतिम और स्थायी संवैधानिक कानून माना जाएगा। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने बहुमत के फैसले पर असहमति जताई। उनकी टिप्पणी थी कि रिजर्व बैंक ने सरकार की इच्छा के अनुरूप काम किया। न तो नोटबंदी की राय दी और न ही सिफारिश की। फिर भी नोटबंदी कर दी गई, लिहाजा यह फैसला गैर-कानूनी है। जस्टिस नागरत्ना ने अपने फैसले में लिखा है कि नोटबंदी संसद में कानून पारित कर लागू की जानी चाहिए थी, न कि सिर्फ एक अधिसूचना जारी करके, लिहाजा नोटबंदी का कानून अवैध है। यह फैसला देते हुए संविधान पीठ ने अलग-अलग 58 याचिकाओं को खारिज कर दिया। बहरहाल अब बहसतलब मुद्दा यह हो सकता है कि नोटबंदी पर संविधान पीठ के इस फैसले के बाद विपक्ष और आलोचकों की बोलती बंद हो जानी चाहिए अथवा नहीं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता एक न्यायाधीश की असहमत टिप्पणी से ही चिपके हैं और नोटबंदी को अवैध, अनियमित करार दे रहे हैं। ऐसा स्पष्ट लग रहा है कि कांग्रेस को संविधान पीठ के बहुमती और विवेकपूर्ण फैसले और मान्य कानून से कोई सरोकार ही नहीं है। वे लगातार व्याख्या कर रहे हैं कि नोटबंदी ने देश की अर्थव्यवस्था को तबाह, बर्बाद, बेड़ागर्क और ध्वस्त कर दिया। यदि कांग्रेसियों को कुछ और पर्यायवाची शब्द याद होते, तो निश्चित रूप से उनका भी इस्तेमाल किया जाता। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी विदेश तक में नोटबंदी पर दुष्प्रचार करते रहे हैं और आज भी उनकी राजनीति का हिस्सा बनी है। अलबत्ता यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक स्थापित, तथ्यात्मक सत्य है कि भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी से ज्यादा विकास दर के साथ बढ़ रही है। दलीलें दी जा रही हैं कि यूपीए सरकार के दौरान 17 लाख करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा की नकदी चलन में थी और आज करीब 32 लाख करोड़ रुपए की नकदी मौजूद है, लिहाजा नोटबंदी नाकाम रही, क्योंकि नकद मुद्रा का चलन कम या सीमित नहीं किया जा सका। दरअसल ऐसी दलीलें देने वाले भूल जाते हैं कि देश की जीडीपी बढ़ रही है, लिहाजा मुद्रा का चलन बढना भी स्वाभाविक है। अलबत्ता पहले करीब 88 फीसदी लोग नकदी में लेन-देन करते थे, जो काफी घटकर 20-22 फीसदी तक लुढक़ आया है। साफ है कि लोगों ने डिजिटल लेन-देन को ग्रहण कर लिया है, नतीजतन नकदी चलन कम हुआ है। यदि आतंकवाद, नक्सलवाद, नकली नोट आदि प्रवृत्तियों को समाप्त करने और काले धन को जब्त करने पर विचार किया जाए, तो निश्चित तौर पर सभी की रीढ़ टूटी है। सरकार और एजेंसियों ने नेताओं, व्यापारियों और आईएएस अधिकारियों के परिसरों और अवैध ठिकानों से 'नोटों के रंग-बिरंगे पहाड़' जब्त किए हैं। यकीनन वह काला धन ही है। ऐसे सभी काले धनी जेल की सलाखों के पीछे हैं और अवैध नकदी सरकार के कब्जे में है। नवम्बर, 2016 में नोटबंदी के बाद उप्र में विधानसभा चुनाव हुए और 2019 में आम चुनाव कराए गए। दोनों में ही भाजपा को ऐतिहासिक, प्रचंड जीत हासिल हुई। राजनीतिक मुहर के बाद अब न्यायिक पुष्टि भी कर दी गई है। कांग्रेस दुष्प्रचार करने में व्यस्त न रहे और जीएसटी की भी गलत व्याख्या न करे। संभव है कि नोटबंदी में भी कुछ विसंगतियां होंगी, लेकिन बुनियादी तौर पर वह 'संवैधानिक' थी और आज भी है। विसंगतियों पर बहस जारी है। राफेल विमान सौदे के बाद पेगासस तथा अब नोटबंदी को लेकर फैसले से सरकार का पक्ष मजबूत हुआ है।

नोटबंदी केंद्र सरकार का मनमाना फैसला भी नहीं था। इस संबंध में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के बीच छह माह तक विमर्श किया गया, जो रिकॉर्ड पर है। रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 26 (2) के तहत भी केंद्र सरकार को नोटबंदी का अधिकार स्पष्ट है। नोटबंदी का मकसद क्या था और उसे हासिल किया गया अथवा नहीं, इसका प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है। यह संविधान पीठ के फैसले का सारांश है। बेशक पीठ ने 4-1 के बहुमत से नोटबंदी के पक्ष में फैसला सुनाया, लेकिन अब यही अंतिम और स्थायी संवैधानिक कानून माना जाएगा। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने बहुमत के फैसले पर असहमति जताई। उनकी टिप्पणी थी कि रिजर्व बैंक ने सरकार की इच्छा के अनुरूप काम किया।

कुछ अलग

नाम बड़े दर्शन छोटे

केंद्र शासित प्रदेशों के लिये आम तौर पर एक राष्ट्रव्यापी धारणा यह बनी हुई है कि केंद्र सरकार के अधीन होने के नाते यहां का प्रशासन आम तौर पर चुस्त दुरुस्त रहता है। क़ानून व्यवस्था,ट्रैफ़िक साफ़-सफ़ाई,पर्यावरण,रिहायशी प्रबंधन आदि सब कुछ बेहतर रहता है। तो क्या वास्तव में केंद्र शासित प्रदेश वैसे ही होते हैं जैसा कि उनके बारे में कल्पना की जाती है ? आइये यह समझने के लिये राजधानी दिल्ली से मात्र 250 किलोमीटर की दूरी पर स्थित देश के सबसे सुव्यवस्थित समझे जाने वाले केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की कुछ वास्तविकताओं पर नज़र डालते हैं। सिटी ब्यूटीफुल के नाम से मशहूर चंडीगढ़ निश्चित रूप से चारों ओर हरियाली से हरा भरा केंद्र शासित प्रदेश है। स्विस फ्रेंच आर्केटिक्ट ले करबुसिएर द्वारा सेक्टर आधारित नक़्शे पर हिमाचल प्रदेश की तलहटी में बसाया गया चंडीगढ़, सफ़ाई व जल निकासी के लिये भी पूरे देश में मशहूर है। परन्तु इसी महानगर की प्रशासनिक,ट्रैफ़िक,स्वछता व विद्युत विभाग सम्बन्धी कई वास्तविकताएं ऐसी भी हैं जो कि चंडीगढ़ के सिटी ब्यूटीफुल होने के दावे को झुठलाती भी हैं। इन दिनों पूरे चंडीगढ़ में जगह जगह आवारा पशुओं का साम्राज्य है। मुख्य मार्ग पर घने ट्रैफ़िक के बीच लावारिस जानवरों का क़ब्ज़ा,सांडों का युद्ध राहगीरों का ज़ख़्मी होना यह आम बात बन चुकी है। मुख्य मार्गों से दायें-बायें मुड़ते ही प्रदूषण फैलाते कूड़े के बदबूदार ढेर,उनमें बैठे जानवर,ट्रैफ़िक की लंबी लाइनें,और बरसात के दिनों में भूमिगत ड्रेनेज व्यवस्था का फ़ेल हो जाना आदि चंडीगढ़ के सिटी ब्यूटीफुल होने के दावे की हवा निकालता रहता है। इसी तरह चंडीगढ़ का बिजली विभाग जहां अपनी कार्य कुशलता के दावे करता है वहीँ इसकी हक़ीक़त भी कुछ और ही है।चंडीगढ़ में दर्जनों झुग्गी बस्तियां ऐसी हैं जहाँ प्रशासन की नाक के नीचे कई वर्षों से कंटिया लगा कर चोरी की बिजली जलाई जा रही है। यह काम रात के अँधेरे में नहीं बल्कि दिन के उजाले में किया जाता है। विद्युत विभाग ख़ामोश बना हुआ है। कुछ सरकारी शौचालय तक चोरी की बिजली जला रहे हैं क्योंकि बिल न जमा करने की वजह से उनके कनेक्शन काट दिये गये हैं। गत दिनों तो चंड़ीगढ़ विद्युत विभाग से जुड़ी एक ऐसी घटना की जानकारी मिली जिसने विभाग की लापरवाही,निठल्लेपन तथा ग़ैर ज़िम्मेदारी की पोल खोल कर रख दी। चंड़ीगढ़ रामदरबार में माता राम बाई ट्रस्ट नामक एक प्रसिद्ध सूफ़ी धर्मस्थान है। किसी समय यहां टी एन चतुर्वेदी व श्री बनर्जी जैसे आला प्रशासक व फ़िल्म जगत की अनेक बड़ी हस्तियां अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने आया करते थे। लगभग पांच एकड़ से बड़े क्षेत्र में फैले इस स्थान की परिधि में दशकों पूर्व चंड़ीगढ़ विद्युत विभाग ने अपनी सुविधानुसार बिजली के कई खम्बे लगाकर दूसरी दिशा में विद्युत्आपूर्ति की थी। अब समय अनुसार दरबार कैम्पस में जो निर्माण कार्य चल रहा है उसमें दरबार की परिधि में लगे हुए वह अवांछित खंबे बाधा साबित हो रहे हैं।

क़ानून व्यवस्था,ट्रैफ़िक साफ़-फ़साई,पर्यावरण,रिहायशी प्रबंधन आदि सब कुछ बेहतर रहता है। तो क्या वास्तव में केंद्र शासित प्रदेश वैसे ही होते हैं जैसा कि उनके बारे में कल्पना की जाती है ? आइये यह समझने के लिये राजधानी दिल्ली से मात्र 250 किलोमीटर की दूरी पर स्थित देश के सबसे सुव्यवस्थित समझे जाने वाले केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की कुछ वास्तविकताओं पर नज़र डालते हैं।

जी-20 के अंतर्गत किए जाने वाले प्रयासों की एक बड़ी भूमिका होगी

जी-20 और वसुधैव कुटुंबकम

डा. अश्विनी महाजन

भारत 1 दिसंबर 2022 से दुनिया के सबसे बड़े शक्तिशाली एवं प्रभावशाली राष्ट्रों के समूह जी-20 की अध्यक्षता का कार्यभार संभाल रहा है। गौरतलब है कि दुनिया की 85 प्रतिशत जीडीपी जी-20 देशों से आती है और विश्व की कुल जनसंख्या का दो तिहाई इन देशों में निवास करता है। यही नहीं विश्व के कुल व्यापार का 75 प्रतिशत हिस्सा जी-20 देशों के पास है। आज पूरी दुनिया कोरोना के बाद की चुनौतियों से तो जूझ ही रही है, फरवरी 2022 से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण एक ओर आवश्यक खाद्य सामग्री की कमी कई देशों में महसूस की जा रही है, और दूसरी ओर पिछले 30 वर्षों से चल रहे अंधाधुंध भूमंडलीकरण के प्रति भी देशों का मोह भंग होता हुआ दिखाई दे रहा है। दुनिया के विभिन्न देश आज आत्मनिर्भरता की बात करने लगे हैं और साथ ही साथ ग्लोबल वैल्यू चेन जैसी अवधारणाएं भी अब महत्व खोती जा रही हैं। पूरा विश्व आज मंदी, जीडीपी में संकुचन और बढ़ती महंगाई से जूझ रहा है। इसके साथ ही साथ दुनिया के समक्ष जलवायु परिवर्तन एक बड़ी समस्या के रूप में उभर रहा है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती जितनी बड़ी है उसकी तुलना में इससे निपटने के लिए प्रयास अत्यधिक अनमने और आधे-अधूरे दिखाई दे रहे हैं। अपने वचन के अनुरूप जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु वित्तीय सहयोग देने से विकसित देश कतरा रहे हैं और यही नहीं वे इससे निपटने हेतु प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तक करने के लिए भी तैयार नहीं हैं। यूं तो जी-20 के अंतर्गत तमाम प्रकार के मुद्दे चर्चा में आ सकते हैं, लेकिन यदि भारत कुछ ऐसे मुद्दों जो वैश्विक चुनौतियों और भारत समेत विकासशील देशों के मद्देनजर अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करवाने में सफल होता है तो यह भारत के लिए ही नहीं दुनिया भर के देशों के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा वैश्विक संस्थाओं की पुनर्रचना का है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अस्तित्व में आए विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जिनमें विकसित देशों का वर्चस्व अभी भी बना हुआ है, में आमूलचूल बदलाव करने की जरूरत है। इसके साथ ही साथ आज जब वैश्विक मंचों पर ग्लोबल वार्मिंग के सर्वाधिक दोषी अमरीका और यूरोपीय देश

जलवायु परिवर्तन के समाधान हेतु वित्तीय सहयोग से मुंह मोडऩे का प्रयास कर रहे हैं, इस मुद्दे को अंतिम परिणति तक पहुंचाना, मानवता के अस्तित्व के लिए एक बड़ा कदम होगा और इसके लिए इस वर्ष में किए जाने वाले जी-20 के अंतर्गत किए जाने वाले प्रयासों की एक बड़ी भूमिका होगी। गौरतलब है कि इस वर्ष भारत की अध्यक्षता के बाद अगले दो वर्षों में क्रमशः ब्राजील और साऊथ अफ्रीका जी-20 की अध्यक्षता संभालेंगे। ऐसे में भारत, ब्राजील और साऊथ अफ्रीका की तिकड़ी विकासशील देशों से संबद्ध समस्याओं और उनके समाधान की ओर आगे बढऩे का एक अभूतपूर्व अवसर है। इसके द्वारा भारत को न केवल विकासशील देशों की सशक्त आवाज बनना होगा, बल्कि विकासशील देशों के बीच अपनी भूमिका को पुनः परिभाषित करने का भी यह सुअवसर होगा। हाल ही में जी-20 के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे एक महान अवसर बताते हुए यह कहा है कि हम इस अवसर का उपयोग विश्व कल्याण के लिए करना चाहते हैं। विश्व शांति, विश्व एकता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सतत विकास इन सब चुनौतियों का सामना करने और इनका हल निकालने हेतु भारत के पास विचार भी है और क्षमता भी। यदि देखा जाए तो विश्व की अधिकांश समस्याओं का समाधान संभव है, लेकिन उसके लिए सोच में बदलाव की जरूरत है। इतिहास गवाह है कि विभिन्न देशों के बीच परस्पर वैमनस्य, दूसरे मुल्कों से आगे बढऩे की होड़, विस्तारवादी सोच दुनिया में टकराव का कारण बनती रही है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध का भी लगभग यही कारण है। अमरीका और यूरोप के देशों द्वारा यूक्रेन को नाटो के नजदीक आने के लिए उकसाया जाना रूस-यूक्रेन युद्ध का शुरुआती कारण बना। उसके बाद रूस पर विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लगाकर उसे कमजोर करने के प्रयास भी हुए। यह भी सही है कि रूस की आक्रामक नीति ने आग में घी डालने का काम किया। बाद में रूस द्वारा अमरीकी और यूरोपीय प्रतिबंधों को न केवल धत्ता दिखाया, बल्कि आज पूरी दुनिया में ग्लोबल वैल्यू चेन में आ रहे अवरोधों को भी हवा दी। दुनिया भर में इस उथलपुथल के चलते आवश्यक वस्तुओं का अभाव और उसके कारण कीमतों में वृद्धि और इन सभी कारणों से अर्थव्यवस्थाओं में संकुचन, आज दुनिया के लिए एक सिरदर्द बना हुआ है। ऐसे में जी-20 देशों का नेतृत्व संभाल रहे भारत ने दुनिया को एक संदेश दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि इतिहास में संसाधनों पर कब्जा जमाने हेतु संघर्ष और प्रतिस्पद्र्धा की रणनीति ही अपनाई गई। हमने देखा है कि विभिन्न देश अभी भी दूसरे देशों की जमीन और संसाधान हथियाने की मानसिकता से ग्रस्त है। जरूरी चीजों पर कब्जा जमाकर उन्हें हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने उदाहरण दिया है कि कोरोना काल में हमने देखा कि कैसे कुछ लोगों ने वैक्सीन पर कब्जा जमाकर रखा, जबकि अरबों लोग वैक्सीन से वंचित रह गये। प्रधानमंत्री का मानना है कि जो यह समझते हैं कि संघर्ष और लालच ही मानव स्वभाव है, वे गलत है। क्योंकि यदि ये सही होता तो सभी जन एक है की हमारी आध्यात्मिक परंपरा इतने लंबे समय तक नहीं चलती। भारत की परंपरागत सोच यह रही है कि सभी जीव पांच तत्वों भूमि, जल, अग्नि, वायु व आकाश से मिलकर बने हैं और सभी जीवों में समन्वय और समरसता हमारे भौतिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय कुशल क्षेम के लिए जरूरी है। भारत जी-20 की अध्यक्षता के दौरान इसी सार्वभौमिक एकात्मकता के लिए कार्य करेगा। 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का हमारा ध्येय वाक्य यही इंगित करता है। यह कोई मात्र नारा नहीं है, यह पिछले कुछ समय से मानवीय परिस्थितियों में आये हुए परिवर्तनों के संदर्भ में जरूरी बात है जिसे हमें समझना होगा।

आज पूरी दुनिया कोरोना के बाद की चुनौतियों से तो जूझ ही रही है, फरवरी 2022 से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण एक ओर आवश्यक खाद्य सामग्री की कमी कई देशों में महसूस की जा रही है, और दूसरी ओर पिछले 30 वर्षों से चल रहे अंधाधुंध भूमंडलीकरण के प्रति भी देशों का मोह भंग होता हुआ दिखाई दे रहा है। दुनिया के विभिन्न देश आज आत्मनिर्भरता की बात करने लगे हैं और साथ ही साथ ग्लोबल वैल्यू चेन जैसी अवधारणाएं भी अब महत्व खोती जा रही हैं। पूरा विश्व आज मंदी, जीडीपी में संकुचन और बढ़ती महंगाई से जूझ रहा है। इसके साथ ही साथ दुनिया के समक्ष जलवायु परिवर्तन एक बड़ी समस्या के रूप में उभर रहा है।

राष्ट्रवाद पर हावी होती सियासत

भारतीय सेना के कमांडर इन चीफ रहे फील्ड मार्शल 'सर फिलिप चेटवुड' ने 10 दिसंबर 1932 को देहरादून में 'भारतीय रक्षा अकादमी' की संगे बुनियाद के मौके पर वहां मौजूद सैन्य अधिकारियों व कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए कहा था कि 'हर बार और हमेशा देश की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण के लिए काम करना आपका पहला कत्तव्य है और खुद के आराम, सुख सुविधा व सुरक्षा का ख्याल अंत में होगा'। राष्ट्रवाद से सराबोर ये अल्फाज आईएमए के चेटवुड हाल की दीवार पर आज भी चस्पां हैं। चेटवुड के इन शब्दों की प्रेरणा भारतीय सेना के शौर्य में आज तक मौजूद है लेकिन सनातन संस्कृति के प्राचीनतम व मुकद्दस धर्मग्रंथ 'यजुर्वेद' के नौवें अध्याय में उल्लेख है कि 'वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहितः' अर्थात हम पुरोहित राष्ट्र को जीवंत और जाग्रत बनाए रखेंगे। जाहिर है भारत की संस्कृति व राष्ट्रीयता वैदिक काल से ही राष्ट्रवाद के विचारों से परिपूर्ण रही है। आजादी के बाद भारत का 75 वर्षों का सफर बेहद उपलब्धियों भरा रहा है। खिलाड़ी वैश्विक खेल पटल पर भारत का परचम लहरा रहे हैं। विश्व में हिंदोस्तान की सैन्य ताकत का रुतबा चौथी हैसियत का है। देश पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था में शुमार कर चुका है, मगर मुल्क में चर्चा का मरकज जाति व मजहब की सदारत ढूंढने में माहिर सियासत व सियासी रहनुमां ही रहते हैं। समाचार पत्रों से लेकर टीवी न्यूज चैनलों तक ज्यादातर सियासी सरगम की ही धुन सुनाई देती है। हरदम इक्तदार के लिए बेचैन रहने वाले सियासी हुक्मरानों के प्रति लोगों में अकीदतमंदी का आलम इस कदर हावी है कि कई मर्तबा सियासतदानों की तुलना भगवान से भी कर दी जाती है। इसे जम्हूरियत की खूबसूरती कहें या सियासत की खुसुशियत। जम्हूरियत के निजाम के लिए राजाओं ने राजपाट का त्याग कर दिया था, मगर चारण संस्कृति की झलक सियासत में भी देखने को मिल रही है। इसी कारण राजनीति राष्ट्रीय खेल का रूप ले चुकी है। लोग ज्यादातर सियासतदानों व सिल्वर स्क्रीन के अदाकारों को ही अपना आदर्श मानते हैं जबकि भारत का गौरवशाली इतिहास देश के लिए सरफरोशी की तमन्ना रखने वाले क्रांतिवीरों की दास्तान-ए-शुजात से भरा पड़ा है। राष्ट्रवाद के जज्बात ही राष्ट्र पर कुर्बानी का जज्बा पैदा करते हैं। अंग्रेज हुकूमत से आजादी के बाद अखंड भारत के निर्माण के लिए देश की साढ़े पांच सौ से अधिक रियासतों की स्वैच्छिक स्वीकृति राष्ट्रवाद की भावना थी। हिमाचल प्रदेश की राजपूत वर्चस्व वाली 30 रियासतों ने भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए त्याग व राष्ट्रवाद की नजीर पेश की थी। वो राष्ट्रवाद के ही जज्बात थे जब नूरपुर रियासत के वजीर राम सिंह पठानिया तथा कुल्लू के कंवर प्रताप सिंह जैसे शूरवीरों ने सशस्त्र बगावत को अंजाम देकर बर्तानियां सल्तनत के खिलाफ जंग-ए-आजादी का सफीना नसर कर दिया था। सन 1846 में हिमाचल की सरजमीं पर हुआ आजादी का वही शंखनाद भारत की स्वाधीनता यात्रा में अहम पड़ाव सिद्ध हुआ था। 14 वर्षीय बालक 'वीर हकीकत राय' ने सन 1734 में बसंत पंचमी के दिन धर्म व राष्ट्रवाद पर अडिग रहकर ही अपना बलिदान दिया था। अंग्रेजों से स्वतंत्र भारत का अरमान लेकर 18 वर्ष के इंकलाबी 'खुदीराम बोस' ने सन 1908 में तथा 19 वर्षीय 'करतार सिंह सराभा' ने सन 1915 में फांसी के फंदे चूम लिए थे। राष्ट्रवाद के जोश में देवरिया के 13 वर्षीय विद्यार्थी 'रामचंद्र' ने 14 अगस्त 1942 के दिन भारत माता की जय का उद्घोष करके देवरिया के कलैक्टर कार्यालय के ऊपर ब्रिटिश यूनियन जैक के झंडे को उतार कर वहां शान-ए-तिंरगा फहराकर अपना बलिदान दे दिया था। 29 मार्च 1857 के दिन बैरकपुर छावनी में राष्ट्रवादी तेवरों से प्रेरित होकर मंगल पांडे की बंदूक ने आग उगल कर फिरंगी अफसरों को लाशों में तब्दील कर दिया था। कर्नल 'क्रस्टाइज' की कमान में ब्रिटिश सेना ने उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के 'खजुहा' नामक स्थल पर 28 अप्रैल 1858 के दिन 'ठाकुर जोधा सिंह अटैया' को उनके 51 ठाकुर साथियों सहित हिरासत में लेकर इमली के पेड़ से फांसी पर लटका दिया था। इमली का वही पेड़ वर्तमान में 'बावनी इमली' शहीद स्मारक के रूप में विख्यात है। मगर देश की आजादी के लिए जिंदगी का नजराना देने वाले सैंकड़ों राष्ट्रवादी योद्धा गुमनामी के अंधेरे में खोकर अपनी पहचान को मोहताज़ हैं। जलियांवाला बाग के नरसंहार के विरोध में नोबल पुरस्कार विजेता 'रविंद्रनाथ टैगोर' ने अंग्रेजों द्वारा दी गई 'नाईट हुड' की उपाधि बर्तानिया बादशाही को वापस लौटा कर राष्ट्रवाद का परिचय दिया था। सैंकड़ों वर्षों तक हिजरत का भयानक दौर झेलने वाले इजराइल के लोगों ने एकजुट होकर अपने मुल्क को एक बड़ी सैन्य कूवत में शुमार करके अपने प्रखर राष्ट्रवाद की अनूठी मिसाल कायम की है। देश के लिए सैन्य सेवा की अनिवार्यता ने इजरायल के राष्ट्रवाद को और मजबूत कर दिया है। दूसरी जंगे अजीम के दौरान एटम बमों के अजाब से तबाह हो चुका जापान राष्ट्रवाद के बल पर पुनः सशक्त बना है। दहशतगर्दी का मरकज पाकिस्तान तथा विस्तारवादी मंसूबों के नक्शेकदम पर चलने वाला शातिर चीन विश्व में केवल भारतीय थलसेना के पराक्रम से ही खौफजदा है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा यदि देश की सीमाओं पर पूरी शान से लहरा रहा है तथा हजारों फीट की बुलंदी पर सरहदों के प्रहरी हमारे सैनिक दुश्मन पर भारी पड़ रहे हैं तो ये सेना के राष्ट्रवाद की ताकत है। स्मरण रहे हजारों वर्ष पुरानी गौरवशाली सभ्यता वाला भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' जैसी आदर्श संस्कृति तथा राष्ट्रभक्ति के विचारों का वारिस रहा है। अतः सियासत का मकसद जो भी हो, मगर जहन में नजरिया राष्ट्रवाद का ही होना चाहिए। हिंद की सरजमीं को अपने रक्त से सींचकर गुलामी की दास्तां से मुक्त करके आजाद भारत का सपना साकार करने वाले इंकलाब के गुमनाम नायकों व वीरांगनाओं का इतिहास शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल होना चाहिए ताकि वतन-ए-अजीज के लिए कुर्बानी का फलसफा जीवित रह सके। युवा वर्ग में 'राष्ट्र सर्वप्रथम व सर्वोपरि' की भावना जागृत करने की निहायत जरूरत है।

राष्ट्रवाद से सराबोर ये अल्फाज आईएमए के चेटवुड हाल की दीवार पर आज भी चस्पां हैं। चेटवुड के इन शब्दों की प्रेरणा भारतीय सेना के शौर्य में आज तक मौजूद है लेकिन सनातन संस्कृति के प्राचीनतम व मुकद्दस धर्मग्रंथ 'यजुर्वेद' के नौवें अध्याय में उल्लेख है कि 'वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहितः' अर्थात हम पुरोहित राष्ट्र को जीवंत और जाग्रत बनाए रखेंगे। जाहिर है भारत की संस्कृति व राष्ट्रीयता वैदिक काल से ही राष्ट्रवाद के विचारों से परिपूर्ण रही है। आजादी के बाद भारत का 75 वर्षों का सफर बेहद उपलब्धियों भरा रहा है। खिलाड़ी वैश्विक खेल पटल पर भारत का परचम लहरा रहे हैं। विश्व में हिंदोस्तान की सैन्य ताकत का रुतबा चौथी हैसियत का है। देश पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था में शुमार कर चुका है, मगर मुल्क में चर्चा का मरकज जाति व मजहब की सदारत ढूंढने में माहिर सियासत व सियासी रहनुमां ही रहते हैं। समाचार पत्रों से लेकर टीवी न्यूज चैनलों तक ज्यादातर सियासी सरगम की ही धुन सुनाई देती है।

नागरिक बोध

जाति को मिटाओ, मत छुपाओ

देश में जातिगत जनगणना को लेकर पिछले लगभग 12-13 वर्षों से कम या ज्यादा बहस चलती रही है। जब पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में जनगणना हुई थी तब भी यह मुद्दा उठा था परंतु उसे टालने के लिए तत्कालीन सरकार ने ऐलान किया था कि वह जातीय जनगणना पृथक कराएगी। हालांकि इसका कोई औचित्य नहीं था। जब भारत सरकार नियमित जनगणना के मद में 6 हज़ार करोड़ रुपए खर्च कर रही थी तो उसी में एक कॉलम और जोड़ा जा सकता था। परन्तु कांग्रेस जुबान से भले ही पिछड़े वर्गों के साथ रही हो पर कर्म से कभी नहीं रही। यहां तक कि जब 1990 में मण्डल कमीशन को लागू किया गया था, तब भी कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गाँधी ने संसद में कोई स्पष्ट पक्ष नहीं लिया था। इसका उन्हें राजनीतिक रूप से खामियाजा भी भुगतना पड़ा था और 1991 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी उत्तर भारत में काफी कमजोर साबित हुई। भारतीय जनता पार्टी भी पिछड़े वर्ग के लोगों के आरक्षण के पक्ष में अंर्तमन से नहीं है और इसलिए जब स्व. बी.पी. सिंह सरकार ने मण्डल कमीशन के क्रियान्वयन की घोषणा की तब श्री लालकृष्ण आडवाणी ने रथ यात्रा निकाली और सरकार गिराने का बहाना खोज लिया। जब नरसिंहराव सरकार में स्व. सीताराम केसरी समाज कल्याण मंत्री बने तब उन्होंने अवश्य पूरे कौशल के साथ इंदिरा गाँधी बनाम भारत सरकार प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट मण्डल कमीशन की सिफारिशों को क्रियान्वित करने के सरकारी प्रस्ताव पर सहमति हासिल करने का प्रयास किया था। अब जब बिहार के मुख्यमंत्री ने जातिगत जनगणना की खुली माँग शुरू की है तब भारतीय जनता पार्टी और संघ के आरक्षण विरोधी बुद्धिजीवी मैदान में उतरे हैं। एक तो यह कहा जा रहा है कि श्री नीतीश कुमार ने चुनावी गणित के लिए जनगणना राग शुरू किया है। मैं इससे इंकार नहीं करूँगा। यह बहुत संभव है कि श्री नीतीश कुमार ने यह समय राजनैतिक रूप से जातीय जनगणना के लिए उपयुक्त महसूस किया हो और बिहार में पिछड़े वर्गों के नेतृत्व की पहल अपने हाथ में लेने का खेल शुरू किया हो। परंतु यह कोई बहस का मुद्दा नहीं है क्योंकि अमूमन राजनैतिक दल और सरकारें अपने हित-अहित के कारणों से मुद्दों को उठाती या विरोध करती है। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने अनुसूचित जनजातियों को पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ हाईकोर्ट के निर्णय को निरस्त करने और आरक्षण देने के निर्णय का कानून बनाया था। चूंकि यह काम अटल जी ने किया था अतः संघ व भाजपा के और देश के सभी सवर्ण प्रवक्ता जो पानी पी-पी पीकर आरक्षण को कोसते थे या कोसते है चुप हो गए। श्री वेद प्रताप वैदिक ने जातीय जनगणना के खिलाफ ''मेरी जाति हिन्दुस्तानी'' का अभियान चलाया था। यद्यपि यह मित्र अखिल भारतीय वैश्य संघ के पदाधिकारी रहे हैं और शायद अभी भी हैं तथा अपने जातीय कार्यक्रमों में शामिल होते रहे हैं इसके कई प्रमाण है। उन्होंने यह भी लिखा है कि जब श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने इस अभियान का समर्थन किया था।

देश दुनीया से

सरकार में कांगड़ा

जश्न की गलियों में कांगड़ा के उद्गार सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार में सुने गए, तो तपोवन विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पूर्व आभार रैली में सभी की हाजिरी लगी। जाहिर तौर पर यह रैली आभार से कहीं आगे मुख्यमंत्री के समर्थन से लदी थी। दरअसल हर सरकार में कांगड़ा अपनी मौजूदगी का एहसास कराता रहा है और इस बार भी सत्ता की लालिमा ओढ़े यह क्षेत्र अपनी ऊर्जा का समवेद शिखर देखना चाहता है। कांगड़ा के साथ सत्ता की तमाम सीढियां आज जिस मुकाम पर खड़ी हैं, वहां सरकारों की परंपराएं, प्राथमिकताएं और कसौटियां नत्थी हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में तपोवन के शीतकालीन सत्र से गुजरता हिमाचल अपनी परिपूर्णता, संतुलन और विश्वसनीयता का एहसास करता है। खास तौर पर नई सरकारों के सारे संदर्भ यहीं से पुख्ता होते हैं और इस लिहाज से सुक्खू सरकार भी इस सत्र के दौर से निकल कर जब नजर आएगी, तो मंत्रिमंडल के सदस्यों में हिमाचल का हर क्षेत्र आशावान दिखाई देगा। एक तरह से जोरावर सिंह स्टेडियम की आभार रैली में सरकार ने अपने होने का एहसास ही नहीं कराया, बल्कि एक महीने का रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया है। आभार रैली से पहले फैसलों की एक अनूठी कतार बांध कर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जनता के समक्ष सरकार के वादों, गारंटियों तथा व्यवस्था परिवर्तन की शपथ ले रहे हैं। ओपीएस, महिलाओं को मानदेय तथा एक लाख रोजगार के आरंभिक अवसरों का वादा करते मुख्यमंत्री आत्मविश्वास से लबरेज हैं, तो उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री भाजपा द्वारा प्रचारित-प्रसारित तमाम भ्रांतियों और शगूफों की हवा निकालते हुए सरकार के प्रण, प्राण और प्रस्तुति का परिचय देते हैं। कहना न होगा कि जोरावर स्टेडियम तक पहुंचा सत्ता का काफिला अपनी वचनबद्धता दोहराता हुआ ऐसे संबोधन खड़े करता है, जो आगे चलकर कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली में नए संकल्पों के प्रति इशारा कर रहे हैं। आज से शीतकालीन सत्र की प्रथम सीढ़ी पर विधानसभा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों पर सुशोभित चेहरे सामने आएंगे, तो तमाम विधायक भी शपथ ग्रहण की रस्म में अपने-अपने क्षेत्रों के लिए आगे बढ़ेंगे। सरकार इन तमाम औपचारिकताओं के बीच राज्यपाल के अभिभाषण के माध्यम से अपनी छाया अपनी काया दिखाने का प्रयत्न करेगी। कांगड़ा तक पहुंची विधानसभा का पारंपरिक महत्त्व से कहीं आगे ऐसा सफर है, जो निरंतरता के साथ निचले हिमाचल में सत्ता के प्रतीक खड़े करता है। अभी तक राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा के जितने तोरणद्वार निचले हिमाचल और खास तौर पर कांगड़ा में लगे, उनके वास्तुकार के रूप में स्व. वीरभद्र सिंह को याद किया जाता है। सत्ता की कुछ परंपराएं विरासत के रूप में सुखविंदर सिंह सुक्खू को मिली हैं, लेकिन उनकी अपनी पहचान व छाप के लिए अभी सफर शुरू हुआ है। यह इसलिए भी कि चुनाव परिणाम के दो अक्स वर्तमान विधानसभा में स्पष्ट रूप से उपस्थित रहेंगे। एक ओर सबसे अधिक यानी कांग्रेस को दस विधानसभा सीटें देकर कांगड़ा मुस्करा रहा है, तो दूसरी ओर भाजपा को सबसे अधिक यानी नौ सीटें देकर मंडी विपक्षी पाले में खड़ा है। यहां कांग्रेस की चुनौती मंडी का दिल जीतना है, तो कांगड़ा के साथ सत्ता की भागीदारी को उन्नत करना भी है। इसका यह अर्थ भी है कि प्रायः सरकारें किसी न किसी प्रकार के क्षेत्रवाद का पात्र बन जाती हैं या अनावश्यक रूप से कुछ क्षेत्र नजरअंदाज हो जाते हैं। हर बार जिलों के विभाजन खास तौर पर कांगड़ा, मंडी और शिमला को तोडऩे पर सियासत तो खूब होती है, लेकिन सत्ता के अनुशासन में पूरे हिमाचल के संतुलन को प्राथमिकता नहीं मिलती। ऐसे में जिस अंदाज से सुक्खू सरकार का आगाज हो रहा है, उसे देखते हुए हिमाचल की समग्रता में अगर फैसलों की गूंज होगी, तो पिछले कई मुख्यमंत्रियों का योगदान भी सफल होगा। तपोवन विधानसभा परिसर के बाद हाईकोर्ट खंडपीठ की स्थापना की जरूरत को वर्तमान सरकार पूरा कर पाई, तो यह न्याय का सबसे बड़ा संतुलन साबित होगा।

कांगड़ा के साथ सत्ता की तमाम सीढ़ियां आज जिस मुकाम पर खड़ी हैं, वहां सरकारों की परंपराएं, प्राथमिकताएं और कसौटियां नत्थी हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में तपोवन के शीतकालीन सत्र से गुजरता हिमाचल अपनी परिपूर्णता, संतुलन और विश्वसनीयता का एहसास करता है। खास तौर पर नई सरकारों के सारे संदर्भ यहीं से पुख्ता होते हैं और इस लिहाज से सुक्खू सरकार भी इस सत्र के दौर से निकल कर जब नजर आएगी, तो मंत्रिमंडल के सदस्यों में हिमाचल का हर क्षेत्र आशावान दिखाई देगा। एक तरह से जोरावर सिंह स्टेडियम की आभार रैली में सरकार ने अपने होने का एहसास ही नहीं कराया, बल्कि एक महीने का रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया है।

इमरान खान की पार्टी ने बताई पाकिस्तान की बदहाली की कहानी, गर्त में जा रही है अर्थव्यवस्था

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी- पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली का विवरण देश के सामने रखा है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार देश की अर्थव्यवस्था को गर्त में ले जा रही है। पीटीआई ने मंगलवार को पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के बारे में एक श्वेत पत्र देश के सामने रखा। श्वेत पत्र लाहौर में जारी किया गया। पर्यवेक्षकों के मुताबिक इसमें आधिकारिक आंकड़ों के जरिए देश में बढ़ती जा रही मुसीबत का ब्योरा पेश किया गया है। हालांकि पीटीआई का मकसद इसके जरिए मौजूदा पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) सरकार पर निशाना साधना है, लेकिन इससे देश की सही तस्वीर सामने आई है। पीडीएम सरकार के लिए श्वेत पत्र में दिए गए आंकड़ों का खंडन करना संभव नहीं है। इसीलिए सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं ने श्वेत पत्र से उभरी चिंताजनक तस्वीर का दोष पूर्व पीटीआई सरकार पर मढ़ने की रणनीति अपनाई है। श्वेत पत्र में दावा किया गया है कि पीडीएम सरकार के कार्यकाल के बीते आठ महीनों में देश में महंगाई की दर 45 फीसदी रही है। सोमवार को पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (पीबीएस) ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के दिसंबर के आंकड़े जारी किए थे। इसके मुताबिक बीते महीने 2021 के दिसंबर की तुलना में महंगाई 24.5 फीसदी की दर से बढ़ी। पीटीआई ने कहा है कि उसने महंगाई का बीते आठ महीनों का औसत आंकड़ा अपने श्वेत पत्र में शामिल किया है। श्वेत पत्र से सामने आया है कि निर्यात, बाहर से आने वाली कमाई की रकम (रेमिटैंसेस), प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सहित तमाम पैमानों पर पाकिस्तान की हालत बिगड़ती जा रही है। विदेशी मुद्रा की कमी के कराण पाकिस्तानी मुद्रा (रुपये) के भाव में अभूतपूर्व गिरावट आई है। पीटीआई ने आरोप लगाया है कि इस संकट के कारण हजारों लोग बेरोजगार हो गए हैं। बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं। पीटीआई ने कहा कि सरकार के गलत कदमों के कारण कृषि क्षेत्र को भी नुकसान हुआ है। पार्टी ने दावा किया है कि शहबाज शरीफ सरकार नया कर्ज पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की कठिन शर्तों को माने या नहीं, असल सूरत यह है कि देश में गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई की स्थिति का बिगड़ना तय है। पाकिस्तान में बीते अप्रैल में इमरान खान की सरकार गिरने के बाद शहबाज शरीफ की सरकार सत्ता में आई थी। तब से दोनों खेमों बीच आर्थिक दुर्दशा के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराने की होड़ चलती रही है।

न्यूज ब्रीफ

केविन मैककार्थी नहीं जीत पाए स्पीकर का चुनाव, 100 साल में पहली बार होगी दोबारा वोटिंग

वॉशिंगटन । अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन नेता केविन मैककार्थी पहले राउंड की बैलेट

वोटिंग में नैंसी पेलोसी की जगह स्पीकर का चुनाव जीतने में असफल रहे। वह पेलोसी का स्थान लेने के लिए जरूरी संख्या बल नहीं हासिल कर पाए। इस तरह सदन में स्पीकर के चुनाव के लिए एक सदी (100 वर्ष) में पहली बार दूसरे राउंड की बैलेट वोटिंग होगी। केविन मैककार्थी 100 वर्ष में पहले ऐसे नेता बन गए जो पहले राउंड की बैलेट वोटिंग में स्पीकर पद सुरक्षित नहीं कर पाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया से रिपब्लिकन सांसद केविन मैककार्थी को मंगलवार को हुई पहले राउंड की वोटिंग में 19 वोट मिले। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणपंथी सांसद व उम्मीदवार एंडी बिग्स को 10 वोट मिले। जिसमें उनके वोट साथ उत्तरी कैरोलिना के डैन बिशप, जॉर्जिया के एंड्रयू क्लाइड, एरिजोना के एली क्रेन, फ्लोरिडा के मैट गेट्ज, वर्जीनिया के बॉब गुड, एरिजोना के पॉल गोसर, दक्षिण कैरोलिना के राल्फ नॉर्मन, पेंसिल्वेनिया के स्कॉट पेरी और मोंटाना के मैट रोजेंडेल शामिल हैं। वहीं, ओहियो से सांसद और स्पीकर पद के लिए उम्मीदवार जिम जॉर्डन को कुल सात वोट मिले। उनके अलावा छह अन्य सांसदों कोलोराडो के लॉरेन बोएबर्ट, टेक्सास के माइक क्लाउड, फ्लोरिडा के अन्ना पॉलिना लूना, इलिनोइस के मैरी मिलर, टेनेसी के एंडी ओगल्स और टेक्सास के कीथ सेल्फ ने जिम के पक्ष में मतदान किया। ओक्लाहोमा से सांसद जोश ब्रेचीन ने इंडियाना के जिम बैंक्स और मैरीलैंड के सांसद एंडी हैरिस ने न्यूयॉर्क रिपब्लिकन गवर्नर उम्मीदवार ली जेल्डिन का समर्थन किया। टेक्सास के निर्वाचित प्रतिनिधि चिप रॉय ने फ्लोरिडा के अपने सहयोगी बायरन डोनाल्ड्स के लिए अपना वोट डाला। बता दें, यूएस हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी 2021 में 216 वोटों के साथ चुनी गई थीं।

भारतीय मूल के व्यक्ति ने चट्टान से जानबूझ कर गिराई टेस्ला कार, बैठे थे पत्नी और बच्चे, मामला दर्ज

वाशिंगटन । अमेरिका में भारतीय मूल के एक 41 वर्षीय व्यक्ति पर हत्या के प्रयास और बाल शोषण का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि कैलिफोर्निया के धर्मेश ए पटेल ने जानबूझकर अपनी कार को चट्टान से नीचे गिरा दिया। जिस समय यह घटना हुई, कार में उसकी बीबी और दो बच्चे बैठे हुए थे। चारों लोगों को कार से बाहर निकाल लिया गया है और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हाईवे पेट्रोल ने एक बयान में कहा कि आरोपी व्यक्ति को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सैन मेटो काउंटी जेल में रखा जाएगा। हाईवे पेट्रोल के अधिकारियों ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों ने दुर्घटना के बाद 911 पर कॉल किया। जिस समय बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा, कार चट्टान से 250 से 300 फीट नीचे थी। सोमवार को सैन मेटो काउंटी में डेविल्स स्लाइड में चलाए गए बचाव अभियान में कार से चार साल के लड़के और नौ साल की लड़की को बचा लिया गया। वहीं, हेलीकॉप्टर की मदद से कार में फंसे दोनो वयस्कों को बाहर निकाला गया। चारों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक हुई जांच में सामने आया है कि कार को जानबूझ कर चट्टान से नीचे गिराया गया था।

अमेरिका को मंजूर नहीं निकोलस मादुरो, वेनेजुएला के अंतरिम राष्ट्रपति को नहीं देगा मान्यता

वॉशिंगटन । अमेरिका ने वेनेजुएला के अंतरिम राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को वैधानिक मान्यता देने से इनकार कर

दिया है। व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर कहा कि वह मादुरो को वेनेजुएला का वैध अंतरिम राष्ट्रपति नहीं मानता। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि उनका देश वेनेजुएला में 2015 में लोकतांत्रिक ढंग से गठित नेशनल असेंबली को देश की अंतिम शेष लोकतांत्रिक संस्था के रूप में मान्यता जारी रखेगा। वह निकोलस मादुरो को मान्यता नहीं देगा। इस संस्था के अधिकार में वृद्धि के समझौते का स्वागत करते हैं। बता दें, अमेरिका ने विपक्षी नेता जुआन गुएदो को वेनेजुएला के अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में मान्यता दी है। अमेरिकी बयान के अनुसार, नेड प्राइस ने कहा कि हम 2024 के वेनेजुएला चुनावों के लिए निकोलस मादुरो पर एकीकृत विपक्षी मोर्चे के साथ मेक्सिको वार्ता में सार्थक प्रगति पर जोर देते रहेंगे। अमेरिकी बयान में प्राइस के हवाले से कहा गया है कि मैक्सिको वार्ता में चुनावी कार्यक्रम जारी करना, उम्मीदवारों को बहाल करना और सही नेताओं को राजनीतिक दलों के हाथों में देश का नियंत्रण लौटाना, चुनाव आयोग को अपडेट करना और अंतरराष्ट्रीय चुनावी पर्यवेक्षकों को अनुमति देना अहम मुद्दे हैं।

ज्यादा बच्चे पैदा करो और गांव जाकर बसो तो जापान सरकार करेगी पैसों की बारिश

टोक्यो ।
जापान की सरकार ने इस वर्ष देश की आबादी बढ़ाने की मुहिम में ज्यादा जोर लगाने का संकल्प लिया है। बच्चे पैदा करने के लिए परिवारों को प्रोत्साहित करने की अब नई योजना घोषित की गई है। इसके तहत टोक्यो महानगर से बाहर के इलाके में जाकर बसने वाले परिवार को हर बच्चे पर कम से कम दस लाख येन (लगभग 7,500 डॉलर) की सहायता दी जाएगी। यह योजना पहले से मौजूद है, लेकिन पहले इस सहायता की रकम सिर्फ तीन लाख येन थी।

सरकार का मकसद यह है कि दंपति अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित हों। योजना 2019 में शुरू की गई थी। इसके तहत परिवारों को उन इलाकों में जाकर बसने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जहां जन्म दर काफी घट चुकी है और आबादी में बुजुर्गों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक हो गई है। इसीलिए परिवारों को टोक्यो महानगर से वैसे इलाकों में जाकर बसने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नई घोषणा के मुताबिक जो लोग साइतामा, चिबा, कानागावा आदि जैसी जगहों पर रहते हुए अपने काम के सिलसिले में टोक्यो से आना-जाना करेंगे, वे भी इस योजना का लाभ पाने के हकदार होंगे। परिवारों को इस योजना के तहत लाभार्थी बनने के लिए तीन में से किसी एक शर्त को पूरा करना होगा। ये शर्तें हैं- जिस इलाके में जाकर वे बसे हैं, अगर वहां वे किसी छोटी या मझौली कंपनी में नौकरी कर रहे हों, नई जगह पर बसने के बावजूद इंटरनेट के जरिए अपना पुराना काम कर रहे हों, या बसने की नई जगह पर उन्होंने कोई बिजनेस शुरू किया हो।

सरकारी घोषणा के मुताबिक लगभग 1300 यानी देश की तकरीबन 80 फीसदी नगरपालिकाएं इस कार्यक्रम में हिस्सेदार हैं। 2021 में 1,184 परिवारों ने इस री-लोकेशन (नई जगह जाकर बसने की) योजना का लाभ उठाया। 2019 में 71 और 2020 में 290 परिवारों ने योजना का लाभ उठाया था। पर्यवेक्षकों के मुताबिक जापान सरकार का लक्ष्य देश को डिजिटल गार्डन नेशन बनाना है। इसके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास पर खास जोर दिया जा रहा है। इसी मकसद से लोगों को ग्रामीण इलाकों में जाकर रहने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार चाहती है कि उन इलाकों में पर्याप्त आबादी रहे। नई योजना के तहत सरकार का लक्ष्य 2023 से 2027 तक दस हजार परिवारों को टोक्यो महानगर से दूसरी जगह जाकर बसने के लिए राजी कराना है। परिवारों को उनमें मौजूद बच्चों की संख्या के मुताबिक प्रोत्साहन राशि देने का फैसला इसी मकसद से किया गया है। इस योजना के तहत जहां एक बच्चे वाले परिवार को दस लाख येन दिए जाएंगे, वहीं दो बच्चे वाले परिवार को 30 लाख येन की रकम मिलेगी। यह प्रोत्साहन राशि बिना इस बात का ख्याल किए दी जाएगी कि संबंधित परिवार की आमदनी कितनी है।

डिजिटल गार्डन नेशन योजना के तहत स्थानीय सरकारों को डिजिटल टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के लिए सब्सिडी दी जा रही है। उन्हें अपने इलाके में बिना ड्राइवर वाली बसों को चलाने और रिमोट मेडिकल देखभाल को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मेरी दादी रो रही है, यह संदेश भेज 18 साल के पायलट ने हाईवे पर उतारा विमान

वॉशिंगटन ।
अमेरिकी में एक युवा पायलट के उड़ान के दौरान घबराने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस कारण 18 साल के पायलट ब्रॉक पीटर्स ने एटीसी को संदेश भेजा, मैंने पिछली सीट पर बैठी मेरी दादी को रोते हुए सुना है। इसी संदेश के बाद उसने कैलिफोर्निया में हाईवे पर आपात स्थिति में विमान उतार दिया।

सोमवार को पायलट पीटर्स एक इंजन वाले विमान से अपने परिवार को कैलिफोर्निया में नदी किनारे बने म्यूनिसिपल हवाई अड्डे पर नाश्ते के लिए ले जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें डरावने हालात का सामना करना पड़ा। इसके कारण किशोर पायलट को सैन बर्नार्डिनो नेशनल फॉरेस्ट में दो लेन हाईवे के पास अपने विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

पीटर्स के हवाले से केसीबीएस/केसीएएल ने यह जानकारी दी। पीटर्स ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से कहा कि मुझे दादी का शांत कराना है। उसने कहा कि उसे विमान को सुरक्षित रूप से नीचे लाना था और यह सुनिश्चित करना था कि विमान में सवार सब लोग ठीक रहें।

चार माह पहले बनवाया था लाइसेंस - एक रिपोर्ट में कहा है कि युवा पायलट पीटर्स को चार माह पहले ही पायलट का लाइसेंस मिला था। पीटर्स ने केसीबीएस/केसीएएल को बताया कि वह अगले सप्ताह फिर विमान उड़ाना शुरू करेंगे।

विमान में आवाज आई और इंजन बंद हो गए - मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पीटर्स अपनी दादी और दो चचेरे भाइयों के साथ एपल वैली से रिवर साइड एयरपोर्ट जा रहे थे। तब यह घटना घटी। पीटर्स ने सीबीएस लॉस एंजिल्स को बताया कि वह और उनका परिवार नाश्ते के लिए जा रहे थे, तभी विमान में अजीब आवाज सुनाई दी। इसके बाद विमान के इंजन ने काम करना बंद कर दिया। पीटर्स ने कहा कि मुझे पता था कि ऐसे हालात में क्या करना चाहिए, इसलिए मैंने सुरक्षित आपात लैंडिंग करा दी।

कोई घायल नहीं हुआ : एफएए - युवा पायलट विमान का इंजन फेल होने और आसपास के हवाई अड्डे के एटीसी टॉवर को सूचित करने में असमर्थ था। इसलिए उसने संदेश भेज कर आपात लैंडिंग करना सबसे सुरक्षित समझा।अमेरिका के फेडरल एविएशन एसोसिएशन (एफएए) ने यह आपातकालीन लैंडिंग स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे के पहले हुई।

चीन-रूस के खतरे के बीच व्हाइट हाउस ने बताया 2023 का प्लान, कहा- रणनीतिक स्थिति को और मजबूत करेगा अमेरिका

वाशिंगटन ।
रूस और चीन के खतरे के बीच अमेरिका ने 2023 के लिए अपनी कूटनीति को साफ कर दिया है। मंगलवार को व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका दीर्घकाल के लिए अपनी रणनीतिक स्थिति को मजबूत करना जारी रखेगा। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह एक निर्णायक दशक है और हम इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हम किस तरह से अपने समय की सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए विविध गठबंधनों का निर्माण करते हुए आगे बढ़ते हैं। जीन पियरे ने कहा कि 2022 में भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण-पश्चिम एशिया, मध्य पूर्व और प्रशांत द्वीप के समूह के नेताओं की मेजबानी की और उनसे मुलाकात की। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति बाइडन ने इतने सारे नेताओं से मुलाकात केवल एक साल में ही की है। इसके अलावा उन्होंने जी7, जी20 और नाटो शिखर सम्मेलन जैसी महत्वपूर्ण बैठकों में भी भाग लिया है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने बताया कि इस वर्ष अमेरिका लंबे समय के लिए अपनी सामरिक स्थिति को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, अमेरिका घरेलू शक्ति के स्रोतों में महत्वपूर्ण निवेश करेगा। वह यूरोप व दुनिया में आक्रामकता के खिलाफ खड़ा रहेगा और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए यूक्रेन के साथ खड़ा होगा, साथ ही अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के सिद्धांत पर काम करेगा। उन्होंने कहा, अमेरिकियों की अपने घर और दुनिया भर में रक्षा के लिए के लिए प्रतिबद्ध रहेगा और खाद्य सुरक्षा पर दुनिया भर में लचीला गठबंधन बनाने पर काम करेगा।

जंग के मैदान में करते रहेंगे यूक्रेन का समर्थन

रूस-यूक्रेन जंग पर एक सवाल के जवाब में जीन पियरे ने कहा कि अमेरिका जंग के मैदान में यूक्रेन का समर्थन जारी रखेगा, जिससे जब दोनों देश बातचीत की टेबल पर हों, तो यूक्रेन मजबूत स्थिति में हो।

नेतन्याहू ने जरूरी मंत्रालय धुर दक्षिणपंथी नेताओं को सौंपे इजराइल में यहूदी सोच कट्टर बनाई जाएगी, स्कूली सिलेबस बदला

यरूशलम ।
इजराइल में बेंजामिन नेतन्याहू की गठबंधन सरकार इस बार कई धुर कट्टरपंथी दलों के सहयोग पर टिकी है। उन्होंने मंत्रालयों का बंटवारा इसी आधार पर किया है कि यहूदी विचारधारा को किस तरह से और कट्टर बनाया जा सकता है। प्रमुख मंत्रालयों की जिम्मेदारी उन लोगों को दी गई है, जो कट्टरवादी हैं और आधुनिकता से कोसों दूर हैं। सरकार ने राष्ट्रीय मिशन मंत्रालय के नाम से एक नया मंत्रालय बनाया है। ये मंत्रालय देखेगा कि प्री-प्राइमरी कक्षाओं में यहूदी समर्थित इतिहास बताया जाए, उनके खिलाफ कुछ भी न पढ़ाया जाए। पहले प्री-प्राइमरी कक्षाओं का सिलेबस शिक्षा मंत्रालय तय करता था। राष्ट्रीय मिशन मंत्री को ही यहूदियों के खिलाफ होने वाले आंदोलन से निपटने की जिम्मेदारी दी है।

विरोधी बोले- ये 'यहूदीवादी मंत्रालय - विरोधियों का कहना है कि ये नया मंत्रालय 'यहूदीवादी मंत्रालय' है। राष्ट्रीय मिशन मंत्रालय का नेतृत्व कट्टरवादी दक्षिणपंथी नेता ओरिट स्ट्रोक करेंगी। इसी तरह से हेरिटेज मंत्रालय भी दक्षिणपंथी नेता अमिहाई एलियाहू को सौंपा गया है। गैर-यहूदियों का कहना है कि एलियाहू इस मंत्रालय में रहते हुए इतिहास को पलटने की

कोशिश करेंगे। वे उन ऐतिहासिक इमारतों के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं जो गैर-यहूदियों से संबंध रखती हैं।

इजराइल के सुरक्षा मंत्री ने विवादित मस्जिद का दौरा किया - इजराइल के धुर दक्षिणपंथी नेता और देश के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने अल-अक्सा मस्जिद का दौरा किया है। इस क्षेत्र में अभी यहूदियों का सीमित प्रवेश है। इजराइली मंत्री के जाने से तनाव बढ़ गया है। दरअसल, यहूदियों का कहना है कि जिस जगह पर आज अल-अक्सा मस्जिद है, वह यहूदियों की पवित्र जगह है, जिसे एक समुदाय ने खंडित करके मस्जिद बना ली थी। वे यहां फिर से मंदिर बनाने की बात करते हैं। फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने चेतावनी दी थी कि अल-अक्सा मस्जिद को लेकर इजराइल का कोई भी कदम रेड लाइन को पार करने जैसा होगा।

विरोधः नागरिकता पर इजराइली डायस्पोरा ने अपनी ही सरकार को घेरा - लॉ ऑफ रिटर्न में बदलाव कर दुनियाभर के उन यहूदी प्रवासियों को यहां आने से रोका जाएगा, जिन्होंने किसी दूसरे धर्म में शादी कर ली है। अलियाह मंत्रालय के मंत्री ओफिर सोफेर ने कहा कि केवल उन्हें ही नागरिकता दी जाए जिनके माता-पिता में से एक यहूदी हो। इस पर अमेरिका में रहने वाली यहूदी आबादी ने आपत्ति जताई है। ये आबादी आधुनिक विचारधारा का समर्थन करती है।

इजराइल में पिछले तीन साल में पांच चुनाव हो चुके हैं। यहां सरकारें अपना समय पूरा नहीं कर पाती हैं। इस बार भी इसी की आशंका है। दरअसल, नेतन्याहू की शपथ के बाद पूर्व पीएम येर लैपिड ने उनसे हाथ भी नहीं मिलाया और बाहर निकल गए। फिर नेतन्याहू अपने ऑफिस पहुंचे तो उन्हें टेबल पर हिब्रू में लिखी चिट्ठी मिली, इसमें 'लैपिड 2024' लिखा था। यह चिट्ठी पूर्व पीएम लैपिड ने छोड़ी थी।

यूरोप को जगाने के लिए वेक-अप कॉल की जरूरत, विएना में जयशंकर ने दी नसीहत

विएना ।
विदेश मंत्री विदेश मंत्री एस जयशंकर ऑस्ट्रिया दौरे के बीच ने मंगलवार को यूरोपीय देशों को नसीहत दी। विएना में एक साक्षात्कार में उन्होंने यूरोप को नई विश्व व्यवस्था, यूक्रेन जंग और चीन की चुनौती को लेकर सलाह दी। इसके साथ ही कहा कि यूरोप को हिली हुई विश्व व्यवस्था को समझने के लिए एक वेक-अप कॉल की जरूरत है। साक्षात्कार में जयशंकर ने कहा, यूरोपीय लोगों को यह समझना होगा कि जीवन के कठोर पहलुओं का हमेशा दूसरों द्वारा ध्यान नहीं रखा जाता है, कोई भी क्षेत्र स्थिर नहीं होगा यदि विश्व में एक ही शक्ति का वर्चस्व स्थापित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यूरोप सिर्फ अपने क्षेत्र में विकास करना चाहता है और जहां तक हो सके अंतरराष्ट्रीय समस्याओं से दूर रहना चाहता है। यूरोप ने व्यापार पर ध्यान केंद्रित किया, बहुपक्षवाद पर जोर दिया और जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर

अपनी शर्तों पर दुनिया को आकार देने के लिए आर्थिक ताकत का इस्तेमाल किया। विदेश मंत्री ने कहा कि यूरोप कठिन सुरक्षा मामलों से दूर रहता है। वैश्विक ढांचे में हुआ बदलाव, खतरनाक दौर में रहे हैं हम वैश्विक ढांचे में मूलभूत बदलाव का जिक्र करते हुए जयशंकर ने अमेरिका का उदाहरण दिया और कहा कि तमाम मतभेदों के बाद भी पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप इस बात से सहमत हैं कि अमेरिका अब ज्यादा समय तक वैसी भूमिका नहीं निभा सकता, जैसी की वह पहले निभाता रहा है, इसलिए उसे पीछे हटना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हम पहले से ही खतरनाक दौर में रह रहे हैं। इस संक्रमण काल के कारण नई विश्व व्यवस्था बनाने में लंबा समय लगेगा, क्योंकि बदलाव बड़ा है उन्होंने कहा कि अमेरिकियों ने जल्दी यह महसूस कर लिया कि उन्हें अपनी स्थिति को पुनः स्थापित करना होगा, इसलिए उन्होंने हमारे जैसे देशों से सहयोग करना शुरू कर दिया। हालांकि, यूरोपीय लोगों ने भी यूक्रेन जंग के पहले महसूस कर लिया था कि विश्व व्यवस्था बदल रही है। फिर भी यूरोप ने व्यापार पर ध्यान केंद्रित किया, बहुपक्षवाद पर जोर दिया और जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर अपनी शर्तों पर दुनिया को झुकाने के लिए अपने आर्थिक प्रभाव का उपयोग किया। बहुपक्षीय विश्व व्यवस्था की जरूरत इसके बाद यूरोपीय लोगों ने भारत-प्रशांत रणनीति के बारे में बात करना शुरू किया। इससे स्पष्ट था कि वे अब दुनिया के अन्य हिस्सों में विकास पर सिर्फ दर्शक नहीं बनना चाहते। उन्होंने कहा कि विश्व व्यवस्था अभी भी पश्चिम मुखी है और इसे बहुपक्षीय बनाने की जरूरत है, ताकि दुनियाभर के देश अपनी विशेष नीतियों और वरीयताओं और हितों को चुन सकें।

भारत ने पश्चिम के पाखंड को खत्म किया

जयशंकर ने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि नई दिल्ली ने रूसी आक्रमण की निंदा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका और यूरोप के दबाव को खारिज कर दिया। इसके साथ ही रूस को भारत ने अपने सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ता देश में बदल दिया। पिछले साल 24 फरवरी से छिड़े रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम के कथित पाखंड को भी ठुकरा दिया गया।

सरकार बीपीएल कार्ड रद्द से कर रही ओछी राजनीति : करण सिंह दलाल

पलवल (हिंस)। पलवल में कांग्रेस पूर्व विधायक करण सिंह दलाल ने बुधवार को प्रेस वार्ता में कहा है कि हरियाणा सरकार गरीब लोगों के बीपीएल कार्ड रद कर ओछी राजनीति का परिचय दे रही है। गरीबों को बिना किसी सूचना और उनकी जांच किए बिना ही उनके बीपीएल कार्ड रद्द कर दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को लाभ देने के बजाय उनके हक भी छीन रही है। आज गरीब लोग लाइनों में लग अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। कहीं सीएससी सेंटर पर नौकरियों के लिए आनलाइन फार्म भरवाने के नाम पर तो कहीं परिवार पहचान पत्र और बीपीएल कार्ड के नाम पर लोगों को लूटने का काम किया जा रहा है। पूर्व मंत्री करण दलाल ने कुसलीपुर स्थित अपने फार्म पर प्रेस वार्ता की और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा उन्होंने कहा कि पलवल जिले को भाजपा सरकार लूटने पर लगी है। पलवल की एक मात्र चीनी मिल को क्षमता बढ़ाने के नाम पर करोड़ों रुपये का घोटाला किया गया। आज भी आए दिन मिल बंद रहती है और किसान इस ठंड में गन्ना मिल को देने के लिए कई-कई दिनों पर पड़े रहते हैं। मिल पहले ही इस बार देरी से शुरू की गई और अब हर दिन बंद रहने से किसानों को नुकसान हो रहा है, अधिकारी व नेता मिल में घोटाले कर रहे हैं और सरकार आंख बैठी है। सरकार केवल झूठे वायदे और घोषणाएं करने में लगी है, लेकिन लोगों के हित के लिए एक काम नहीं किया जा रहा है। शहर में सफाई के नाम पर नगर परिषद द्वारा हर महीने घोटाला किया जा रहा है। सरकारी विभागों में बिना रिश्वत लिए कोई काम नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली-बडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे पर भी मंडकौला के पास इंटरचेंज बनाए। यह घोषणा स्वयं मुख्यमंत्री कर चुके हैं, लेकिन आज तक इस पर ध्याननहीं दिया गया। अब मजबूरी में लोग धरने पर बैठे हैं, लेकिन सरकार को यह सब दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के बुरे दिन शुरू हो चुके हैं। इस अवसर पर उनके साथ कांग्रेस नेता एसके शर्मा, युवा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश बघेल, कांग्रेस नेता मुकुट लाल गौतम, राजेश्वर गर्ग विशेष रूप से मौजूद थे।

रिश्वतखोरी आरोपी की पहचान अब नहीं होगी उजागर

जयपुर (हिंस)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में कार्यवाहक डीजी के पद पर हेमंत प्रियदर्शी को लगाया गया है। पद संभालते ही डीजी ने बुधवार को एक आदेश जारी किया, जो चर्चा का विषय बन गया है। डीजी हेमंत प्रियदर्शी ने आदेश जारी किया कि ट्रेपशुदा आरोपी, संदिग्ध का नाम व फोटो सार्वजनिक नहीं करे। यह आदेश सभी एसीबी के सभी चौकी व यूनिट प्रभारी को जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार ब्यूरो टीम द्वारा की गई कार्रवाई के पश्चात जब तक प्रकरण, आरोपी का न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध नहीं हो जाता, तब तक आरोपी का नाम, फोटो मीडिया या अन्य किसी व्यक्ति, विभाग में सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। आरोपी जिस विभाग में कार्यरत है। उसका नाम व आरोपी के पदनाम की सूचना मीडिया में सार्वजनिक नहीं की जाएगी। ब्यूरो की अभिरक्षा में जो भी संदिग्ध या आरोपी है।

डांगरी घटना को लेकर विभिन्न संगठनों ने पाकिस्तान का पुतला जलाकर किया प्रदर्शन

उधमपुर (हिंस)। डांगरी घटना को लेकर बुधवार को विश्व हिंदू परिषद की कॉल पर गोल मार्किट में विभिन्न राजनीतिक व गैर राजनीतिक संगठनों द्वारा पाकिस्तान का पुतला फूंका गया और एवं जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के विभाग अध्यक्ष सुशांत शर्मा ने राजौरी के डांगरी में हिंदू परिवारों को निशाना बनाए जाने को लेकर अपना गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कायर आतंकवादियों द्वारा किया गया यह हमला काफी निंदनीय है। आतंकवादी सोचते हैं इन घटनाओं से हिंदू डर जाएगा लेकिन हिंदू डरने वाला नहीं है। युगों-युगों से हिंदू जीतता आया है और यह जंग भी हिंदू ही जीतेगा। उन्होंने युवाओं से अपील की आतंकवाद की इस लड़ाई में हम सभी पैरामिलिट्री फोर्स के साथ कंधे के साथ कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे। उन्होंने शहीद परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। वहीं चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रधान श्याम स्वरूप कलसोत्रा ने डांगरी घटना को एक कायराना हरकत करार दिया। उन्होंने कहा कि टारगेट किलिंग कभी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी से इस घटना को लेकर एकजुट होकर इसकी निंदा करने को कहा। वहीं उन्होंने यूटी सरकार से भी आग्रह किया कि वह इसका कड़ा संज्ञान ले तथा आतंकियों को जल्द ढूंढ कर उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाये। वहीं व्यापार मंडल के प्रधान जितेंद्र वरमानी ने इस घटना की कड़ी निंदा की तथा कहा कि अगर हिंदुओं को इसकी प्रकार से निशाना बनाया जाता रहा तो वह दिन दूर जब हिंदुओं को भी अपनी सुरक्षा हेतु कोई कड़े उपाय करने पड़ेंगे। उन्होंने कड़ी चेतावनी दी कि अगर आने वाले दिनों में हिंदुओं पर हमले बंद नहीं हुए तो इनका जबरदस्त विरोध किया जाएगा। वहीं पर ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रधान दर्शन सिंह ने मांग की हिंदुओं को गन के लाइसेंस इश्यू किए जाएं ताकि हिंदू अपनी सुरक्षा कर सकें। भविष्य में अगर कोई हमला हिंदुओं पर होता है तो उधमपुर की ट्रांसपोर्ट यूनियन उस समय जो भी निर्णय हिंदुओं के लिया जाएगा वह उसका पूरी तरह से समर्थन करेगी। इसी बीच वार्ड नंबर-6 पार्षद विक्रम सिंह सलाथिया ने कहा कि डांगरी की घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए वह आतंकियों के मंसूबों को पूरी तरह से खत्म करने के लिए बीडीसी को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद को उधमपुर की जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।

किसानों को नहीं मिल रही पर्याप्त बिजली कम वोल्टेज से जल रहे उपकरण, प्रदर्शन

जोधपुर (हिंस)। जिले में किसानों ने कृषि सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली न मिलने को लेकर प्रदर्शन किया गया। किसानों का कहना था कि विद्युत आपूर्ति ठीक न होने के कारण फसलों की सिंचाई करने में दिक्कत आ रही है। साथ ही वॉल्टेज उतार-चढ़ाव का भी सामना करना पड़ रहा है। जिले में किसानों ने भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में फलोदी, बापिणी, लोहावट, मथानिया, बाप, तिंवरी, देचू, चौमू, बिलाड़ा, आऊ, ओसियां, बावड़ी, मतोड़ा, मंडोर, बालेसर, हतुंडी, भोपालगढ़, पीपाड़, नांदडा, डीगाड़ी, बोरुंदा, लूणी सहित सभी सब डिविजनो पर सांकेतिक धरना देकर आक्रोश प्रदर्शित किया। भारतीय किसान संघ के प्रदेश मंत्री तुलछाराम सिंवर ने बताया कि पिछले कई दिनों से कृषि सिंचाई के लिए दी जाने वाली विद्युत आपूर्ति में वॉल्टेज के उतार चढ़ाव, ट्रिपिंग, तय ब्लॉक आपूर्ति में कटौती से किसान फसल सिंचाई नहीं कर पाने से परेशान हैं। कम वॉल्टेज की विद्युत आपूर्ति के कारण रोजाना हजारों की संख्या में ट्यूबवैल की मोटरें जल रही हैं। इससे किसानों को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस संबंध में कई बार उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया गया, लेकिन विद्युत आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ। किसानों के प्रति सरकार व डिस्कॉम की असंवेदनशीलता के चलते किसानों को आंदोलन शुरू करना पड़ रहा है। जिले के सभी सब डिवीजन पर भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में किसानों ने सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर डिस्कॉम अधिकारियों को ज्ञापन सुपुर्द किए हैं। इस दौरान जिले में 22 स्थानों पर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिए गए। किसानों ने वॉल्टेज में सुधार कर गुणवत्ता युक्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही पूर्व निर्धारित ब्लॉक अनुसार साढ़े 6 घंटे दिन व 7 घंटे रात्रि में कृषि सिंचाई के लिए विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। सुबह 5 से 8.30 बजे तक व शाम को 5.30 से 9 बजे तक कृषि सिंचाई के लिए ब्लॉक सप्लाई देने पर लगा प्रतिबंध हटाया जाए। घरेलू विद्युत आपूर्ति में की जा रही कटौती को बंद कर, 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

शिक्षा विभाग के नियमों के पालन न करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई सहित नोटिस जारी

अमृतसर। शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार ठंड की छुट्टियों में स्कूल लगाने वाले दो प्राइवेट स्कूलों पर कार्रवाई की है। विभाग द्वारा माधव विद्या निकेतन स्कूल तथा बाबा ईश्वर सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल रणजीत एवेन्यू को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। इसके अलावा विभाग के पास आधा दर्जन के करीब शिकायतें आई हैं जिनकी चैकिंग खुद जिला शिक्षा अधिकारी सेकेंडरी जुगराज सिंह रंधावा व जिला शिक्षा अधिकारी एलीमेंट्री राजेश शर्मा द्वारा की जा रही है। जानकारी के अनुसार पंजाब सरकार द्वारा भारी ठंड व धुंध के कारण सरकारी तथा प्राइवेट स्कूलों में 8 जनवरी तक छुट्टियां की गई हैं। शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी निर्देशों की पालना करवाते हुए जिला स्तर पर भी पत्र जारी किया गया है कि कोई भी स्कूल नियमों की अवहेलना करता अगर पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा निर्देशों की इन-बिन पालना करवाने के लिए आज सुबह 7 बजे चंडीगढ़ से मुख्य अधिकारियों द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जिला शिक्षा अधिकारी व एलिमेंट्री को जारी किए गए कि वह खुद जाकर फील्ड में चैकिंग करें, जिला शिक्षा अधिकारी सेकेंडरी जुगराज सिंह रंधावा व जिला शिक्षा अधिकारी एलीमेंट्री राजेश शर्मा ने बताया कि उनके द्वारा सैक्रेड हार्ट स्कूल, श्री राम आश्रम स्कूल मजीठा रोड फॉर एस स्कूल, एसएल भवन स्कूल, माधव विद्या निकेतन स्कूल, बाबा ईश्वर सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल रणजीत एवेन्यू, हर कृष्ण स्कूल आदि का निरीक्षण किया गया, जिनमें से माधव विद्या निकेतन स्कूल व बाबा ईश्वर सिंह स्कूल में स्टाफ पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों स्कूलों को नोटिस जारी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि छुट्टियों का मतलब है कि न तो विद्यार्थी, न ही स्टाफ स्कूल में आ सकता है परंतु अभी भी कुछ स्कूल सरकारी निर्देशों को नजर-अंदाज कर रहे हैं जिन पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि विभाग के पास आधा दर्जन के करीब शिकायतें पहुंची हैं जिनकी मॉनिटरिंग वह खुद कर रहे हैं, जो स्कूल नियमों की अवहेलना करता पाया गया उसकी मान्यता रद्द करने के लिए कार्रवाई की जाएगी। सर्दी के कारण विद्यार्थी बीमार हो रहे हैं व धुंध के कारण एक्सीडेंट भी हो रहे हैं। इसी को मद्देनजर रखते हुए सरकार द्वारा छुट्टियों का ऐलान किया गया है।

अंदर ही अंदर सुलग रही है पीसीए कोषाध्यक्ष वालिया ने दिया त्यागपत्र

जालंधर। ऊपरी तौर पर शांति दिखाई दे रही पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) अंदर ही अंदर कितनी सुलग रही है इसका अंदाजा शायद किसी को नहीं होगा लेकिन नए साल के आरंभ होते ही इसका प्रभाव तब दिखाई दिया जब पीसीए के कोषाध्यक्ष राकेश वालिया ने अपने पद से 2 जनवरी को त्यागपत्र दे दिया। इससे पहले पीसीए अध्यक्ष गुलजार इंद्र सिंह चहल और उपाध्यक्ष गगन खन्ना ने भी एसोसिएशन में कुछ लोगों के कारण पैदा हुए असंतोष के कारण अपने-अपने पदों से त्यागपत्र दे दिए थे। अब हालात यह है कि पीसीए बिना अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के चल रही है। चल रही है या रेंग रही है इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। लम्बे अर्से से जिस समस्या से पीसीए जूझ रहा है उसकी मूल जड़ में केवल एक ही व्यक्ति है जो सट्टेबाज हैं और पीसीए में रहकर इतनी धन-दौलत कमा रहा है जिसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। इस सट्टेबाज को पूर्व पीसीए अध्यक्ष और जमा-जुमा क्रिकेटर से राजनेता बने से संरक्षण मिला हुआ है। वह एक खिलाड़ी की जिम्मेदारी निभाने की बजाय राजनीति के ताने-बाने बुनने में अधिक दिलचस्पी दिखाने में मशगूल है। वह क्रिकेट में अपने चहेतों को और रिश्तेदारों को बिना किसी योग्यता महत्वपूर्ण पदों पर बिना कर उन लोगों के साथ अन्याय कर रहा है जिन्होंने क्रिकेट में ऊंचा मुकाम भी हासिल किया है और कई प्रकार के कई उदाहरण भी पेश किए हैं।

महिला कोच की शिकायत के चार दिन बाद संदीप सिंह के आवास पर पहुंची पुलिस

चंडीगढ़। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान और हरियाणा के खेल मंत्री रहे संदीप सिंह के खिलाफ महिला कोच ने जो आरोप लगाए हैं उस मामले 4 दिन बाद चंडीगढ़ पुलिस पहली बार उनके आवास पर पहुंची। चंडीगढ़ सेक्टर 26 पुलिस थाने के एसएचओ अपनी टीम के साथ संदीप सिंह के घर पहुंचे थे। चंडीगढ़ पुलिस सिर्फ 5 मिनट के लिए संदीप सिंह के घर पर रुकी। चंडीगढ़ पुलिस पहली बार इस मामले में संदीप सिंह के घर पर पहुंची थी। हालांकि पुलिस यहां क्यों आई थी इस बारे में उनकी तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई। इस मामले में 1 जनवरी को एफआईआर दर्ज हुई थी। महिला कोच की शिकायत पर चंडीगढ़ पुलिस नेसंदीप सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। संदीप पर छेड़छाड़, गलत तरीके से छूने, जाने से मारने की धमकी देने जैसी गंभीर धाराओं में केस दर्ज हुआ है। संदीप सिंह ने इस पूरे मामले को अपने खिलाफ साजिश बताया था और कहा कि मेरी छवि को खराब करने के लिए माहौल बनाया जा रहा है। इस मामले में जांच के लिए शनिवार को कमिटी बनी थी। महिला कोच ने आरोप लगाया था कि खेल मंत्री संदीप सिंह ने मुझे एक डॉक्यूमेंट के बहाने घर बुलाया। वहां वह मुझे अलग कैबिन में लेकर गए और मेरे साथ बदतमीजी की। मेरे पैर पर हाथ रखा और मुझसे कहा कि तुम मुझे खुश रखो मैं तुम्हे खुश रखूंगा। पीड़िता ने कहा था कि मैं किसी तरह खुद को बचा कर भागी। स्टाफ मेरी हालत देख कर हंसता रहा। मैंने डीजीपी से लेकर सीएम ऑफिस में कॉल किया लेकिन कोई मदद नहीं मिली। खेल मंत्री संदीप सिंह और जूनियर महिला कोच विवाद मामले में हरियाणा के डीजीपी ने एसआईटी गठित की थी। इसमें आईपीएस ममता सिंह और समर प्रताप सिंह के साथ एचसीपी राजकुमार कौशिक को शामिल किया गया। हरियाणा के डीजीपी की ओर से एसआईटी को निर्देश दिए थे कि वह महिला कोच के आरोपों की बिंदुबार जांच करें। साथ ही यह भी हिदायत दी गई है कि जल्द से जल्द इस मामले की जांच पूरी कर रिपोर्ट दी जाए।

आप कार्यकर्ताओं ने रानी तालाब पर किया प्रदर्शन

जींद (हिंस)। आम आदमी पार्टी के आह्वान पर कार्यकर्ताओं ने रानी तालाब पर बुधवार को हरियाणा प्रदेश के खेल मंत्री द्वारा महिला कोच के साथ किए गए व्यवहार को रोष स्वरूप थाली बजाओ, सरकार जगाओ प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मांग की कि खेल मंत्री को पद से बर्खास्त कर तुरंत गिरफ्तार किया जाए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महिला विंग की प्रदेश सलाहकार डॉ. रजनीश जैन ने कहा कि सरकार का बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा आज खोखला हो चुका है। हरियाणा में बेटियां बिल्कुल भी सुरक्षित नही हैं। कानून और व्यवस्था का जनाजा निकल चुका है। अंतरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ी व कोच के साथ हुए अश्लीलतापूर्ण व्यवहार सरकार के खेल मंत्री संदीप सिंह द्वारा यह घिनौना कृत्य करना बीजेपी की दूषित मानसिकता व प्रदेश की बेटियों के प्रति घोर अपमान दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार मंत्री का बचाव कर रही है। जांच खानापूर्ति के लिए की जा रही है। आम आदमी पार्टी यह मांग करती है कि इसकी जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज द्वारा करवाई जाए तथा एसआईटी गठित की जाए तभी दूध का दूध और पानी का पानी हो सकता है। आज प्रदेश का हर नागरिक अपने आप को सुरक्षित महसूस करता है। आम आदमी पार्टी इसे कतई सहन नहीं करेगी। महिलाओं के प्रति प्रदेश में लगातार अत्याचार बढ़ रहे हैं और इससे प्रदेश की महिलाओं में असुरक्षा माहौल व्याप्त है।

कुलदेवी आध्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथयात्रा के लिए पीले चांवल बांटेंगे

अजमेर (हिंस)। अग्रसेन महाराज की कर्मस्थली अग्रोहा शक्ति पीठ में निर्माणाधीन आध्य महालक्ष्मी जी एवं अष्टलक्ष्मी जी के विशाल एवं विश्वस्तरीय भव्य मंदिर के व्यापक प्रचार प्रसार तथा देश के प्रत्येक अग्रवाल परिवार व आमजन की भावना को इस मंदिर निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से निकाली जा रही रथ यात्रा का अजमेर आगमन के तृतीय दिवस बुधवार को मार्बल नगरी किशनगढ़ में भव्य स्वागत किया गया । अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, जिला शाखा अजमेर के जिला अध्यक्ष गिरधारीलाल मंगल व जिला महामंत्री पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व महालक्ष्मी जी के 18 रथ अलग अलग स्थानों से निकाले गए थे जो 11 लाख किलोमीटर की यात्रा करेंगे। मंगल व अग्रवाल ने कुलदेवी आध्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद यात्रा के मुख्य उद्देश्य की जानकारी देते हुए बताया कि अग्र विभूति स्मारक, अग्रोहा शक्तिपीठ में निर्माणाधीन कुलदेवी आध्य महालक्ष्मी जी एवं अष्ट लक्ष्मी मंदिर के प्रति 1 करोड़ अग्रवाल परिवारों को जोड़ना, अग्रवाल समाज को संगठित करके समाज की ताकत का परिचय देना, विश्व शांति एवं मानवमात्र के कल्याण का संदेश जन- जन तक पहुंचाना, देश में संस्कारित समाज का निर्माण करना, यात्रा के माध्यम से युवा शक्ति एवं मातृ शक्ति को सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय करना, अग्रवाल- वैश्य समाज के स्वतंत्रता सेनानी एवं महापुरुषों की जानकारी जन जन को देना तथा अग्रोहा को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करना इस रथयात्रा के मुख्य उद्देश्य हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण में देश के सभी अग्रवाल परिवारों के योगदान व आहुति के उद्देश्य से रथयात्रा के माध्यम से हुंडी के माध्यम से सहयोग राशि भी एकत्रित की जा रही प्रति हुंडी 500 रुपये की बनवाई गयी है। संस्था के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक पंसारी व युवा जिलाध्यक्ष गिरिराज अग्रवाल ने बताया कि रथयात्रा को लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल है तथा समाज बंधु तन मन धन से भरपूर सहयोग कर रहे हैं। सभी जगह अग्रवाल बंधुओं के साथ ही आमजन भी महालक्ष्मी जी का पूजन व आरती कर रहे हैं वहीं मंदिर निर्माण के लिए अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन संस्था द्वारा जारी की गयी हुंडी लेने के लिए भी बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट : भूंगरा गैस कांड पर प्रसंज्ञान, राज्य सरकार से जवाब तलब

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने भूंगरा में हुए गैस कांड को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेकर जनहित याचिका दायर करते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। न्यायाधीश संदीप मेहता व न्यायाधीश कुलदीप माथुर की खंडपीठ ने एकलपीठ के जस्टिस दिनेश मेहता की अदालत के दिए आदेश पर जनहित याचिका दायर कर नोटिस जारी किया है। 19 दिसंबर को भूंगरा गैस कांड में मृतकों के परिजनों को अधिक मुआवजे के साथ नौकरी देने की मांग को लेकर धरना दिया था। इस पर कोर्ट ने प्रसंज्ञान लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं एएजी संदीप शाह को नोटिस देते हुए कहा कि ऐसे मामलों को लेकर सरकार की कोई पॉलिसी या गाइडलाइन है क्या। कोर्ट ने कहा कि आमतौर पर समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिलती है कि परिजनों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए दबाव बनाया जाता है। कोर्ट ने फाइनेंस सचिव का शपथ पत्र मांगा है, जिसमें इस तरह कि घटनाएं, जो कि पिछले 5 सालों में घटित हुई हैं। उनमें पीड़ितों के परिजनों को क्या-क्या लाभ दिए गए हैं, उसका विवरण मांगा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं, लेकिन जहां राज्य सरकार की गलती ना हो या लापरवाही ना हो उसके बावजूद ऐसी घटनाओं में मुआवजा देने एवं अनुकंपा नौकरी देने को लेकर क्या प्रावधान हैं, इसे भी पेश करें।

हरियाणा में भाजपा के पतन का कारण बनेगी भारत जोड़ो यात्रा : राजेश गढ़िया

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक राजेश गढ़िया ने कहा है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा प्रदेश की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के पतन का कारण बनेगी। इस यात्रा से हरियाणा की राजनीति में नई शुरुआत होगी। बुधवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में राजेश गढ़िया ने कहा कि हरियाणा के लोग मौजूदा भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार से बेहद दुखी हैं। प्रदेश के लोगों ने एक बार फिर से कांग्रेस को विकल्प के रूप में स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी की यात्रा को लेकर उत्तरी हरियाणा के करीब एक दर्जन विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करके इंटक के कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि इंटक के तमाम कार्यकर्ता उन सभी जगहों पर तैनात रहेंगे, जहां से राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा निकलेगी। गढ़िया ने कहा कि आज प्रदेश का तमाम मजदूर वर्ग मौजूदा सरकार की नीतियों के विरोध में एकजुट हो रहा है। जिसके चलते राहुल गांधी की यात्रा में इंटक के समर्थन में अन्य कई मजदूर संगठन भी भाग लेंगे।

शीतलहर का प्रकोप प्रदेश के 13 जिलों में रेड अलर्ट जारी

कैथल (हिंस)। शीतलहर के कारण भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हरियाणा के 13 जिलों में रेड अलर्ट जारी कर दिया है मंगलवार की रात हिसार प्रदेश में सबसे अधिक ठंडा रहा यहां का अधिकतम तापमान 10 पॉइंट 2 डिग्री सेल्सियस है। प्रदेश में हिसार सबसे ज्यादा ठंडा रहा। 12 साल का रिकॉर्ड टूट गया। हिसार में अधिकतम तापमान 10.2 डिग्री व न्यूनतम 4.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विभाग चंडीगढ़ ने हिसार, चंडीगढ़, पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, सिरसा, फतेहाबाद, जींद, भिवानी व चरखीदादरी कोल्ड के कारण रेड अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान में मिला कोरोना के ओमिक्रोन एक्सबीबी1.5 वैरिएंट का पहला केस

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के जयपुर में कोरोना के ओमिक्रोन एक्सबीबी1.5 वैरिएंट का पहला मामला सामने आया है। चिकित्सा विभाग के अनुसार यह व्यक्ति सीकर का रहने वाला है और हाल ही में विदेश से लौटा था। मरीज के सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज में भेजे गए थे। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस के वीसी और कोरोना के लिए बनाई राज्य सलाहकार समिति के प्रमुख डॉ. सुधीर भंडारी ने इसकी पुष्टि की है। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस के वीसी डॉ. सुधीर भंडारी ने बताया कि सीकर से एक सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए एसएमएस मेडिकल कॉलेज में भेजा गया था। इसके बाद उस मरीज में कोरोना के ओमिक्रोन एक्सबीबी1.5 वैरिएंट की पुष्टि हुई है। फिलहाल, चिकित्सा विभाग मरीज की पूरी ट्रैवल हिस्ट्री और अभी तक कितने लोगों से संपर्क में मरीज आया है, उसकी जांच कर रहा है। जल्द ही इसे लेकर एक हेल्थ बुलेटिन भी चिकित्सा विभाग की ओर से जारी किया जाएगा। नए वैरिएंट की पुष्टि के बाद अब चिकित्सा विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। देश में जब कोरोना को लेकर अलर्ट जारी हुआ था तब राजस्थान में भी इसे लेकर गाइडलाइन जारी हुई थी। गाइडलाइन के तहत विदेश से आने वाले मरीजों के सैंपल लेकर उन्हें जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा जा रहा था। अमेरिका में कोरोना वायरस के ओमिक्रोन वैरिएंट के सब-वैरिएंट एक्सबीबी1.5 के कई मामले सामने आए हैं। यह वैरिएंट्स बीक्यूवी वैरिएंट की तुलना में 120 प्रतिशत तेजी से फैलता है। आंकड़ों के मुताबिक भारत में ओमिक्रोन एक्सबीबी1.5 वैरिएंट के पांच मामले सामने आए हैं। इनमें से 3 मामले गुजरात में सामने आए हैं। साथ ही एक मामला कर्नाटक और एक राजस्थान में पाया गया है।

दुनिया की पहली फ्लाइंग बाइक की बुकिंग शुरू: इसकी शुरुआती कीमत 3.15 करोड़ रुपए, 272 किलो वजन ले जाने में सक्षम

लॉस एंजिलिस।
दुनिया की पहली उड़ने वाली मोटरसाइकिल की बुकिंग शुरू हो चुकी है। ये मोटरसाइकिल 30 मिनट तक 96 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकती है। इस उड़ने वाली बाइक का नाम 'स्पीडर' रखा गया है। इसकी शुरुआती कीमत 3.15 करोड़ रुपए रखी गई है।

272 किलो वजन ले जाने में सक्षम – 136 किलो वजन वाली बाइक 272 किलो वजन ले जाने में सक्षम होगी। इसे रिमोट से भी कंट्रोल किया जा सकता है। उड़ने वाली बाइक को अमेरिका की जेटपैक एविएशन कंपनी ने बनाया है। ओरिजिनल डिजाइन में चार टरबाइन थे, लेकिन फाइनल प्रोडक्ट में 8 टरबाइन होंगे। दो बाइक के प्रत्येक कोने में सेफ्टी के लिए होंगे।

सर्टिफिकेशन मिलने की उम्मीद – जेटपैक एविएशन दुनिया की पहली उड़ने वाली मोटरसाइकिल का फ्लाइट टेस्ट कर रही है। इसे अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन का सर्टिफिकेशन मिलने की उम्मीद है। 2-3 सालों में कंपनी की 8 जेट इंजन वाली स्पीडर फ्लाइंग बाइक बाजार में आ सकती है।

यह एक यूटिलिटी व्हीकल – कंपनी के अनुसार उड़ने वाली बाइक असल में एक एयर यूटिलिटी व्हीकल है। यानी इसका इसका इस्तेमाल मेडिकल इमरजेंसी और आग बुझाने जैसे पर्पज के लिए भी किया जा सकता है। वहीं कंपनी कार्गो एयरक्राफ्ट के रूप में मिलिट्री मार्केट के लिए एक अनमैन्ड वर्जन भी डेवलप किया जा रहा है। यह 400 मील प्रति घंटे की रफ्तार से जमीन से 100 फीट ऊपर उड़ सकता है।

जापान ने भी बनाई फ्लाइंग बाइक – बीते साल जापान की स्टार्टअप कंपनी टेक्नोलॉजी ने अमेरिका के डेट्रॉइट ऑटो शो में फ्लाइंग बाइक का प्रदर्शन किया था। करीब 100 किमी प्रति घंटे तक की टॉप स्पीड वाली बाइक पेट्रोल पर चलती है। बाइक का अभी बड़े लेवल पर प्रोडक्शन शुरू नहीं हुआ। इस बाइक को एक बार में करीब 30 से 40 मिनट तक हवा में उड़ा जा सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

अपने ऑलटाइम हाई के करीब सोनाः 56 हजार के करीब पहुंचा सोना, चांदी भी 69 हजार के पार हुई

नई दिल्ली। सोने की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 4 जनवरी को सर्राफा बाजार में सोना 324 रुपए महंगा होकर 55,905 रुपए पर पहुंच गया है। सोना अपने ऑल टाइम हाई (56,200 रुपए) के करीब पहुंच गया है। चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में गिरावट देखने को मिली है। सर्राफा बाजार में ये 347 रुपए सस्ती होकर 68,880 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। 3 जनवरी को ये 69,227 हजार पर थी। सोने ने कोरोना की पहली लहर के दौरान अगस्त 2020 में अपना ऑलटाइम हाई बनाया था। उस वक्त सोना 56,200 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर तक चला गया था। उस लेवल से अब यह सिर्फ 295 रुपए पीछे है। बीते साल सोने-चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली। इस साल सोना 48,279 रुपए से बढ़कर 54,867 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। यानी 2022 में सोने के दाम में 6,588 रुपए की तेजी देखी गई। वहीं 2022 में चांदी 62,035 रुपए से बढ़कर 68,092 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। यानी, इस साल इसकी कीमत में 6,057 रुपए की तेजी आई। आर्थिक अनिश्चितता के बीच जैसे दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने का भंडार बढ़ाया है। केडियाए डवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, केंद्रीय बैंकों की तरफ सोने की खरीदारी बढ़ना सकारात्मक संकेत है।

गूगल 1337 करोड़ रुपये के जुर्माना का 10प्रतिशत जमा कराए, एनसीएलएटी ने दिए निर्देश

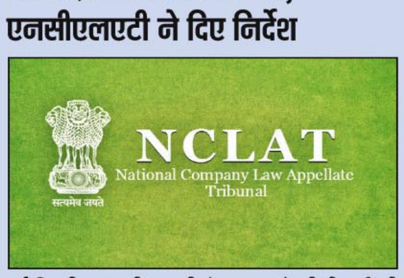

नई दिल्ली । एनसीएलएटी ने गूगल को सीसीआई की ओर से लगाए गए 1,337.76 करोड़ रुपये के जुर्माने का 10 प्रतिशत जमा करने का निर्देश दिया है। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल एंड्रॉइड मोबाइल डिवाइस इकोसिस्टम में कथित उल्लंघनों के लिए 1337 करोड़ रुपये के जुर्माने को चुनौती देने वाली Google की याचिका पर सुनवाई के लिएतैयार हो गया है। ट्रिब्यूनल ने सीसीआई को नोटिस जारी कर गूगल की याचिका पर जवाब मांगा है। याचिका को स्वीकार करते हुए गूगल को बोनाफाइड दिखाने के लिए जुर्माने का 10प्रतिशत जमा करने को कहा। इस बीच ट्रिब्यूनल ने गूगल पर सीसीआई के दंड आदेश पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। एनसीएलएटी का यह निर्देश गूगल की ओर से दायर उस याचिका पर आया है। गूगल की ओर से एंड्रॉइड मोबाइल डिवाइस पारिस्थितिकी तंत्र में कई बाजारों में अपनी मजबूत स्थिति का दुरुपयोग करने के सीसीआई के आदेश को चुनौती दी गई थी।

सेवा क्षेत्र का विस्तार 10 महीने के उच्चतम स्तर पर, मांग में वृद्धि का मिला फायदा

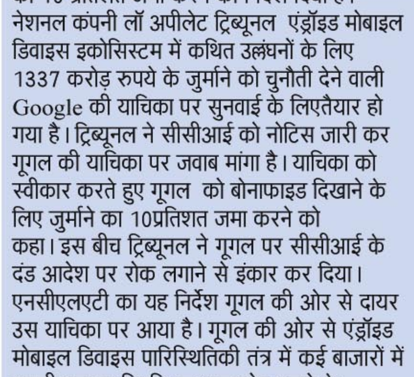

नई दिल्ली । मजबूत मांग और अनुकूल बाजार परिस्थितियों के कारण भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर में 56.4 से बढ़कर दिसंबर में 58.5 हो गया, जो 2022 के मध्य के बाद से विस्तार की सबसे मजबूत दर को दर्शाता है। लगातार 17वें महीने यह आंकड़ा तटस्थ 50 की सीमा से ऊपर रहा। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, दिसंबर में भारतीय सेवा गतिविधि में एक स्वागत योग्य विस्तार देखा गया, जो 2022 के अंत में मांग के लचीलेपन को रेखांकित करता है। लीमा ने आगे कहा कि जैसे-जैसे हम 2023 में आगे बढ़ंगे कंपनी उत्पादन के दृष्टिकोण से मजबूत आशावादी संकेत दे रहे हैं। करीब 31 प्रतिशत पैनलिस्टों ने उत्पादन में वृद्धि का अनुमान जताया है, जबकि केवल दो प्रतिशत ने संकुचन का अनुमान जताया है।

नौकरीपेशा के लिए बढ़ सकती है 80सी में छूट की सीमा, आयकर में भी राहत की उम्मीद

नई दिल्ली ।
आम बजट 2023 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सरकार एक फरवरी, 2023 को पेश होने वाले बजट में नौकरीपेशा के लिए आयकर अधिनियम-1961 की धारा 80सी के तहत निवेश पर छूट और स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा को बढ़ा सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कर संग्रह के मोर्चे पर चालू वित्त वर्ष सरकार के लिए अच्छा रहा है। इसके अलावा, वैश्विक चुनौतियों और अनिश्चितताओं के बीच बजट में अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने पर जोर रहेगा। यह तभी संभव है, जब खपत को बढ़ावा मिले।

सूत्रों की मानें तो सरकार 80सी के तहत छूट की सीमा को बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये कर सकती है। अभी यह सीमा 1.5 लाख रुपये है, जिसमें पिछले 2014-15 के बाद से कोई बदलाव नहीं हुआ है। उस दौरान 80सी के तहत छूट की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये किया गया था। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) का कहना है कि 80सी का दायरा बढ़ाने से आम लोगों को बड़े पैमाने पर बचत का अवसर मिलेगा। वहीं, सूत्रों ने कहा कि स्टैंडर्ड डिडक्शन की मौजूदा 50,000 रुपये की सीमा को बढ़कर 75,000 रुपये किया जा सकता है। केपीएमजी ने इसे बढ़ाकर एक लाख रुपये करने की मांग की है।

पीपीएफ के लिए अलग से छूट की मांग

सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) में योगदान की सालाना सीमा को मौजूदा 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर तीन लाख रुपये करने का भी सुझाव दिया गया है। इसमें कई वर्षों से कोई इजाफा नहीं हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि जीवन बीमा योजना, बच्चों की ट्यूशन फी, म्यूचुअल फंड की कर योजनाएं पहले से ही 80सी के दायरे में आती हैं। इसलिए, पीपीएफ में पर्याप्त योगदान की गुंजाइश नहीं बचती है। इसके लिए अलग से छूट का प्रावधान होना चाहिए।

करमुक्त आय पर भी राहत की उम्मीद

विशेषज्ञों का कहना है कि 2023-24 के बजट में करमुक्त आय की सीमा को भी बढ़ाकर पांच लाख रुपये किया जा सकता है। मौजदूा नियमों के मुताबिक, नौकरीपेशा के लिए 2.5 लाख रुपये तक की कमाई करमुक्त है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह सीमा तीन लाख रुपये और सुपर वरिष्ठ नागरिकों (80 साल) के लिए पांच लाख रुपये है। आखिरी बार 2014-15 में करमुक्त आय की सीमा को दो लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये किया गया था।

वजह...जिनसे करदाताओं का आस

सरकार को 2022-23 में अब तक प्रत्यक्ष कर संग्रह के रूप में करीब 26 फीसदी ज्यादा कमाई हुई है। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह भी 20 फीसदी बढ़ा है। टीडीएस कटौती और कॉरपोरेट कर संग्रह का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। 2024 में देश में आम चुनाव होने हैं। करदाताओं को राहत देकर सरकार इस मौके को भुनाना चाहेगी।

ई-वाहनों के लिए बढ़े सब्सिडी का दायरा

इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं के संगठन ने फेम-2 योजना के तहत ई-वाहनों के लिए सब्सिडी का विस्तार करने का अनुरोध किया है। सोसाइटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एसएमईवी) ने कहा कि ई-वाहनों को लोकप्रिय बनाने के लिए हल्के से लेकर भारी वाणिज्यिक वाहनों को भी योजना में शामिल किया जाए। संगठन ने बिजली से चलने वाले वाहनों के कलपुर्जों पर एक समान 5 फीसदी जीएसटी लगाने की मांग की। फेम-2 की वैधता 31 मार्च, 2024 को समाप्त हो जाएगी। इसका विस्तार किया जाए क्योंकि जितनी पैठ बननी चाहिए थी, उतनी अभी नहीं बन पाई।

गिरावट के साथ बंद हुआ बाजारः सेंसेक्स 636 अंक गिरकर 60,657 पर बंद, निफ्टी भी 189 अंक लुढ़का

नई दिल्ली।
भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 636 अंक गिरकर 60,657 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 189 अंक की गिरावट के साथ 18,042 के स्तर पर आ गया। सेंसेक्स के 30 में से 28 शेयरों में गिरावट रही। वहीं सिर्फ 2 शेयरों में तेजी देखने को मिली।

2 दिन की तेजी के बाद गिरावट

2 दिन की बढ़त के बाद बाजार में गिरावट देखने को मिली। क्रस्थ के सभी सेक्टर इंडेक्स में गिरावट में कारोबार हुआ। मिडकैप, स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली देखने को मिली। मेटल, रियल्टी और बैंकिंग शेयरों में गिरावट नजर आई।

2022 में शेयर बाजार ने नए हाई बनाए

शेयर बाजार ने साल 2022 में ग्लोबल मार्केट्स के मुकाबले काफी अच्छा परफॉर्म किया है। कई वैश्विक विपरीत परिस्थितियों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में इस साल 2प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली। वहीं ज्यादातर ग्लोबल मार्केट्स में 10 से 20प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय बाजार ने इस साल हाई इन्फ्लेशन, इंटरेस्ट रेट्स में बढ़ोतरी, करेंसी में उतार-चढ़ाव, जियोपॉलिटिकल टेंशन और बिकवाली का सामना किया। इसके बावजूद 1 दिसंबर 2022 को सेंसेक्स ने 63,583.07 और निफ्टी ने 18,887.60 का नया ऑल टाइम हाई बनाया था। पूरे साल में सेंसेक्स करीब 1,660 अंक और निफ्टी 480 अंक बढ़ा है। साल की शुरुआत यानी 3 जनवरी 2022 को सेंसेक्स 59,183.22 और निफ्टी 17,625.70 के स्तर पर था। इस साल निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में भी 3प्रतिशत की तेजी रही। हालांकि, निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 15प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं साल 2022 में क्क बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 64प्रतिशत की रैली देखी गई।

2023 में कैसा रहेगा भारतीय शेयर बाजार मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में भी भारतीय बाजार में तेजी देखने को मिल सकती है। ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि 2023 में कैपिटल गुड्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर, सीमेंट, हाउसिंग, डिफेंस और रेलवे जैसे सेक्टर फोकस में रह सकते हैं।

देश में ही बनेंगे मानवरहित विमानों के कलपुर्जे, जनरल एटॉमिक्स ने भारत फोर्ज से किया करार

नई दिल्ली ।
अमेरिका की शीर्ष ड्रोन निर्माता कंपनी जनरल एटॉमिक्स ने भारत में मानवरहित विमानों के लैंडिंग उपकरणों और कलपुर्जों के निर्माण के लिए भारत फोर्ज लिमिटेड के साथ करार की घोषणा की है।

कदम से भारत में अत्याधुनिक ड्रोन के निर्माण के लिए एक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मदद मिलेगी।

जनरल एटॉमिक्स की एक सब्सिडियरी इकाई सैन डिएगो स्थित जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम (जीए-एएसआई) ने कहा है कि भारत फोर्ज लिमिटेड के साथ उसकी साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण में सहायक होगी। इससे भारत में मानवरहित विमान उद्योग को गति मिलेगी।

जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी विवेक लाल ने कहा, जीए-एएसआई मानवरहित विमानों के कलपुर्जों के निर्माण के लिए भारत फोर्ज के साथ काम करने को लेकर उत्सुक है।

कंपनी ने कहा है कि उच्च-प्रदर्शन वाले महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण में पांच दशकों से अधिक के अनुभव के साथ भारत फोर्ज उत्पादों की अवधारणा, डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग, निर्माण, परीक्षण और सत्यापन की क्षमता रखता है।

भारत फोर्ज लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक बाबा कल्याणी ने कहा कि एयरोस्पेस एक गहन प्रौद्योगिकी' क्षेत्र है, जो उत्पाद की शुद्धता, विश्वसनीयता और उसके दोषरहित होने पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, अपनी एयरोस्पेस विकास रणनीति के तहत हमने जीए-एएसआई के साथ साझेदारी की है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की घोषणा, मशीनरी निर्माण को प्रोत्साहन के लिए नई योजना लाएगी सरकार

नई दिल्ली ।
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार मशीनरी के निर्माण को समर्थन देने के लिए एक नई योजना लाएगी। गोयल नई दिल्ली में एक होटल में काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट की ओर से आयोजित निर्यात पुरस्कार विजेताओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद को भारत में प्रवेश से रोकने के लिए बीआईएस प्रमाणीकरण को गुणवत्ता नियंत्रण प्रमाण पत्र में बदलने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सरकार गुणवत्ता नियंत्रण मानकों को पूरा करने के लिए सहयोग देने और प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, सरकार उन मानकों में संशोधन करने के लिए तैयार है, जो उद्योग को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में चमड़ा और फुटवियर उद्योग की विशाल क्षमता को पहचाना गया है। यह सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने उद्योगों से अमृत काल में अगले 25 वर्ष के लिए नए लक्ष्य तय करने की अपील की।

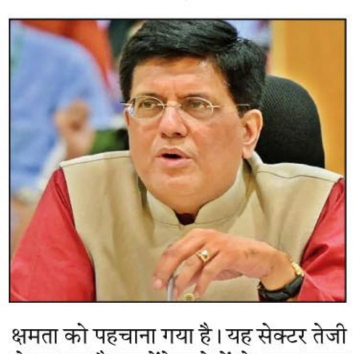

फुटवियर और चमड़े के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बन सकता है भारत – केंद्रीय उद्योग मंत्री ने कहा, फुटवियर और चमड़ा ऐसा क्षेत्र है जहां भारत विश्व में अग्रणी बन सकता है। उन्होंने कहा कि चमड़ा उद्योग इस साल अधिक निर्यात हासिल कर सकता है। उन्होंने चमड़ा उद्योग से भारत के विभिन्न देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का फायदा उठाने को कहा।

उद्यमियों को आयात शुल्क पर आश्वासन – केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, देश से बाहर बने कुछ प्रकार के चमड़े पर आयात शुल्क के संबंध में उद्योगों के सुझावों पर विचार किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि राजस्व विभाग की गोदाम विनियमन (एमओओडब्ल्यूआर) योजना का लाभ पूरी ताकत से उठाना चाहिए, जो उद्यमियों को किसी भी सामान का शुल्क मुक्त आयात की अनुमति देता है। गोयल ने कहा, कोल्हापुरी चप्पल बड़ी क्षमता वाला भारत का एक अनूठा उत्पाद है। इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, नए और बेहतर डिजाइन, आराम और पैकेजिंग के साथ अगर कोल्हापुरी चप्पलों को ब्रांडेड ईकोसिस्टम में शामिल कर सकें।

नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी

इस पर 19,744 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार, कैबिनेट मीटिंग में मंजूरी

नई दिल्ली।
नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी गई है। इस मिशन के तहत सरकार भारत को ग्रीन हाइड्रोजन हब बनाना चाहती है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट मीटिंग में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का लक्ष्य रखा है। नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के लिए 19,744 करोड़ रुपए की मंजूरी की गई है।

इस योजना के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कंपनियों को इंसेंटिव दिए जाएंगे। इंसेंटिब पर 17,490 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। नेशनल हाइड्रोजन मिशन का ऐलान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त 2021 में किया था।

ग्रीन हाइड्रोजन हब बनाने पर भी फोकस अनुराग ठाकुर ने बताया – कि ग्रीन हाइड्रोजन हब्स का विकास किया जाएगा। इससे ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादक और उपभोक्ता को एक ही जगह पर लाया जाएगा। ताकि ट्रांसपोर्टेशन भी न बढ़े और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर भी एक जगह उपलब्ध कराया जा सके। 2047 तक देश को एनर्जी इंडिपेंडेंट बनाने का लक्ष्य हम प्राप्त करे इसके लिए ये बहुत जरूरी कदम है।

सुन्नी डैम हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को मंजूरी – हिमाचल प्रदेश में सुन्नी डैम हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। शिमला में सतलुज नदी पर बनने वाले इस प्रोजेक्ट पर करीब 2,614 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसकी क्षमता 382 मेगावोट है। इसे 5 साल 3 महीने में पूरा कर लिया जाएगा।

हाइड्रोजन और अमोनिया भविष्य के प्रमुख ईंधन – सरकार हाइड्रोजन और अमोनिया को भविष्य के प्रमुख ईंधन के रूप में मान रही है। यह भविष्य में फॉसिल फ्यूल (पेट्रोल, डीजल, कोयला) को रिप्लेस करेगा। नई पॉलिसी में कहा गया है कि ग्रीन हाइड्रोजन बनाने वाले मैन्युफैक्चरर्स पावर एक्सचेंज से रिन्यूएबल पावर खरीद सकते हैं। मैन्युफैक्चरर्स खुद का भी रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट लगा सकते हैं।

भविष्य के ईंधन में आत्मनिर्भर बनना चाहता है भारत – ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया बनाने की बात इसलिए हो रही है क्योंकि यह भविष्य का प्रमुख ईंधन माना जा रहा है। इसके तहत भारत ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया जैसे ईंधनों में आत्मनिर्भर बनना चाहता है। पेट्रोलियम की तरह भारत इन ईंधनों के लिए दूसरे देश पर निर्भर नहीं रहना चाहता है।

ग्रीन हाइड्रोजन क्या होता है – ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी का सबसे साफ सोर्स है। इससे प्रदूषण नहीं होता है। ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी बनाने के लिए पानी से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को अलग किया जाता है। इस प्रोसेस में इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग होता है। इलेक्ट्रोलाइजर रिन्यूएबल एनर्जी (सोलर, हवा) का इस्तेमाल करता है। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग ट्रांसपोर्ट, केमिकल, आयरन सहित कई जगहों पर किया जा सकता है।

यात्री की शूटिंग में व्यस्त होंगी चाहत खन्ना

-कुछ हिस्सों की शूटिंग दिसंबर में बैंकॉक में की थी

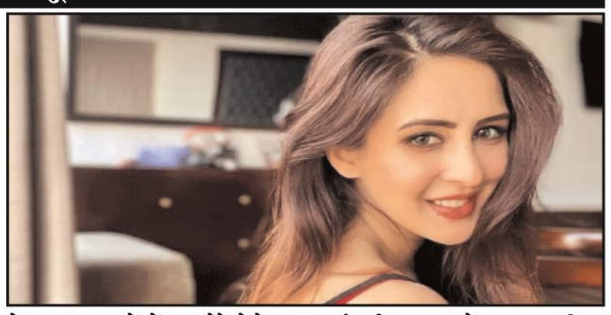

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की अभिनेत्री चाहत खन्ना अगली फिल्म यात्री की शूटिंग कर रही हैं। चाहत ने कहा कि इस बार मैं अपनी फिल्म यात्री की शूटिंग कर रही हूं। कुछ हिस्सों की शूटिंग हमने दिसंबर में बैंकॉक में की थी लेकिन पैचवर्क अभी भी बाकी है हम जनवरी में दिल्ली में शूटिंग करने जा रहे हैं। मैं इस नए प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हूं और उम्मीद है कि जल्द ही इसे पूरा कर लूंगी। मैंने खुद को और अपने प्रियजनों को सुरक्षित रखने के लिए कमर कस ली है। कुमकुम काजल और कुबूल है में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली चाहत खन्ना ने कहा कि मेरी तमाम कोशिशों के बावजूद 2022 निजी तौर पर मेरे जीवन में कई झटके लेकर आया है जबकि मैंने पेशेवर मोर्चे पर बहुत कुछ सीखा। सौभाग्य से कुछ पहलुओं में यह मेरे पेशेवर जीवन के लिए बहुत अच्छा रहा। कुल मिलाकर मैं 2022 को एक बुरा साल नहीं कहूंगी क्योंकि इस साल कुछ शानदार पल थे और मैंने मुश्किल वक्त में बहुत कुछ सीखा भी है। जब चाहत खन्ना से नए साल के उनके संकल्प के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरा अंतिम लक्ष्य शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से फिट और स्वस्थ रहना है। मैं पिछले वर्ष की तुलना में बहुत अधिक मेहनत करने की भी इच्छा रखता हूं ताकि मैं एक व्यक्ति के रूप में सीखते और बढ़ते हुए अपने लिए एक पहचान बना सकूं। बता दें कि चाहत खन्ना कुछ देशों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच खुद को और अपने प्रियजनों को सुरक्षित रखने के लिए भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने के लिए सावधानी बरत रही है।

पाक सिंगर ने पठान मूवी के बेशरम रंग गाने को चुराने का लगाया आरोप

पठान मूवी का बेशरम रंग गीत अब एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। पाकिस्तानी सिंगर सज्जाद अली ने पठान के निमार्ताओं पर गाना चोरी करने का आरोप लगाया है। चार साल के लंबे इंतजार के बाद वर्ष 2023 की 25 जनवरी से सिनेमाई परदे पर फिर से सक्रिय वापसी करने वाले सितारे शाहरुख खान की फिल्म पठान इन दिनों बहुत चर्चा में है। विशेष रूप से पिछले 12 दिसम्बर को जारी किए गए इस फिल्म के पहले गीत बेशरम रंग जमाने के चलते यह न सिर्फ सिने प्रेमियों में चर्चा का विषय बनी अपितु इस गीत को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी बहुत चर्चा हुई। मध्यप्रदेश के राजनीतिक गलियारों में गीत पर बैन लगाने की भी मांग उठ गई। मीडिया के अनुसार सज्जाद अली ने कहा कि बेशरम रंग गाना अब के हम बिछड़े गाने से काफी मिलता है। गौरतलब है कि पाकिस्तान सिंगर का गीत अब के हम बिछड़े एक पुराना गीत है। जब यह समाचार भारतीय सिनेमा के गलियारों में फैला है तभी से यह चर्चा पा रहा है। पाकिस्तानी सिंगर सज्जाद अली ने आगे इस बात को कहां तक सही साबित कर पाते हैं यह तो आने वाला समय बताएगा।

पूर्वांचल के बेटे की फिल्म जगत में एक बड़ी उपलब्धि

इंडियन फिल्म फेडरेशन के आजीवन सदस्य बने प्रकर्ष

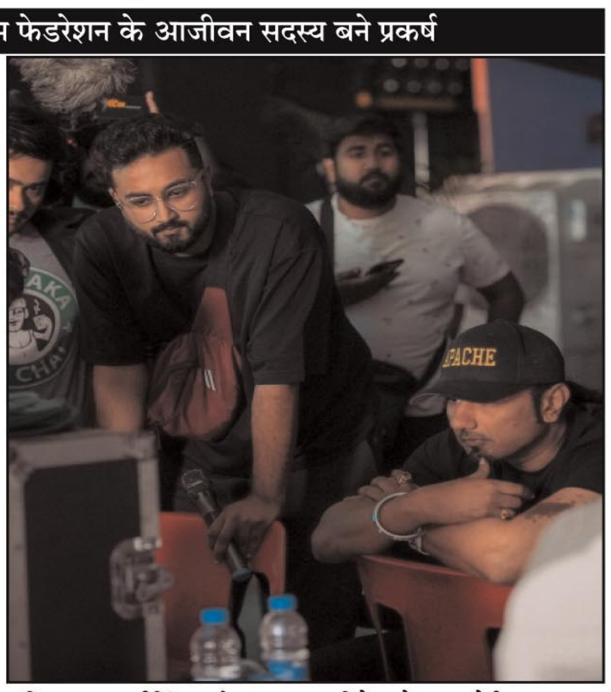

लखनऊ, (हि.स.)। पूर्वांचल की माटी की यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर दी जाने वाली सदस्यता हासिल करने की दिशा में एक ऐसे युवा एवं उदीयमान निमार्ता, निर्देशक और प्रोड्यूसर को मेंटर एंड मॉस्कट इंडियन फिल्म फेडरेशन (एम. एम. आई. एफ. एफ.) की आजीवन सदस्यता प्रदान की गई है, जिनका नाम है प्रकर्ष तिवारी। सिनेमा की दुनिया मे अत्यंत प्रतिष्ठित इस सदस्यता को पाने वाले वह युवा निर्देशक हैं। मशहूर फिल्म निमार्ता एवं निर्देशक बोनी कपूर, दि कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री और अनुराग कश्यप जैसे फिल्म निर्देशकों की कतार में खड़े प्रकर्ष को यह सदस्यता मिलना पूर्वांचल के कलाकारों और युवाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। प्रकर्ष मूलतः गोरखपुर के रहने वाले हैं जो बड़ी तेजी से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। पर्पल स्पार्क प्रोडक्शन और शॉट बाई इन्फ्लिक्ट के ब्रांड नाम से विख्यात प्रकर्ष तिवारी की शिक्षा गोरखपुर में सेंट जोसेफ विद्यालय से हुई ।एशियन इंस्टिट्यूट ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, नोएडा से प्रकर्ष ने डिग्री हासिल करने के समय से ही कार्य शुरू कर दिया था। प्रख्यात कलाकार, हनी सिंह, बादशाह, इक्का, रफ्तार, लिलगोलु, के आर एस एन ए, यंगस्टा, रागा, प्रहदीप,, अमित भड़ाना, हनीसिंह कर्मा, हरजस आदि के लिए सौ से ज्यादा म्यूजिक वीडियो के साथ साथ अनेक शार्ट फिल्में भी बनाई है । वह वर्तमान में बहुत बड़ी फिल्म पर काम कर रहे हैं जो काफी ज्वलंत मुद्दे पर है । भारतीय हिपहॉप इंडस्ट्री में शॉट बाई इन्फ्लिक्ट ने कई कीर्तिमान बनाये हैं। इस फेडरेशन की आजीवन सदस्यता मिलना बहुत ही बड़ा सम्मान है। प्रकर्ष से पहले फेडरेशन की सदस्यता पाने वालों में भोजपुरी अभिनेता एवं गायक मनोज तिवारी, बॉलीवुड फिल्मों के अभिनेता सोनू सूद, गोपी भल्ला, फरीदा जलाल, अनूप जलोटा, संदीप मारवाह, कुमार विश्वास, सुशील पाराशर, अर्जुन फिरोज खान जैसे अनेक स्थापित नाम और कलाकार शामिल हैं। प्रकर्ष के पिता संजय तिवारी वरिष्ठ पत्रकार और लेखक है। इनकी मां डॉ अर्चना तिवारी गृहविज्ञान की वरिष्ठ शिक्षिका एवं प्रख्यात शिक्षाविद हैं। प्रकर्ष को युवा निर्देशक और फिल्मकार के रूप में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इससे पहले भी कई बार पुरस्कृत किया जा चुका है।

मासी अंदाज में नजर आ रहे हैं रणबीर कपूर

-फिल्म एनिमल से उनकी पहली झलक जारी

मुंबई (ईएमएस)। नए साल के मौके पर रणबीर कपूर की अपकमिंग फिल्म एनिमल से उनकी पहली झलक जारी कर दी गई है। शेयर किए गए पोस्टर में रणबीर कपूर मासी अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म के निर्देशक संदीप रेड्डी वागा ने सोशल मीडिया पर ठीक बारह बजे फिल्म का पोस्टर शेयर किया। पोस्टर सामने आते ही रणबीर का यह वायलेंट अवतार बेहद सुर्खियों में आ गया है। टी-सीरीज ने एनिमल का फर्स्ट लुक अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से भी शेयर किया गया है। पोस्टर में रणबीर का साइड फेस दिखाई दे रहा है और वो खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। पोस्टर जारी करते हुए टी सीरीज ने लिखा- 2023 में तैयार रहें यह एनिमल का साल है। लीड एक्ट्रेस रश्मिका ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया। उन्होंने लिखा- एनिमल का फर्स्ट लुक सामने रिवील हो गया है। फिल्म का हिस्सा होकर मैं बेहद एक्साइटेड हूं। आप भी देखिए। गौरतलब है कि रणबीर कपूर गत वर्ष दो फिल्मों–शमशेरा और ब्रह्मास्त्र–में नजर आए थे। इनमें जहाँ ब्रह्मास्त्र इस वर्ष की सर्वाधिक कमाई वाली फिल्म बनी वहीं दूसरी ओर उनकी फिल्म शमशेरा बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई। शेमशेरा को यशराज फिल्म्स ने और ब्रह्मास्त्र को धर्मा प्रोडक्शन ने निर्मित किया था। एनिमल के जारी हुए पोस्टर को प्रशंसकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है। कुछ लोग जहां रणबीर की तारीफ कर रहे हैं तो वहीं कई लोग उन्हें साउथ जैसे कैरेक्टर्स को अपनाने के लिए ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा- आप सभी किरदारों को अल्लू अर्जुन जैसा क्यों दिखाने की कोशिश कर रहे हो? दूसरे यूजर ने कहा- ये केजीएफ का रीमेक तो नहीं है? वहीं एक फैन ने लिखा- बड़ा धमाका होने वाला है शानदार। एक और फैन ने लिखा- मैं इस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। एनिमल का कथा-पटकथा और निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया है। यह फिल्म इस वर्ष 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रणबीर कपूर का यह किरदार उनकी बाकी फिल्मों से काफी अलग नजर आने वाला है। रणबीर के अलावा फिल्म में अनिल कपूर बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। परिणीति चोपड़ा इस परियोजना का हिस्सा थीं लेकिन उन्होंने इस फिल्म को छोड़ दिया था। उसके बाद इस फिल्म में रश्मिका मंदाना की एंट्री हुई। एनिमल की शूटिंग गत वर्ष अप्रैल माह में हिमाचल प्रदेश के मनाली में शुरू हुई थी। यह फिल्म भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज मुराद खेतानी के सिने1 स्टूडियो और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स द्वारा निर्मित है। रश्मिका हिन्दी भाषी दर्शकों के सामने पुष्पा-द राइज और गुडबॉय में नजर आ चुकी हैं। एनिमल 11 अगस्त 2023 को हिन्दी के साथ-साथ तमिल मलयालम तेलुगु और कन्नड़ सहित पांच भाषाओं में प्रदर्शित होगी। यह रणबीर कपूर की पहली पैन इंडिया रिलीज फिल्म होगी।

अजय और रोहित ने शुरू की सिंघम अगेन की तैयारी

अभिनेता अजय देवगन और निमार्ता रोहित शेट्टी ने सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त की तैयारी शुरू कर दी है। अजय ने अपने इंस्टाग्राम पर इसकी घोषणा की। उन्होंने अपनी और रोहित की एक फोटो भी शेयर की थी। उन्होंने कहा नए साल की अच्छी शुरूआत एट द रेट इट्स रोहित शेटटी की सिंघम अगेन की कहानी के साथ की। मैंने जो स्क्रिप्ट सुनी वह आग है। भगवान ने चाहा तब यह हमारी 11वीं ब्लॉकबस्टर होगी। निर्देशक ने अजय की पोस्ट पर टिप्पणी की अब तक भावनाओं और मेहनत के साथ काम किया है। इस बार अंदर आग भी है। दरअसल रोहित ने घोषणा की थी कि अभिनेत्री दीपिका पादुकोण भी सीक्वल में हिस्सा लेंगी। उसने पुष्टि की है कि वह एक पुलिस वाले अवतार में बुरे लोगों को नीचे ले जाएगी। उन्होंने आगे कहा सिंघम पहली बार 2011 में रिलीज हुई थी। यह रोहित की कॉप यूनिवर्स की पहली किस्त के रूप में काम करती है।

कंफर्ट जोन से बाहर की मूवी हैं एनिमल : रणबीर कपूर

नववर्ष के पहले दिन भारतीय सिनेमा के सितारे रणबीर कपूर की नई फिल्म एनिमल से पहली झलक जारी की गई थी। एनिमल के पोस्टर ने सोशल मीडिया पर आते ही तहलका मचाना शुरू कर दिया। रणबीर कपूर ने गत वर्ष शमशेरा और ब्रह्मास्त्र के द्वारा वापसी की थी। उनकी एक फिल्म ने आते ही रिकॉर्ड बना दिए तब दूसरी बुरी तरह से फ्लॉप हो गई। एनिमल के पोस्टर को देखकर प्रशंसक सोशल मीडिया पर रणबीर की तारीफें कर रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर रणबीर कपूर का एक पुराना साक्षात्कार काफी चर्चा पा रहा है। इस साक्षात्कार में रणबीर कपूर एनिमल के अपने किरदार को लेकर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि फिल्म में नजर आने वाला मेरा किरदार काफी चौंकाने वाला है। उन्होंने इस बात का खुलासा भी किया था कि उनकी यह फिल्म कंफर्ट जोन से बाहर की है। साथ ही साथ मैं इसको लेकर काफी डरा हुआ हूं। कबीर सिंह से हिन्दी फिल्मों में चर्चा में आए निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित यह फिल्म इस वर्ष 11 अगस्त को सिनेमाघरों में उतरने की तैयारी में है।

कपिल शर्मा ने मजेदार कैप्शन के साथ शेयर की फोटो

कपिल शर्मा ने एक बार फिर पंजाब से एक मजेदार फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है और साथ में मजेदार कैप्शन भी दिया है। कॉमेडियन फर्श पर सिर झुकाए बैठे नजर आ रहे हैं साथ ही कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और सिंगर जस्सी भी उनके साथ उसी पोजीशन में बैठे हैं। उनके फैंस द कपिल शर्मा शो के सेगमेंट की तरह ही पोस्ट का पोस्टमॉर्टम कर रहे हैं। कई फैंस ने अनुमान लगाया कि वे वाशरूम के बाहर बैठे हुए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। एक फैंन ने लिखा कि जब शौचालय खाली नहीं है और आप जल्दी में हैं। एक अन्य ने पूछा लोटा किधर एच (आपका मग कहां है)। एक और यूजर ने कमेंट किया भाभी ने बाहर निकाल दिया क्या? एक फैंन ने भी फोटो पर कमेंट करते हुए लिखा भंडारा खत्म हो गया है अब बस.. पूड़ी बच्ची है बोलो तो दे दूं। इस तरह फैंस के बहुत से कमेंट आए।

'बेशरम रंग' पर फिर बरसे मुकेश खन्ना, बोले- ये अश्लील नहीं है तो कल आप पॉर्न फिल्म बनाओगे...

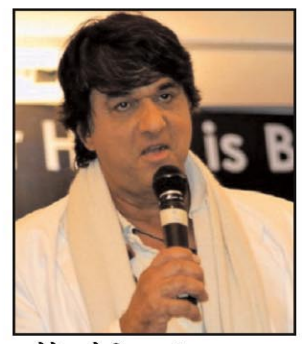

बीते दिनों रिलीज हुए शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की फिल्म पठान के गाने 'बेशरम रंग' को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए। इस गीत को लेकर संत समाज से सियासतदानों तक ने विरोध जताया। शक्तिमान फेम दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना ने भी इसे लेकर अपनी आपत्ति दर्ज करवाई थी। अब एक बार फिर से उनका एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बेशरम रंग पर तीखा हमला बोला है। बेशरम रंग गीत को लेकर मुकेश खन्ना ने लिखा, "अगर आपको ये अश्लील नहीं लगता! तो कल को आप पोर्न बनाओगे। वहीं उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, "देखो ये बिकिनी जोगिया रंगी!" इतनी अभद्रता और अश्लीलता!! और तो और गाने में बेशरम रंग कह कह कर जोगिया रंग का इस तरह से अश्लील अपमान!!" उन्होने आगे लिखा, "इतना दुस्साहस !!! क्या फिर भी आशा रखते हो कि इस अपने रंग को पवित्र मानने वाले हिंदू इसके खिलाफ खड़े नहीं होंगे ? अवश्य खड़े होंगे और खड़े हो भी रहे हैं। अब इस बेशरम गाने और इस फि ल्म को ऊपर वाला ही बचाये!" मुकेश खन्ना के इस पोस्ट पर लोग उनके समर्थन और विरोध दोनों में जवाब दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बेशरम रंग गाने में दीपिका पादुकोण की बिकनी का भगवा कलर का आउटफिट देखकर लोगों में नाराजगी है। उनका कहना है कि इस गाने के जरिए भगवा रंग को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। इसी के चलते फिल्म पठान को भी सोशल मीडिया पर बॉयकॉट करने की मांग लगातार जारी है। एक्शन थ्रिलर फिल्म पठान के एक्शन सीन की शूटिंग भारत के अलावा स्पेन, यूएई, तुर्की, रूस ,साइबेरिया, इटली, फ्रांस और अफगानिस्तान में भी हुई है। फिल्म में शाहरुख, दीपिका और जॉन के अलावा अभिनेता आशुतोष राणा, डिम्पल कपाड़िया भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। सलमान खान और ऋतिक रोशन स्पेशल अपीरियंस में होंगे। पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा हैं। फिल्म 25 जनवरी, 2023 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी।

पाकिस्तान में गरमाया हनी ट्रैप मामला, पूर्व सैन्य अधिकारी के बयान पर भड़कीं अभिनेत्रियां

पाकिस्तान की कुछ फेमस अभिनेत्रियां इन दिनों पड़ोसी मुल्क में मीडिया की सुर्खियां बनी हुईं हैं। इसकी वजह हैं, वहां की सेना के एक पूर्व अधिकारी आदिल राजा द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप। आदिल राजा इस समय एक यूटयूब चैनल चलाते हैं, जिसके लगभग 3 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। उन्होंने अपने चैनल पर सजल अली, महविश हयात, माहिरा खान और कुबरा खान को लेकर कहा है कि इन अभिनेत्रियों को सेना ने हनी ट्रैप के लिए इस्तेमाल किया था। आदिल राजा के इन आरोपों पर अभिनेत्रियों बुरी तरह से भड़क गईं हैं। सभी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर उन्हें करारा जवाब दिया है। खुद पर लगे आरोपों से भड़की सजल अली ने सोशल मीडिया पर लंबी चौड़ी पोस्ट लिखकर इस आरोप का जवाब दिया है। सजल अली ने कहा है, "ये सारी बातें पूरी तरह से बकवास हैं और मैं आदिल राजा पर कानूनी कार्रवाही करुंगी।" अब यह मुल्क बदतर होता जा रहा है। यहां किसी भी लड़की के चरित्र पर सवाल उठाना आम बात हो गई है।" बता दें कि सजल अली हिन्दी फिल्म मॉम में श्रीदेवी के साथ भी काम कर चुकी हैं। एक और मशहूर अदाकारा कुबरा खान ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, शुरूआत में मैं इसलिए चुप थी क्योंकि फर्जी वीडियो मेरी पर्सनैलिटी पर हावी नहीं हो सकता था लेकिन अब बहुत हो चुका। आपको क्या लगता है कि कोई भी ऐरा गैरा आकर मेरे ऊपर ऊपर उंगली उठाएगा और मैं चुप रहूंगी। उन्होंने तल्ख लहजे में आदिल राजा को अपने आरोप को सबूत के साथ पेश करने की चैलेंज भी दिया है। उन्होने लिखा, "आपके पास 3 दिन हैं। आप सुबूत के साथ अपनी बात को पुख्ता करें, वरना मैं आप पर मानहानि का मुकदमा करुंगी। क्योंकि मेरे साथ सच है और मैं किसी के बाप से नहीं डरती।" उधर, आदिल राजा के आरोप पर एक और अदाकारा महविश हयात ने भी करारा जवाब दिया है। उन्होंने लिखा, "सस्ती शोहरत हासिल करने के लिए कुछ लोग इंसानियत के दर्जे से भी गिर जाते हैं। मैं समझ सकती हैं कि आप दो मिनट के फेम को एंजॉय कर रहे हैं। मैं एक अभिनेत्री हूं सिर्फ इसलिए मेरा नाम कीचड़ में घसीटा नहीं जा सकता है। शर्म आनी चाहिए क्योंकि आप किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बेबुनियाद आरोप फैला रहे हैं जिसके बारे में आप कुछ भी नहीं जानते हैं और इससे भी बड़ी शर्म की बात उन लोगों के लिए है, जो आदिल राजा की बकवास पर आंख मूंदकर विश्वास कर रहे हैं।" आदिल राजा ने इस मामले में अदाकारा माहिरा खान का भी नाम लिया है, लेकिन माहिरा का इस पर अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। माहिरा खान पाकिस्तानी इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं। वह शाहरुख खान के साथ फिल्म रईस में भी काम कर चुकी हैं।

सूडोकु नवताल- 6303

★★★☆☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6302 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्दजाल - 7050

प्र	अ	मे	क	रा	म	रा	ज	र	प	म
न	द	क	म	व	डो	ने	ग	ति	मा	हा
अ	रा	र	ला	ण	ग	अं	द	ह	प	रा
जी	ज	ल	का	रा	न	स	ध	ह	लि	ज
त	अ	अ	र	ज	जा	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	धि	त	ह	र	वि
ए	स्व	रा	ज	व	अ	ला	रा	मा	न	रा
त	न	भा	र	प	र्व	त	रा	ज	वि	ज
रा	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
ज	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	मे	घ	रा	ज	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'राज' लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

रामराज, रावणराज, मेघराज, राजाधिराज, एतराज, पर्वतराज, महाराज, विराज, दराज, स्वराज

शब्दजाल - 7049 का हल

म	अ	मु	न	मू	ल्य	वा	न	ग	ल	य
रा	वि	प	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	भा
चु	मे	ष	ह	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ग्य
इं	को	ब	न	ल	वा	स	थु	ल	ष	वा
डि	च	मी	भ	ग	वा	न	क्रो	न	भ	न
य	वा	न	र	रा	क	न	ती	ण	य	र
द	न	निं	ग	ट्रे	न	र	स	सा	श	स
क	ह	ऊ	द	द	ब	क	फ	ग	वा	क
रा	म	तु	ला	या	म	प	क	वा	न	आ
क	गॉ	ल	प	लि	वा	कुं	भ	न	प	द
ज्ञा	न	वा	न	या	क	न	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6003

	3	7		6	2	5
3	29	6	37		31	1
1	2			5	6	
	30	1	30		31	
	6	5			3	2
2	33		31	3	30	7
6	1	2		7	4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6002 का हल

7	5	3	4	2	1	6
2	24	1	27	6	36	3
1	3	2	4	5	6	7
3	31	6	31	1	30	5
5	7	4	6	3	2	1
4	39	7	39	4	25	2
6	1	5	3	7	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

ऋषभ पंत को एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया : कोकिलाबेन अस्पताल में किया जाएगा घुटने का ऑपरेशन

देहरादून।
सड़क हादसे में घायल क्रिकेटर ऋषभ पंत को देहरादून से एयरलिफ्ट कर मुंबई ले लाया गया। यहां कोकिलाबेन अस्पताल में उनका आगे का इलाज होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बयान जारी कर कहा है कि अस्पताल के स्पोर्ट्स मेडिसिन एंड ऑर्थोस्कोपी हेड डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला की देखरेख में पंत का ट्रीटमेंट होगा। डॉ पारदीवाला इससे पहले सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा जैसे क्रिकेटर्स का इलाज कर चुके हैं। यह भी बताया है कि पंत के घुटने के लिगामेंट की सर्जरी की जाएगी। पंत की रिकवरी और इसके बाद रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया पर बोर्ड की टीम नजर रखेगी। 30 दिसंबर को कार एक्सीडेंट में घायल होने के बाद से पंत को पहले रुड़की के सक्षम हॉस्पिटल में इमरजेंसी ट्रीटमेंट दिया गया। इसके बाद से उनका इलाज देहरादून के मैक्स हॉस्पिटल में चल रहा था। एक्सीडेंट में पंत को सिर, घुटने और टखने में चोट आई थी। उनके घुटने के लिगामेंट टूटने की बात सामने आई थी। ऐसे में अब मेडिकल टीम ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें देहरादून से मुंबई एयरलिफ्ट करवाया है।

एयर लिफ्टिंग का खर्च – भारतीय बोर्ड ने बताया कि पंत के इलाज का खर्च उनके मेडिकल इन्शोरेंस से कवर होगा। वहीं, देहरादून से मुंबई एयरलिफ्ट किए जाने का खर्च बोर्ड उठाएगा। इस मामले में अब तक पंत का इलाज करने वाले उत्तराखंड के दोनों अस्पतालों की सराहना की है लेकिन पंत का आगे का इलाज वह अपने एक्सपर्ट्स की देखरेख में कराना चाहता था।

दिल्ली से घर जाते वक्त 30 दिसंबर को हुआ था एक्सीडेंट – भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में बाल-बाल बचे थे। उनकी मर्सिडीज अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई, जिसके बाद उसमें आग लग गई और पलट गई। एक्सीडेंट के बाद पंत जलती हुई कार की खिड़की तोड़कर खुद ही बाहर निकले। लोग बचाने पहुंचे तो बोले- मैं ऋषभ पंत हूं। उन्हें सिर, पीठ और पैर में गंभीर चोटें आई थीं। पुलिस के मुताबिक झपकी लगने से यह हादसा हुआ था।

चश्मदीद बोले- हाईवे के गड्ढे से 5 फीट उछली थी मर्सिडीज – इस हादसे के चश्मदीदों ने बताया था कि पंत की मर्सिडीज करीब 150 किमी प्रति घंटे की स्पीड से चल रही थी। उसने एक गाड़ी को ओवरटेक किया। फिर सामने एक गड्ढा आ गया। इससे उनकी कार 5 फीट तक उछलकर पहले बस से टकराई... फिर डिवाइडर से और घिसटते हुए उसमें आग लग गई। कार से निकलकर पंत रोड डिवाइडर पर ही बैठे हुए थे।

न्यूज ब्रीफ

हिजाब के बिना चेस खेलने वाली ईरानी खिलाड़ी को धमकी- लौटकर देश मत आना

दुबई । ईरान में हिजाब से जुड़ा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब ईरान की एक चेस खिलाड़ी

इसका शिकार हुई है। इस खिलाड़ी ने कजाखस्तान में हिजाब के बिना एक टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इसके बाद इस खिलाड़ी को देश वापस नहीं लौटने की धमकी मिली थी और यह खिलाड़ी स्पेन पहुंच गई। 1997 में पैदा हुई सारा खादेम ने पिछले हफ्ते अलमाटी में हिजाब के बिना फाइड वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप में हिजाब के बिना हिस्सा लिया था, जबकि ईरान के सख्त ड्रेस कोड के तहत महिलाओं को एक हेडस्कार्फ पहनना जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खादम को बाद में कई फोन कॉल आए, जिसमें लोगों ने उन्हें टूर्नामेंट के बाद घर न लौटने की धमकी दी, जबकि कई अन्य ने कहा कि उन्हें इस विवाद को सुलझाने का वादा करने के बाद ही देश लौटना चाहिए। खादम के रिश्तेदार और माता-पिता ईरान में हैं। इनको भी कई धमकियां मिली थीं। ईरान के विदेश मंत्रालय ने मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। खादम, जिन्हें सारसादत खादेमलशरीह के नाम से भी जाना जाता है, स्पेन पहुंची हैं। फोन कॉल के कारण आयोजकों ने कजाखस्तान पुलिस की मदद से सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया। इसी वजह से खादम के होटल के कमरे के बाहर चार सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। सितंबर 2022 से ही ईरान में हिजाब के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। फीफा विश्व कप के दौरान ईरान के खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रगान नहीं गाकर इसका विरोध किया था। ईरान में 22 साल की महसा अमिनी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। अमिनी को गलत पहनावे के लिए हिरासत में लिया गया था। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ की वेबसाइट के अनुसार, खादम दुनिया में 804 वें स्थान पर हैं।

महिला आईपीएल टीमों की होगी नीलामीः बीसीसीआई ने जारी किया टेंडर, कंपनियां 21 जनवरी तक खरीद सकेंगी डॉक्यूमेंट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने महिला आईपीएल की टीमों को बेचने के लिए टेंडर आमंत्रित किए है। 2023 में पहली बार महिला आईपीएल का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले बोर्ड टीमों की नीलामी करेगा। बोर्ड ने जो सूचना जारी की है उसके मुताबिक टीम खरीदने की इच्छुक कंपनियों को टेंडर डॉक्यूमेंट्स खरीदने होंगे। इस डॉक्यूमेंट के लिए कंपनियों को 5 लाख रुपए की नॉन रिफंडेबल राशि देनी होगी। डॉक्यूमेंट खरीदने की आखिरी तारीख 21 जनवरी, 2022 है। बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि टेंडर डॉक्यूमेंट खरीदने का यह मतलब नहीं है कि सिर्फ इसके आधार पर बोली में भागीदारी की इजाजत मिल जाएगी। बोर्ड पहले सभी कंपनियों की योग्यता को परखेगा और इसके बाद ही बोली में हिस्सा लेने की इजाजत होगी। पांच टीमों की नीलामी इसी तरीके से होगी। एक टीम का बेस प्राइस 400 करोड़ रुपए होगा। बोर्ड को उम्मीद है कि हर टीम के एवज में उसे 1000 से 1500 करोड़ रुपए के बीच राशि मिलेगी। महिला आईपीएल यानी विमेंस इंडियन प्रीमियर लीग मार्च 2023 में आयोजित होगी। 26 फरवरी को साउथ अफ्रीका में महिला टी-20 वर्ल्ड कप के ठीक बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। विमेंस आईपीएल का पहला सीजन 2 वेन्यू पर खेला जाएगा। 22 मैचों के इस मेगा इवेंट में हर टीम के पास 18 प्लेयर होंगे। वहीं, विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 6 रखी गई है।

एमएस धोनी को घर में अपनी बाइक स्टार्ट करने में हुई परेशानी, वायरल हुआ वीडियो

नई दिल्ली। भारत के सबसे चहेते क्रिकेटरों में से एक हैं और फैंस हमेशा उनकी एक झलक पाने को बेताब रहते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान लाइमलाइट से दूर रहते हैं और रांची में निजी जिंदगी जीना पसंद करते हैं। धोनी ने सोशल मीडिया से भी दूरी बना रखी है और फैंस को अपने स्टार क्रिकेटर की झलक पाने के लिए काफी लंबे समय तक इंतजार करना पड़ जाता है। फैंस धोनी के घर उनसे मिलने की उम्मीद में पहुंच जाते हैं। हाल ही में एक फैन की धोनी से मिलने की ख्वाहिश भी पूरी हुई थी। एक यूट्यूबर ने रांची की यात्रा की और धोनी से मिलने के लिए लंबे समय तक इंतजार किया। जहां वो क्रिकेटर से मिल नहीं सके, लेकिन प्रशंसक को धोनी को देखने का मौका जरुर मिला। एमएस धोनी बाइक चला रहे थे और सीधे अपने घर में गए जबकि फैंस उनसे मिलने का इंतजार कर रहे थे। फैन धोनी से तो मिल नहीं पाए, लेकिन उन्हें बाइक स्टार्ट करने के लिए संघर्ष करते हुए जरुर देख सके। कई प्रयासों के बाद धोनी आखिरकार अपनी बाइक स्टार्ट करने में कामयाब हुए। धोनी का बाइक स्टार्ट करने के लिए संघर्ष वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसे डेढ़ लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

52 साल पहले कैसे हुई थी हॉकी विश्व कप की शुरुआत भारत-पाकिस्तान युद्ध से जुड़ी है रोचक कहानी

नई दिल्ली ।
भारत में 15वें हॉकी विश्व कप की शुरुआत 13 जनवरी को होनी है। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर और राउरकेला में टूर्नामेंट के सभी मैच खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच 29 जनवरी को खेला जाएगा। भुवनेश्वर को लगातार दूसरी बार मेजबानी का मौका मिला है। 2018 में भी उसने हॉकी विश्व कप का आयोजन किया था। तब बेल्जियम ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को हराया था। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 52 साल पहले हुई थी।

1971 में पहली बार हॉकी विश्व कप स्पेन में खेला गया था। बार्सिलोना में पाकिस्तान की टीम ने मेजबान स्पेन को हराकर खिताब पर कब्जा किया था। विश्व कप के शुरू होने की रोचक कहानी भी पाकिस्तान से जुड़ी है। दरअसल, 1970 आते-आते एशियाई टीमों का प्रदर्शन खराब होने लगा था। दुनिया एस्ट्रो टर्फ पर खेलने लगी थी। एशियाई टीमों को पारंपरिक मैदानों में खेलने की आदत थी। यूरोप की टीमें मजबूत हो गई थीं।

ऐसे शुरू हुआ था हॉकी विश्व कप

कहा जाता है कि हॉकी विश्व कप को लेकर सबसे पहले पाकिस्तान के एयर मार्शल नूर खान ने प्रस्ताव रखा था। उन्होंने विश्व हॉकी पत्रिका के पहले संपादक पैट्रिक राउली के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) को अपने विचार के बारे में बताया था। 1969-70 में इस टूर्नामेंट को लेकर बड़ा फैसला लिया गया था। पहले विश्व कप की मेजबानी पाकिस्तान को सौंपने की बात हुई।

भारत-पाकिस्तान युद्ध के कारण मेजबान बदला

उस समय बांग्लादेश पाकिस्तान का हिस्सा था। वहां बांग्लादेश मुक्ति युद्ध चल रहा था। एफआईएच को इस बारे में जानकारी नहीं थी। भारत और पाकिस्तान के बीच इसके छह साल पहले भी युद्ध हुआ था। 1965 के बाद 1971 में भी दोनों देश आमने-सामने हो गए। तब भारत ने बांग्लादेश की मदद की थी और उसे आजाद कराया था। ऐसे में क्रिकेटर अब्दुल हफीज कारदार के नेतृत्व में पाकिस्तानियों ने हॉकी विश्व कप में भारत की भागीदारी का विरोध किया।

स्पेन को मिली थी पहले विश्व कप की मेजबानी

पाकिस्तान और भारत के बीच गंभीर राजनीतिक माहौल को देखते हुए एफआईएच ने टूर्नामेंट को कहीं और स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। स्पेन के शहर बार्सिलोना को इसकी मेजबानी सौंप दी गई। बार्सिलोना को शांत जगह माना गया। तटस्थ मैदान पर खेलने के लिए भारत और पाकिस्तान की टीमें तैयार हो गईं। 10 टीमों को टूर्नामेंट में खेलने की इजाजत दी गई थी।

वह अब तक सबसे छोटा विश्व कप था। 1978 में 14 टीमों ने हिस्सा लिया था। 2002 और 2018 में 16 टीमों ने भाग लिया था। इसके अलावा अन्य विश्व कप में 12-12 देशों ने हिस्सा लिया था। शुरुआती तीन टूर्नामेंट दो-दो साल पर हुए थे। 1978 में आयोजित विश्व कप तीन साल बाद हुआ था। उसके बाद से टूर्नामेंट का आयोजन चार साल पर होने लगा।

विश्व कप ट्रॉफी बनाने में भी पाकिस्तान का योगदान

हॉकी विश्व कप ट्रॉफी को पाकिस्तानी सेना के कारीगरों द्वारा बनाया गया था। इसका निर्मास सोने और चांदी से हुई था। ट्रॉफी के ऊपरी हिस्से में ग्लोब दिखता है और उसके ऊपर हॉकी स्टिक दिखाई देती है।

कोहली, रोहित जैसे खिलाड़ी वनडे विश्व कप में बड़ी भूमिका निभाएंगेः गौतम गंभीर

नई दिल्ली।
पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे बेहद अनुभवी भारतीय क्रिकेटर साल के अंत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे विश्व कप में बड़ी भूमिका निभाएंगे। जबकि कोहली 2011 टीम का सदस्य थे, जिसने घरेलू धरती पर विश्व कप जीता था। रोहित उस टूर्नामेंट में शामिल नहीं थे और 2019 के वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। कोहली और रोहित दोनों भारत की श्रीलंका के खिलाफ गुवाहाटी में 10 जनवरी से शुरू होने वाली आगामी वनडे श्रृंखला के दौरान 50 ओवर के मैच में नजर आएंगे। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा लगता है कि जब हम इस नए दृष्टिकोण के बारे में बात करते हैं, जिसके बारे में भारत हमेशा बात करता है, तो आपको ऐसे खिलाड़ियों की पहचान करनी होती है जो उन भूमिकाओं या उस खाके को बहुत आसानी से अपना सकते हैं। कुछ खिलाड़ी उस खाके को नहीं अपना सकते हैं। इसलिए उन्हें एक निश्चित तरीके से खेलने के लिए क्यों मजबूर किया जाए जो स्वाभाविक रूप से उनके पास नहीं है। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स पर रोड टू वर्ल्ड कप ग्लोरी शो में कहा, इसलिए, मुझे लगता है कि खिलाड़ियों की पहचान करना और साथ ही सही मिश्रण प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है, यह सोचने के बजाय कि हमें एक निश्चित टेम्पलेट पर खेलना है। मुझे लगता है कि विराट कोहली, रोहित शर्मा और वे सभी लोग जो अपनी पारी को आगे बढ़ा सकते हैं, आने वाले विश्व कप में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे। गंभीर ने यह भी कहा कि वनडे में नियमों में बदलाव का मतलब है कि तेज गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग मिलने की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा, सबसे पहले, आपको उन खिलाड़ियों की पहचान करने की जरूरत है जिनके पास निडर दृष्टिकोण है और शायद 50 ओवर जैसे प्रारूप में आपको हर तरह के खिलाड़ी का मिश्रण होना चाहिए। ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी पारी को आगे बढ़ा सकते हैं। गुवाहाटी में पहले वनडे के बाद, भारत और श्रीलंका कोलकाता और तिरुवनंतपुरम में दो और वनडे खेलेंगे, जनवरी 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच खेलने के बाद मार्च में आस्ट्रेलिया के साथ घरेलू टेस्ट सीरीज में खेलेंगे।

53 साल के मैकी कैंसर पीड़ितों के लिए 365 दिनः 365 मैराथन, 10 करोड़ रु. इकट्ठे किए, पिता को भी कैंसर था

लंदन।
कम्ब्रिया के क्लीटर मूर के रहने वाले गैरी मैकी ने पूरे एक साल तक मैराथन दौड़कर करीब 10 करोड़ रुपए इकट्ठा किए हैं। 53 साल के गैरी 3 बच्चों के पिता हैं। वे मैकमिलन कैंसर सपोर्ट के लिए 2 दशकों से फंड जोड़ रहे हैं। 1997 में गैरी के पिता विक्टर को कैंसर हुआ था, जिसके बाद गैरी इस सपोर्ट ग्रुप के साथ जुड़े थे। 2005 में उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। 365 दिनों की मैराथन के दौरान गैरी ने 15,390 किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय किया।

वे रोज सेलफील्ड न्यूक्लियर साइट पर अपनी शिफ्ट शुरू करने से पहले करीब 42 किमी की मैराथन पूरी करते थे। गैरी इससे पहले भी कई असामान्य फिजिकल एक्टिविटीज पूरी कर चुके हैं। उन्होंने किलिमंजारो पर चढ़ाई की है। जीलैंड में ट्रेकिंग, लैंड्स एंड से जॉन ओग्रोट्स तक की दौड़ और 24 घंटे में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स की 3 चोटियों को छूने का चैलेंज भी पूरा किया है।

जब उन्होंने लंदन में पहली बार मैराथन में भाग लिया था, तब वे क्लीटोर मूर में अपने घर से राजधानी तक भागे थे। गैरी ने मैराथन के दौरान कई लोगों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया। गैरी के साथ 90 मैराथन दौड़ने वाले 29 साल के क्रिस यंग ने कहा कि इस मैराथन ने मुझे शारीरिक और मानसिक तौर पर मजबूत बनाया है। गैरी की इस मैराथन ने पूरे समुदाय के साथ-साथ हजारों लोगों को प्रेरित किया है। इस मैराथन से दो चैरिटी के लिए असाधारण राशि जुटाई गई है, लेकिन गैरी ने समुदाय और उसके आसपास के लोगों को जो प्रभाव छोड़ा है वह अतुलनीय है। उनकी कोशिशों से बहुत सारे लोगों का जीवन बेहतर होगा। हॉस्पिस एट होम वेस्ट की फंडिंग और कम्यूनिकेशन डायरेक्टर हेली मैके ने कहा कि मैकमिलन कैंसर सपोर्ट ग्रुप ने मैराथन पूरी होने पर कहा कि 2022 का इससे बेहतर अंत नहीं हो सकता था।

आखिरी ओवर अक्षर को देने पर बोले पंड्या : कहा - मैं टीम को मुश्किल स्थिती में डालना चाहता हूं ताकि बड़े मैचों में हमें मदद मिले

मुंबई।
भारत ने श्रीलंका के खिलाफ आखिरी ओवर में 2 रन से रोमांचक मुकाबला जीता। इसी के साथ पंड्या की कप्तानी में टीम इंडिया ने लगातार अपना छठा टी-20 मैच जीता। तीन टी-20 की सीरीज में भारत 1-0 से आगे हो गया है।

आखिरी ओवर में श्रीलंका को जीत के लिए 13 रन चाहिए थे। ऐसे में पंड्या ने आखिरी ओवर खुद करने की बजाए स्पिनर अक्षर पटेल को दिया। उन्होंने मैच के बाद इस पर कहा कि वे टीम को मुश्किल स्थिति में डालना चाहते हैं ताकि बड़े मैचों में उन्हें मदद मिले।

सीरीज का दूसरा मुकाबला 5 जनवरी को पुणे में खेला जाएगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने 162 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद श्रीलंका लक्ष्य का पीछा करते हुए 160 रन ही बना सकी।

अक्षर ने दिखाया ऑल राउंड प्रदर्शन

भारतीय टीम के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने ऑल राउंड प्रदर्शन किया। भारत ने 14.1 ओवर में 94 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में दीपक हुड्डा और अक्षर पटेल ने 35 गेंदों पर 68 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी के दम पर भारतीय टीम 162 का स्कोर बना सकी। अक्षर ने नाबाद 20 बॉल पर 31 रन बनाए। अक्षर भले ही गेंद से कोई विकेट नहीं निकाल पाए लेकिन आखिरी ओवर में 13 रन बचाकर वे मैच के हीरो बन गए। उन्होंने 3 ओवर में 31 रन देकर अपना स्पेल खत्म किया। श्रीलंका सीरीज के लिए भारतीय टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या ने मैच के बाद कहा कि हम आखिरी ओवर में मैच हार भी सकते थे। लेकिन यह सब तो खेल का हिस्सा है। इस टीम को मैं मुश्किल हालातों में डालना चाहता हूं। ताकि, हमें बड़े मैचों में मदद मिले। हम द्विपक्षीय सीरीज में अच्छे हैं और हम यहां खुद को चुनौती दे रहे हैं। पहला मैच पूरी तरह से युवा खिलाड़ियों के नाम रहा।

ईशान को छोड़...नहीं चला टॉप ऑर्डर

ईशान को छोड़कर श्रीलंका के खिलाफ भारत का टॉप ऑर्डर फ्लॉप रहा। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने गिल, सूर्या और सैमसन को खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया। 2022 में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव 7 रन बनाकर आउट हुए। डेब्यू कर रहे शुभमन गिल भी पावरप्ले में महीश तीक्षणा की बॉल पर आउट हुए। वहीं, टीम में वापसी कर रहे संजू सैमसन 6 बॉल में 5 रन बनाकर आउट हुए।

यौन उत्पीड़न मामला

हरियाणा के पूर्व मंत्री संदीप सिंह के घर पहुंची पुलिस, महिला कोच ने लगाए संगीन आरोप

चंडीगढ़।
हरियाणा के खेल राज्य मंत्री रहे संदीप सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला कोच ने एक और आरोप लगाया है। महिला कोच ने कहा कि उन्हें फोन कॉल आ रहे हैं, कहा जा रहा है कि वह किसी भी देश में जा सकती हैं। यहीं नहीं उन्हें एक महीने के लिए 1 करोड़ रुपये का ऑफर भी दिया गया है। महिला ने बताया कि उसे अपनी शिकायत वापस लेने के लिए नहीं कहा गया है, लेकिन चुप रहने के लिए दबाव बनाया जा रहा है और किसी अन्य देश में जाने के लिए कहा जा रहा है।

संदीप सिंह के घर पहुंची पुलिस की टीम – इस बीच, यौन उत्पीड़न के आरोपों में फंसे हरियाणा के खेल राज्य मंत्री रहे संदीप सिंह की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। यौन उत्पीड़न मामले में सेक्टर-26 थाना प्रभारी सहित पुलिस की एक टीम हरियाणा के पूर्व मंत्री संदीप सिंह के आवास पर पहुंची। बता दें कि संदीप सिंह के खिलाफ चंडीगढ़ के सेक्टर-26 थाने में यौन शोषण का मामला दर्ज है।

महिला का आरोप- देश छोड़ने के लिए 1 करोड़ का दिया ऑफर - महिला कोच ने कहा कि मुझे फोन कॉल मिल रहे हैं कि मैं किसी भी देश में जा सकती हूं और मुझे एक महीने के लिए 1 करोड़ रुपये मिलेंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि मुझे अपनी शिकायत वापस नहीं लेने के लिए कहा गया है, लेकिन चुप रहने और किसी अन्य देश में जाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

सीएम कर रहे जांच को प्रभावित – हरियाणा खेल मंत्री पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला कोच ने कहा कि एसआईटी का गठन कर दिया गया है और मामले में सबकुछ विस्तार से बताया गया है। हालांकि, हरियाणा के सीएम जांच को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझ पर चुप रहने का दबाव डाला जा रहा है।

महिला कोच ने एसआइटी को दर्ज कराए बयान - इससे पहले चंडीगढ़ पुलिस की एसआइटी के समक्ष प्रदेश के खेल राज्य मंत्री रहे संदीप सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला कोच ने अपने बयान दर्ज करवाए थे। शिकायतकर्ता सुबह करीब 11 बजे थाने पहुंची और रात लगभग आठ बजे तक वहां रही। पुलिस ने महिला का फोन भी अपने कब्जे में ले लिया है। इस दौरान महिला कोच ने पुलिस को अपने केस से संबंधित कुछ अन्य साक्ष्य भी सौंपे। इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस मंत्री संदीप से पूछताछ भी कर सकती है। महिला ने अपनी कानूनी लड़ाई मजबूती से लड़ने के लिए विभाग से दस दिन का अवकाश भी ले लिया है।

महिला अधिकारी के नेतृत्व में गठित की टीम – बता दें कि मामले की जांच के लिए चंडीगढ़ पुलिस ने महिला अधिकारी पलक गोयल के नेतृत्व में स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम गठित की है। पूछताछ के बाद महिला ने मीडिया कर्मियों को बताया कि उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस की एसआइटी को सारी सच्चाई बता दी है। महिला ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल पर भी जांच को प्रभावित करने का आरोप लगाया। कहा कि मुख्यमंत्री ऐसे बयान देकर संदीप सिंह को बेकसूर साबित करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़िता ने यह भी कहा कि मुहं बंद रखने के लिए उन पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्हें एक करोड़ रुपये का आफर दिया गया है।

संदीप सिंह पर लगे आरोपों पर बोले सीएम खट्टर – बता दें कि हरियाणा सरकार द्वारा तथ्यों की पड़ताल के लिए बनाई कमेटी अभी बैठकें ही कर रही है, लेकिन चंडीगढ़ पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। महिला कोच और मंत्री संदीप सिंह के मामले में पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि एक महिला खिलाड़ी द्वारा संदीप सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं।

पहनावा

यदि हील्स पहनने से होती है परेशानी, तो आजमाएं ये 5 टिप्स

आजकल कई महिलाएं ऊंची हील्स के सैंडल पहनती हैं. दिन में कई घंटे वे ऐसे सैंडल पहने रहती हैं. लेकिन, ऊंची हील्स के सैंडल आपके शरीर पर काफी बुरा असर डालते हैं. लगातार ऐसी हील्स के सैंडल पहने रखने से पैरों में काफी दर्द हो सकता है.

हील्स पहनने से पैरों पर नाहक ही दबाव पड़ता है. इसके साथ ही पंजे की नाजुक मांसपेशियां भी इससे प्रभावित होती हैं. एक शोध के मुताबिक हर तीसरी महिला को लगातार हील्स पहने रखने के कारण कमर, घुटने और पैरों की स्थाई समस्या हो गई है.

नंगे पैर चलें

हील्स को भूल जाइए और वीकएंड पर अपने पैरों को आराम दीजिए. जब भी संभव हो नंगे पैर चलिए. पैरों को जमीन पर रखकर चलिए. घास पर नंगे पैर सैर कीजिए. इससे आपके पैरों की सूजन कम हो जाएगी.

पानी में डुबोएं पैर

सप्ताह भर की थकान के बाद आपके पैरों को आराम चाहिए. आप अपने पैरों को टब में गर्म पानी में अच्छी तरह भिगोकर रखें. अगर आपको छाले हैं, तो हो सकता है कि आपको थोड़े समय के लिए तकलीफ होगी.

छालों का करें इलाज

खुले जख्म आपके लिए अच्छे नहीं. उन जख्मों पर एंटीसेप्टिक क्रीम लगाएं. इससे छालों में संक्रमण होने का खतरा कम हो जाएगा. किसी भी फफोले को न फोड़े कुछ समय बाद वे अपने आप ही समाप्त हो जाएंगे. हाला कि, आपका दिल ऐसा किया जाने को मचल रहा होगा, लेकिन खुद पर काबू रखिए.

इंतजार करें

बेशक, आपके पास बेहद खूबसूरत जूते हैं, जिन्हें आप पहनना चाहती हैं. लेकिन, कुछ समय इंतजार कीजिए. जल्दबाजी करने से आपकी समस्या बढ़ सकती है. तो आराम से काम करें.

पैरों की मसाज

यह पैरों की तकलीफ से राहत पाने का बहुत अच्छा तरीका है. स्पा में जाकर पैरों की मसाज करवाइए. विशेषज्ञ मसाज करने वाला आपके पैरों की मांसपेशियों को तकलीफ कम हो जाती है.

सर्दियों में बच्चों को खिलाएं लहसुन

सर्दी के मौसम में बच्चे बहुत जल्दी बीमार पड़ जाते हैं। इसका कारण बार-बार ठंड़ लगना और कमजोर इम्यूनिटी का होना भी हो सकता है। बच्चे को पौष्टिक आहार देकर उसकी शारीरिक कमजोरी को दूर किया जा सकता है। जिससे बच्चों में रोगों से लड़ने शक्ति मजबूत होगी और बीमारियों से भी बचाव रहेगा। पौष्टिक आहार में एक है लहसून, जिसे खाने से बच्चे कतराते हैं, सर्दियां शुरू होने पर बच्चे के गले में लहसून बांध देने से भी बीमारियों से बचाव रहता है। आइए जाने लहसून के फायदे।

सर्दियों में बच्चों को खिलाएं लहसुन मिलेंगे कई लाभ

प्रतिरोधक क्षमता मजबूत-बच्चे को बहुत जल्दी सर्दी और जुकाम हो जाता है तो सूप में लहसून डालकर बच्चे को पिलाएं। इससे शरीर मे सर्दी का असर कम हो जाता है।

पेट दर्द: पेट में गैस बन जाने पर भी बच्चे की तबीयत खराब हो जाती है। इससे बचने के लिए लहसून और शहद को मिक्स करके खिलाएं।

पेट के कीड़े : छोटे बच्चे के पेट में कीड़े जल्दी पनपने लगते हैं। आंतों में पैदा होने वाले कीड़ों से छुटकारा पाने के लिए बच्चे को लहसून खाने के लिए दें।

छोटे बच्चे के पेट में कीड़े :सर्दियां शुरू होने पर बच्चे के गले में लहसून बांध देने से भी बीमारियों से बचाव रहता है।

इंफैक्शन से बचाव मौसम में आए बदलाव के कारण बच्चे जल्दी इंफैक्शन का शिकार हो जाते हैं। इस तरह के बैक्टीरिया से छुटकारा पाने के लिए खाने में लहसून का इस्तेमाल करें। इसमें मौजूद फाइटोकैमिकल्स आंतों में पनपने वाले बैक्टीरिया को भी खत्म करते हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए जरूर खाएं ये 6 फूड्स

पहले के जमाने में बुजुर्ग लोगों की ही आंखें कमजोर होती थी। लेकिन आज, ऐसा कुछ है जिसके कारण युवा पीढ़ी भी इस समस्या से जूझ रही है। इसका मुख्य कारण कम्प्यूटर, मोबाइल और टीवी पर ज्यादा समय बिताना है। आजकल, कम उम्र में ही चश्मा लग जाता है। इसके कारण पैरेंट्स को चिंता रहती है और वे ऐसे प्राकृतिक तरीकों की तलाश में रहते हैं जिससे कि आंखों की रोशनी बढ़े।

अब इसके लिए सबसे पहले खानपान पर ध्यान देना जरूरी है। इसलिए आहार ऐसा ले जिससे आंखों की रोशनी बढ़े। जानिए ऐसे ही 6 फूड्स के बारे में जो यह काम कर सकते हैं।

आंवला

आंवला आंखों के लिए वरदान है। इसमें मौजूद तत्व आंखों की रोशनी को सालों-साल तक बनाए रखते हैं। आप कच्चे आंवले को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा सुबह खाली पेट आंवले का रस पीना या फिर आंवले का मुरब्बा खाना भी फायदेमंद रहेगा।

बादाम का दूध

सप्ताह में कम से कम तीन बार बादाम का दूध पिएं। इसमें विटामिन ई होता है जो कि आंखों में किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए फायदेमंद है। इससे त्वचा में भी निखार आता है। अगर आप चाहें तो एक चिमटी हल्दी भी डाल सकते हैं।

गाजर

गाजर का ज्यूस पीना सेहत के लिए तो अच्छा है ही साथ ही आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। रोजाना एक गिलास गाजर का ज्यूस पीने से आंखों पर चढ़ा चश्मा तक उतर सकता है।

हरी सब्जियां

अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन की भरपूर मात्रा पायी जाती है, जो आंखों के लिए बहुत ही जरूरी है।

मेवे

मेवा खाने से हाई विटामिन मिलता है जो कोलेस्ट्रॉल को लो रखता है और सेलुलर मेम्बरेन में स्थिरता बनाए रखता है।

साथ ही यह लीवर में से विटामिन ए को आंखों के प्रयोग के लिये इस्तेमाल करने के लिये उसे बाहर निकालता है।

अंडे

अंडे में अमीनो एसिड, प्रोटीन, सल्फर, लैक्टिन, ल्युटिन, सिस्टीन और विटामिन बी2 होता है। विटामिन बी सेल के कार्य करने में महत्वपूर्ण होता है।

रिलेशन

थकान दूर करने के लिए ये 5 चीजें खाएं..

गर्मी में पसीने और काम के लोड के कारण जब आप पूरी तरह से थककर चूर हो जाते हैं और आपमें काम करने की बिल्कुल भी ताकत नहीं होती तो क्या किया जाए..? तो ये 5 चीजें खाएं और अपनी थकान को 5 मिनट में दूर करें।ओटमील-शरीर तब थकता है जब आपके शरीर में बिल्कुल एनर्जी नहीं रहती। लेकिन बैठे-बैठे अनाज का सेवन भी करना सही नहीं। ऐसे में ओटमील खाएं। इसमें विटामिन बी1, फॉस्फोरस, प्रोटीन और मैगनीशियम प्रचूर मात्र में होता है जो आपके शरीर में एनर्जी लेवल बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इसमें काफी मात्र में फाइबर व काबरेहाइड्रेट भी होते हैं जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

अखरोट और अंजीर

थकान दूर करने के लिए अखरोट और अंजीर एक बेहतर उपाय है। अखरोट में प्रचूर मात्र में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है और अंजीर में नैचुरल शुगर होता है। इन दोनों को साथ में खाने से शरीर को जरूरी मात्र में ऊर्जा प्राप्त होती है जिससे शरीर फिर से ऊर्जावान महसूस करता है। थकावट का सबसे ज्यादा एहसास तब होता है जब शरीर पूरी तरह से एक्जॉस्ट हो जाता है। इस स्थिति में शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे आपका दिमाग सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। ऐसे में मीठे तरबूज का सेवन करें। तरबूज से आपके शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाएगी और शरीर पूरी तरह से हाइड्रेट हो जाएगा। साथ ही इसमें नैचुरल शुगर होता है जिससे शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है।

कद्दू के बीज

आप ऑफिस में तरबूज नहीं खा सकते। ओटमील भी नहीं हो और अखरोट व अंजीर तो काफी महंगे होते हैं.. ऐसे में क्या किया जाए? ऐसे में कद्दू के बीज हमेशा अपने साथ रखें। इसमें प्रचूर मात्र में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं जिससे शरीर को तुरंत पोषकतत्व प्राप्त होते हैं जिससे शरीर को झट से एनर्जी मिलती है।

अदरक वाली चाय

थकान दूर करने का सबसे सस्ता और आसान उपाय है- अदरक वाली चाय। अदरक से आपकी नींद और थकान हट जाएगी। चाय में मौजूद कैफीन से आपको ताजगी महसूस होगी और चीनी से एक्जॉस्ट हुई ऊर्जा मिल जाएगी।

तरबूज

थकावट का सबसे ज्यादा एहसास तब होता है जब शरीर पूरी तरह से एक्जॉस्ट हो जाता है। इस स्थिति में शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे आपका दिमाग सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। ऐसे में मीठे तरबूज का सेवन करें। तरबूज से आपके शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाएगी और शरीर पूरी तरह से हाइड्रेट हो जाएगा

ओटमील

शरीर जब थकता हैं जब आप के शरीर के एनर्जी नहीं होती हैं लेकिन बैठे-बैठे अनाज सेवन भी करना सही नहीं। ऐसे में ओटमील खाएं। इसमें विटामिन बी1, फॉस्फोरस, प्रोटीन और मैगनीशियम प्रचूर मात्रा में होता है जो आपके शरीर में एनर्जी लेवल बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इसमें काफी मात्रा में फाइबर व कार्बोहाइड्रेट भी होते हैं जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए अपनाएं ये 'वास्तु टिप्स'

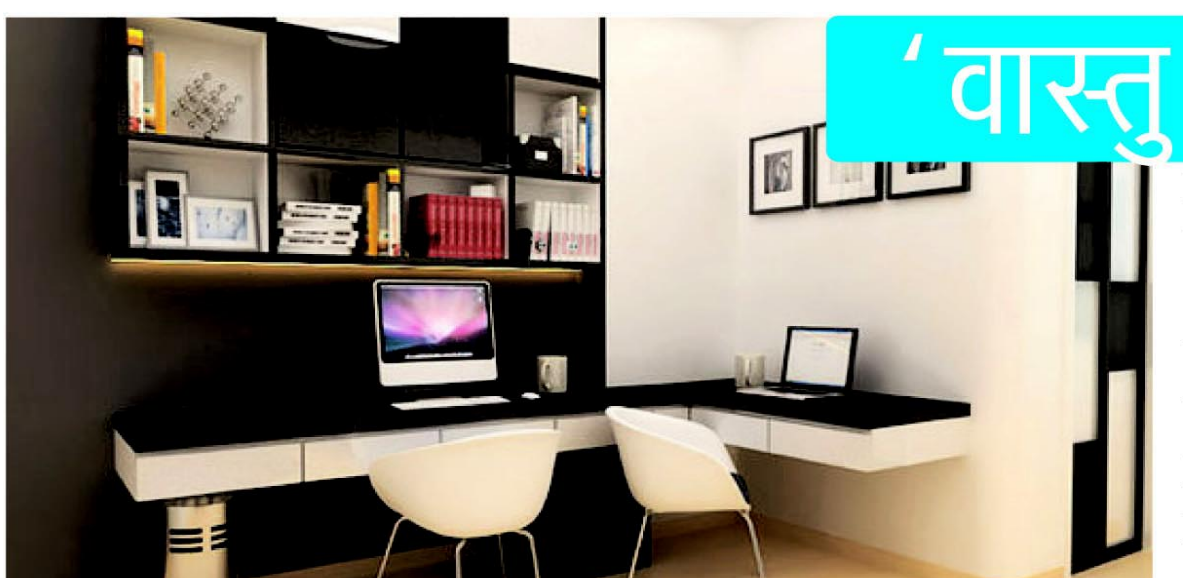

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए यह बेहद जरूरी है कि पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ वह अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहे। उसका विजन और माइंडसेट क्लियर हो कि उसे भविष्य में क्या करना है। अगर आपका बच्चा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है। वह खुद भी अपने प्रयासों से पर्याप्त खुश नहीं हो रहा है तो ऐसे में उसकी प्रगति और विकास के लिए आप वास्तु की मदद भी ले सकते हैं। यह सच है कि पेरेंट्स बनने के बाद से ही बच्चों के भविष्य की चिंता हर किसी को सताने लगती है। मन में ढेरों सवाल उठते हैं कि किस तरह से हम अपने बच्चे के भविष्य को सुरक्षित कर सकें। कैसे हम उसे सर्वश्रेष्ठ करियर चुनने के लिए प्रेरित करें। कई बार सबकुछ ठीक होते हुए भी, पढ़ाई में कुशाग्र होने के बावजूद बच्चे अपनी पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पाते हैं।

क्या आप चिंतित हैं बच्चों के भविष्य को लेकरङ्क भविष्य को लेकर वह हमेशा असमंजस की स्थिति में रहता है। पढ़ने बैठता है तो ध्यान सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर या दोस्तों की तरफ जाता है। एकाग्रता की कमी है और स्पष्टता का भी अभाव है। किसी से बात करते हुए हिचकिचाता है। अपने पेरेंट्स की बात नहीं सुनता।

ये हो सकते हैं कारण

उसके कमरे की दक्षिण-पश्चिम दिशा में गेम या खेलकूद का सामान रखा होना इसकी वजह हो सकता है। स्टडी के जोन में दोस्तों के साथ मस्ती की तस्वीरों का होना। उसकी स्टडी टेबल मनोरंजन के जोन माने जाने वाले पूर्व या उत्तर-पूर्व में होना। बच्चे का कमरा दक्षिण-पश्चिम में स्थित होना। उत्तर-पूर्व कटा होना या लाल रंग का होना। कमरे का पश्चिमी कोना कटा होना। अग्नि तत्व का व दक्षिण जोन का असंतुलित होना।

उपायों पर करें अमल

वास्तुशास्त्र में हर कार्य के प्रतिपादन के लिए अलग दिशा क्षेत्र है। बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए इन वास्तु के उपायों पर अमल करें।

अगर आपके बच्चे का विजन क्लियर नहीं है, तो आप उसका कमरा उत्तर-पूर्व में बनाएं। यहां रहने से मन में नए विचार आते हैं। बच्चा अपनी बात को किसी के भी समक्ष स्पष्टता से प्रस्तुत कर पाता हैं यहां रहने से उसकी सम्प्रेषण क्षमता बढ़ने के साथ-साथ उसका विजन क्लियर रहता है। साथ ही हंस पर विराजमान सरस्वती माता का चित्र भी लगाएं।

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए यह बेहद जरूरी है कि उसकी कम्यूनिकेशन स्किल बेहतर हो। जब भी वह पूर्व जोन में वाद-विवाद की प्रैक्टिस करेगा तो उसकी कम्यूनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

उसके कमरे में दक्षिण-पश्चिम में गेम्स, दोस्तों की तस्वीरें या फिर मनोरंजन का कोई अन्य सामान रखने से परहेज करें। यहां पर जो भी सामग्री होगी उसी ओर उसका ध्यान केंद्रित होगा। इसीलिए उसकी रुचि व विषय से संबंधित चीजों को इस जोन में रखें।

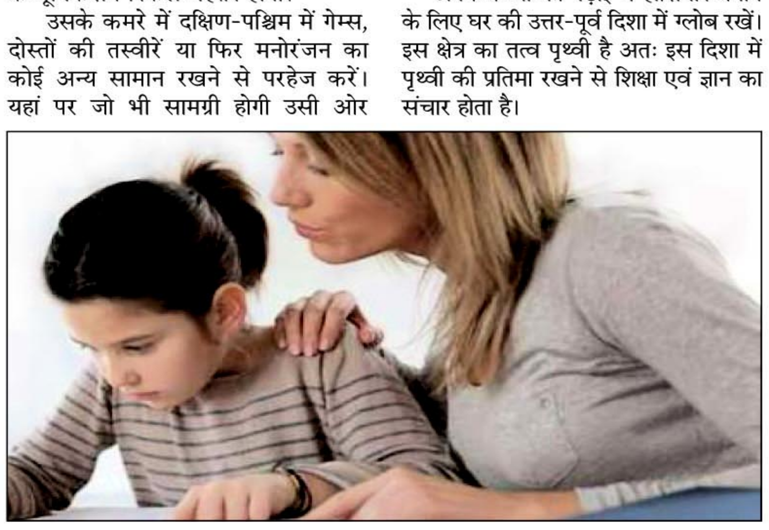

कमरे की सजावट

उनके कमरे के पर्दों का रंग भी हरा, नीला या फिर पीला रखें।

उत्तर-पूर्व में उसके पसंदीदा विषय से जुड़ी कोई तस्वीर लगाएं।

बच्चों का बेड लगाते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि उसका सिर शौचालय की ओर न हो। शौचालय अपशिष्ट पदार्थों के विसर्जन की जगह है इस ओर सिर करके सोने से बच्चे का ध्यान पढ़ाई से हट जाता है।

उनकी स्टडी टेबल इस तरह रखी होनी चाहिए कि पढ़ते समय उनका मुख पूर्व दिशा में ही रहे।

सोते समय पैर दक्षिण की ओर न करें। कमरे की दीवारों पर हल्के रंगों जैसे हरा, नीला या फिर हल्के पीले या ऑफ वाइट कलर का पेंट करवाना चाहिए।

अपने बच्चों को पढ़ाई में होशियार बनाने के लिए घर की उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है अतः इस दिशा में पृथ्वी की प्रतिमा रखने से शिक्षा एवं ज्ञान का संचार होता है।

रेसिपी

मिर्ची का सालन

सामग्री

नारियल, तिल के बीज, मूंगफली: 2 बड़े चम्मच, प्याज- 70 ग्राम, पानी: 220 मिलीलीटर,हरी मिर्च : 100 ग्राम, तेल: 3 बड़े चम्मच, तेल- 110 मिलीलीटर लहसुन- 1 छोटा चम्मच, सूखी लाल मिर्च : 4-5,कलौंजी: 1/4 छोटा चम्मच, मेथी के बीज: 1/4 छोटा चम्मच,सरसों के बीज: 1 छोटा चम्मच, करी पत्ता: 6-8, अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 बड़ा चम्मच, हल्दी: 1/2 छोटा चम्मच, जीरा : 1 छोटा चम्मच,धनिया पाऊडर : 1/2 छोटा चम्मच, नमक: स्वादानुसार, इमली का गूदा: 130 ग्राम

विधि

एक पैन को मध्यम आंच पर रखें। इसमें 2 बड़े चम्मच मूंगफली, 2 बड़े चम्मच तिल के बीज, 2 बड़े चम्मच नारियल डालकर 2-3 मिनट तक फाई करें। एक अन्य पैन में मध्यम आंच पर 70 ग्राम प्याज डालकर भून लें। इसके बाद इस मिश्रण को एक बाउल में निकालकर इसमें 110 मिलीलीटर पानी डालें और इसे अच्छे से ब्लेंड कर लें। अब 100 ग्राम हरी मिर्च लें और इसे लंबाई में काट लें। ध्यान रहे कि मिर्च टूटे नहीं। मध्यम आंच पर एक पैन में 110 मिलीलीटर तेल डालकर गर्म करें और इसमें हरी मिर्च को 2 से 3 मिनट तक फाई करें। एक अन्य कड़ाही में 3 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। फिर इसमें 1 छोटा चम्मच लहसुन, 4-5 सूखी लाल मिर्च, 1/4 छोटा चम्मच कलौंजी, 1/4 छोटा चम्मच मेथी के बीज, 1 छोटा चम्मच सरसों के बीज और 6-8 करी पत्ता डालकर 2 से 3 मिनट तक फाई करें। फिर इसमें 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी डालकर ब्लेंड कर लें। बाद में इसमें 1 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, छोटा डेढ़ चम्मच नमक, 130 ग्राम इमली पल्प और हरी मिर्च डालकर 4-5 मिनट तक पकाएं। आपका हैदराबादी मिर्ची का सालन तैयार है। इसे गर्मा-गर्म परोसें।

चीज मीटबॉल मम्मी

सामग्री

मीटबॉल- 18 (पके हुए) पिज्जा क्रस्ट आटा- 1 रोल

बेम्बू स्वीकर्स

ब्लैक ऑलिव- 8

क्रीमी चीज- 2 टेबलस्पून पास्ता सॉस

विधि

सबसे पहले मीटबॉल को बेम्बू स्टिक के चारों तरफ अच्छी तरह से रेप कर दें। इसके बाद पिज्जा क्रस्ट को कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें। पिज्जा क्रस्ट को फ्रिज में से निकाल कर द इंच कर काट लें। अब इसे आंखो की जगहें छोड़ते हुए मीटबॉल के पर लपेट दें। इसमें से बेम्बू स्टिक को निकाल कर बेंकिंग शीट रख दें। अब इन मम्मी को 350 डिग्री तक 22 मिनट के गोल्डन बाउन होने तक लिए बेक करें। इसके बाद इसे ओवन से निकाल कर ठंडा होने दे। क्रीमी चीज को फॉस्टिंग बैग में डालकर इसकी आंख वाली जगहें पर लगा कर उसके उपर से ब्लैक ऑलिव लगाएं। इनमें से कुछ ऑलिव को काट कर बेम्बू स्टिक में लगा दें। इन्हें प्लेट में लगा कर बेम्बू स्टिक ऑलिव से डेकोरेट करें। आपकी चीज मीटबॉल मम्मी बन कर तैयार है। अब आप इसे पास्ता सॉस के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**